पत्रिका

- आंधी-तूफान में गिर सकते हैं हाईटेंशन लाइन टावर
- ग्वालियर, श्योपुर, शुजालपुर, सतना में हालात चिंताजनक

**बिजली वितरण व्यवस्था खतरे में**

**अवैध खुदाई से खोखली हुई हाईटेंशन टावरों की नींव**

# ब्लैकआउट की दहलीज पर प्रदेश!

**नींव के पास से मिट्टी-मुरम का अवैध उत्खनन**

**एक्सक्लूसिव**

**शाजापुर** जिले के शुजालपुर में भी कई टावरों के पास की मिट्टी गायब हो गई है।

**श्योपुर** में यही हालत थे, लेकिन समय रहते ट्रांसमिशन कंपनी को रूट डायवर्ट करना पड़ा। इस टावर की हालत भी बेहद खतरनाक हो गई थी।

**राहुल गंगवार**
patrika.com

**ग्वालियर.** मध्यप्रदेश की विद्युत वितरण व्यवस्था पहले से ही कई चुनौतियों से जूझ रही हैं। अब एक ऐसे गंभीर और चौंकाने वाले खतरे की दहलीज पर है, जिसने पूरी प्रणाली को ऑक्सीजन सपोर्ट पर ला दिया है। तेज आंधी-तूफान के मौसम से ठीक पहले हाईटेंशन ट्रांसमिशन टावरों के आसपास की जा रही अवैध खुदाई और उत्खनन ने इनकी नींव को खोखला कर दिया है। हालात यह हैं कि अगर समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो तेज हवा और आंधी से ये टावर किसी भी पल गिर सकते हैं। इससे प्रदेश के बड़े हिस्से में ब्लैक आउट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

## 'ऑक्सीजन सपोर्ट' पर ट्रांसमिशन सिस्टम

**मध्यप्रदेश** पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के अधिकारियों की मानें तो पहले टावरों के नीचे अतिक्रमण और एंगल चोरी जैसी समस्याएं सामने आती थीं, लेकिन अब स्थिति कई गुना ज्यादा खतरनाक हो गई है। कई जिलों, जिनमें ग्वालियर, श्योपुर, सतना और शुजालपुर प्रमुख हैं, में हाईटेंशन ट्रांसमिशन टावरों की नींव के पास से मिट्टी और मुरम का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। कई जगह टावरों के बेहद करीब तक गहरी खुदाई की गई है। इससे उनकी स्थिरता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह संगठित तरीके से हो रहा उत्खनन, प्रदेश की बिजली पारेषण व्यवस्था को ऑक्सीजन सपोर्ट पर ले आया है।

### एक भी गिरा तो बड़े पैमाने पर गुल हो सकती है बिजली

ऊर्जा विशेषज्ञों के अनुसार ट्रांसमिशन टावर पूरी तरह से जमीन की मजबूती पर टिके होते हैं। नींव के आसपास की मिट्टी को हटा दिया जाए तो तेज हवा, बारिश या तूफान के दौरान टावरों पर असामान्य दबाव पड़ता है। इससे टावर झुक सकते हैं या गिर सकते हैं। परिणाम होगा बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति का ठप होना।

### ट्रांसको और प्रशासन की खामोशी

**महीनों** से चल रही इन संवेदनशील गतिविधियों पर न तो ट्रांसमिशन कंपनी ने समय रहते जिला प्रशासन को अलर्ट किया और न ही स्थानीय प्रशासन ने अवैध उत्खनन रोकने ठोस कदम उठाए। नतीजतन प्रदेश की ट्रांसमिशन व्यवस्था अब जोखिम के मुहाने पर खड़ी है।

एमपी ट्रांसको मुख्यालय ने अब प्रदेशभर में विशेष निरीक्षण अभियान चलाने की तैयारी की है। क्षेत्रीय अधिकारियों को टावरों के आसपास सर्वे कर संवेदनशील स्थान चिह्नित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन के साथ मिलकर अवैध उत्खनन पर सख्त कार्रवाई की योजना बनाई जा रही है।

**डीके अग्रवाल,** मुख्य अभियंता, एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन मेंटेनेंस, मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी कार्यालय

**टावर नहीं होता तो?**

इंदौर-बड़वाह मार्ग पर एक जगह लगे ट्रांसमिशन टावर के किनारों से इतना खनन किया गया कि टावर मुहाने पर ही आ गया है।

**पत्रिका व्यू**

### जिम्मेदारों की उदासीनता से बढ़ता जा रहा खतरा

**चिंताजनक** यह है कि टावरों की नींव महीने-दो महीने में खोखली हुई नहीं होगी, बल्कि लगातार अवैध खनन से यह स्थिति बनी है। इस अवैध गतिविधि पर बिजली कंपनी और जिला प्रशासन दोनों मूकदर्शक बने रहे। इस गंभीर लापरवाही का नतीजा यह है कि प्रदेश के कई जिलों में बिजली की ट्रांसमिशन व्यवस्था पर अब खतरा मंडरा रहा है। विशेषज्ञ स्पष्ट चेतावनी दे रहे हैं कि बिजली पारेषण तंत्र राज्य की 'रीढ़' है। यह कमजोर पड़ने से उत्पादन से लेकर वितरण तक, सब ठप हो सकता है।

AKS University Satna
Agriculture
ICAR Accredited
B.Sc. (Hons.) Agriculture
JABALPUR 7610787776 MANDLA 7610717776
ANUPPUR 7610627776 BALAGHAT 8770930150
KATNI 7692087776 SHAHDOL 7610627776
UMARIA 7610267776 SEONI 7692907776
Kotma 9285505620 SATNA 8889207776

### रिटायर्ड बैंकर से 40.90 लाख की ठगी

**मुंबई@ पत्रिका.** साइबर ठगों ने खुद को पुलिस व एनआइए अधिकारी बताकर एक रिटायर्ड बैंकर को 50 दिन तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा और 40.90 लाख रुपए ठग लिए। इस दौरान उसे डराकर अलग कमरे में रहने को मजबूर किया गया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**अंदर के पन्नों पर**

सबसे ज्यादा यूएई फिर यूएस जा रहे भारतीय, पैसा लाने में फिर अव्वल

@इंडिया &वर्ल्ड

**झरोखा**

**प्रदेश शर्मसार :** मासूम की हत्या के बाद दरिंदों का क्रूर नाटक

## 7 साल की बच्ची से गैंगरेप कर भूसे में छिपाया शव, फिर पिता को सौंपा

### दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

**खरगोन.** ऊन थाना क्षेत्र में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। 7 वर्षीय बच्ची के साथ गैंगरेप के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी गई। शव भूसे में दबा दिया। पुलिस ने दो नाबालिगों को हिरासत में लेकर रेप, हत्या और पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया है।

वारदात मंगलवार देर रात की है। जिला अस्पताल पहुंचे बच्ची के पिता ने बिलखते हुए बताया कि शाम करीब 7 बजे वह हाट बाजार से लौटे। बेटी को दुकान पर सामान लेने भेजा। आधे घंटे तक नहीं लौटी तो तलाश शुरू की। इस बीच गांव के ही दो शख्स खून से लथपथ शव लेकर घर आए। बताया कि यह खलिहान में भूसे के बीच दबी थी। उसकी हालत देख कलेजा फट गया। उसे जगाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसने आंखें नहीं खोलीं। पुलिस अधिकारी व जवान मौके पर पहुंचे। रातभर पड़ताल चली। बुधवार सुबह तीन डॉक्टरों के पैनल ने पीएम किया। गैंगरेप में पकड़ाए दो नाबालिग ही शव घर लेकर पहुंचे थे। जब परिजन आरोपियों की तलाश कर रहे थे तो ये दोनों नाबालिग भी साथ थे। एएसपी शकुंतला रूहल ने बताया दोनों संदिग्धों ने जुर्म स्वीकारा है।

बेटी का शव देखते माता-पिता।

### मोबाइल में आपत्तिजनक सामग्री

**गिरफ्त** में आए युवकों के मोबाइल से आपत्तिजनक साइट की लिंक मिली हैं। संभवतः इन्हें देखने के बाद ही बदमाशों ने यह दरिंदगी की।

**फांसी की सजा हो**

**चार** भाइयों में इकलौती बेटी को परिवार ने नाजों से पाला था। पिता ने उसके पैर चूमते हुए प्रशासन से गुहार लगाई कि दरिंदों को फांसी की सजा दी जानी चाहिए।

## सीधी : आंगन में मां के साथ सो रही किशोरी का अपहरण कर बलात्कार

**सीधी @ पत्रिका.** घर के आंगन में मां के साथ सो रही किशोरी का तीन लड़कों ने मुंह दबाकर अपहरण किया। जंगल में ले जाकर सामूहिक बलात्कार को अंजाम दिया। घटना रविवार रात की है। कोतवाली पुलिस एक नाबालिग आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही। दो फरार हैं। पुलिस के अनुसार, गर्मी के कारण किशोरी घर के आंगन में मां के साथ चारपाई पर सोई थी। रात में 3 युवक पहुंचे और नाबालिग को जबरन उठाकर जंगल की ओर ले गए। सुनसान जगह पर रेप किया। सुबह परिजन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय के अनुसार एक नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया है। दो अन्य की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

**रायपुर में कार्रवाई :** 10-20 के 16 लाख के नोट मिले, कोई दावेदार नहीं आया

## हंस ट्रेवल्स के ऑफिस में मिले तीन बोरा नोट, पश्चिम बंगाल से दिल्ली भेजा गया था पार्सल

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

**रायपुर.** पार्सल के जरिए हवाला के लाखों रुपए पश्चिम बंगाल से दिल्ली भेजे जा रहा थे। भनक लगते ही छत्तीसगढ़ के रायपुर में पुलिस ने हंस ट्रेवल्स के ऑफिस में छापा मारकर राशि जब्त कर ली। रकम भेजने वाले और रकम प्राप्त करने वाले का पता लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि हंस ट्रेवल्स का मुख्यालय इंदौर में है। कई बड़े रूट पर बसें संचालित होती हैं। पुलिस के मुताबिक अशोका मिलेनियम स्थित हंस ट्रेवल्स के ऑफिस में भारी मात्रा में हवाला का पैसा होने की सूचना मिली थी। इस पर राजेंद्र नगर पुलिस की टीम ने छापा मारा। मौके पर तीन साधारण बोरे मिले। खोलने पर 10, 20 के नोटों के बंडल मिले। राशि 16 लाख रुपए निकली। बोरों पर कोलकाता से रायपुर लिखा गया था। शेष@पेज05

ऑफिस में मिले बोरे और नोट दिखाता पुलिसकर्मी।

### दूसरी बस में लोड किए जाने थे

**नोटों** से भरे तीनों बोरे कोलकाता से लोड किए गए थे। रायपुर से दिल्ली के लिए दूसरी बस में भेजे जाने थे। अब पुलिस ने ट्रेवल्स वाले से कोलकाता ऑफिस से पार्सल लोड करने वाले की जानकारी मांगी है। सूत्रों के मुताबिक कोलकाता से उदय सिंह ने पार्सल भेजा था। इसे दिल्ली के किसी विनीत के पास भेजा था।

**पिपरिया** का मामला

### नाबालिग से बलात्कार के दोषी को 20 साल की जेल

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

**पिपरिया.** नाबालिग छात्रा का अपहरण, बलात्कार मामले में द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अर्चना रघुवंशी की अदालत ने दोषी कन्हैया को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। घटना 5 फरवरी 2023 की है, जब 16 वर्षीय छात्रा स्कूल से नहीं लौटी थी। परिजन की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की। सुरागों से पुलिस कन्हैया तक पहुंची। अभियोजन पक्ष ने 21 गवाहों के बयान दर्ज कराए। अदालत ने आरोपी द्वारा दस्तावेजों में हेरफेर, जालसाजी को भी गंभीरता से लिया।

**डबरा :** ग्वालियर-झांसी हाईवे पर हादसा, कार में रखी थी आतिशबाजी

## खंभे से टकराने के बाद कार बनी आग का गोला, दो युवक जिंदा जले, एक सुरक्षित

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

**डबरा.** खुशियों के माहौल से लौट रहे तीन लोगों के लिए ग्वालियर-झांसी एनएच-44 पर डबरा का अर्रू तिराहा मौत का मोड़ बन गया। शिवपुरी के बामौरकला से ग्वालियर आई बारात से लौट रही कार मंगलवार देर रात 11 केवी लाइन के खंभे से टकरा गई। खंभा तार समेत कार पर गिरा। कार में आग लगी और दो युवक जल गए।

छतरपुर के अवधेश विश्वकर्मा (34), रामजीलाल सोनी (33) और शिवपुरी के अविनाश झा ग्वालियर में सोनी परिवार के यहां बारात में शामिल होने गए थे। तीनों कार (एमपी 07 एएल 7919) से लौट रहे थे। कार अवधेश चला रहे थे। अविनाश ने पत्रिका को बताया कि अर्रू तिराहे पर अवधेश को नींद झपकी आ गई तो कार खंभे से टकरा गई। खंभा तार समेत कार पर गिरा। चिंगारी और कार में रखी शादी समारोह की बची आतिशबाजी ने आग को विकराल बना दिया।

अवधेश

रामजीलाल

बिजली के खंभे से टकराने के बाद लगी आग से कार पूरी तरह जल गई।

**ट्रेंडिंग न्यूज**

**मुरैना**

### बंदूक साफ करते समय फायर, मौत

**पोरसा (मुरैना).** कुकथरी गांव में बुधवार सुबह गिर्राज शर्मा (45) लाइसेंसी बंदूक साफ कर रहा था। तभी अचानक ट्रिगर दब गया। गोली गिर्राज के कंधे के पास लगी। ग्वालियर में इलाज के दौरान गिर्राज की मौत हो गई। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

**राजा रघुवंशी हत्याकांड**

### सोनम की जमानत को हाईकोर्ट में चुनौती

**इंदौर@पत्रिका.** मेघालय सरकार ने राजा रघुवंशी हत्याकांड में सोनम रघुवंशी की जमानत को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। निचली अदालत के आदेश को रद्द करने की मांग पर कोर्ट ने नोटिस जारी किया। मामले में अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित हो गया है।

**कच्छ**

### क्रीक में पाकिस्तानी बोट जब्त

**कच्छ@ पत्रिका.** गुजरात के संवेदनशील कच्छ के क्रीक इलाके में बीएसएफ ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी बोट बरामद की। यह बोट कोटेश्वर के पास पडाला क्रीक क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान लावारिस हालत में मिली। हालांकि, बोट से कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है।

**छिंदवाड़ा** डेढ़ माह पहले कुत्ते ने गाय को काटा था, गाय अचानक हुई बीमार तो फैली दहशत

## शादी का रायता बना आफत, रेबीज की आशंका में 250 ग्रामीणों ने लगवाए बचाव के इंजेक्शन

स्वास्थ्य केंद्र में लोग पहुंच रहे हैं।

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

**छिंदवाड़ा.** भैंसादंड गांव में एक शादी समारोह के बाद लोगों में रेबीज फैलने की दहशत है। उपस्वास्थ्य केंद्र में 250 से ज्यादा लोग एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवा चुके हैं। वजह है शादी में खाया रायता। यह रायता जिस गाय के दूध से तैयार हुआ, उसे डेढ़ माह पहले कुत्ते ने काटा था। अब गाय अचानक बीमार हुई तो कई लोग दहशत में आ गए। लेखराम सोनी की गाय को कुत्ते ने काटा था। मंगलवार को शादी में लेखराम के घर से 15 लीटर मठा सहित अन्य घरों से भी कुल 250 लीटर मठा भेजा गया था। शादी में सैकड़ों लोगों ने रायते का सेवन किया। बुधवार को गाय की तबीयत बिगड़ गई। यह बात शादी में शामिल हुए सैकड़ों लोगों को पता चली तो खौफजदा हो गए। जिला अस्पताल से 400 डोज उपलब्ध कराए गए हैं। गांगीवाड़ा पंचायत सचिव सुनील कपाले के अनुसार लोग एहतियातन टीका लगवा रहे हैं।

**एक्सपर्ट व्यू :** दुग्ध उत्पादों से संक्रमण का खतरा कम

ऐसी गाय के दूध या दही, मठा का सेवन करने से इंसानों में रेबीज फैलने की आशंका न के बराबर होती है। यदि दूध या उससे बने पदार्थ का सेवन किया भी गया है तो वह पाचन तंत्र में जाकर अम्लीय वातावरण के कारण किसी भी संभावित वायरस को निष्क्रिय कर देता है।

**डॉ. मनीष गठोरिया,** एमडी मेडिसिन, जिला अस्पताल

गाय में रेबीज के लक्षण दिख रहे हैं। काफी मात्रा में लार गिरा रही है। मंगलवार से पानी नहीं पीया। पानी से डर रही हैं।

**डॉ. लोकेश बेलवंशी,** पशु चिकित्सा अधिकारी, छिंदवाड़ा

**हाईप्रोफाइल मामला :** सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, विधायक पाठक से जुड़ा है विवाद

## जस्टिस पारदीवाला ने पूछा- केस में गोयनका कौन है... और खुद को सुनवाई से किया अलग

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

जस्टिस पारदीवाला

महेन्द्र गोयनका

संजय पाठक

**नई दिल्ली.** सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के खनन कारोबारी महेंद्र गोयनका केस की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। जस्टिस ने फाइल देखने के बाद पूछा, केस में कौन है महेंद्र गोयनका? अधिवक्ताओं ने दोनों पक्षों की जानकारी दी, तो जस्टिस ने कहा कि व्यक्तिगत कारणों से इस केस को नहीं सुनूंगा। अब आगे की सुनवाई अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध होने की संभावना है। दरअसल, मामला गोयनका व मप्र के विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक संजय पाठक के विवाद से जुड़ा है। केस पाठक व गोयनका के बीच जबलपुर-कटनी में कंपनी के माल की बिक्री-धोखाधड़ी के विवाद का है। किसी समय पार्टनर की तरह काम करते रहे गोयनका-पाठक ने एक-दूसरे पर फर्जीवाड़े व गलत होने का आरोप लगाया है। विवाद हाईकोर्ट होते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। शेष@पेज05

**स्वच्छ सर्वेक्षण में वाटर प्लस अंकों पर नगर निगम का फोकस, 75 एमएलडी पानी का हो रहा उपचार**

## ट्रीटेड पानी से हो रही सिंचाई, वाहन धुलाई और तालाबों की भराई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर** . शहर में सीवेज और नालों के पानी को ट्रीट कर उसके पुनः उपयोग की दिशा में नगर निगम तेजी से काम कर रहा है। उपचारित पानी का उपयोग खेतों, उद्यानों, रोटरी और डिवाइडरों की सिंचाई से लेकर निर्माण कार्य, वाहन धुलाई और सार्वजनिक शौचालयों की सफाई तक में किया जा रहा है। नगर निगम के अनुसार वर्तमान में एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से ट्रीट किए गए लगभग 25 प्रतिशत पानी का पुनः उपयोग किया जा रहा है। इससे स्वच्छ पेयजल की बचत हो रही है और स्वच्छ सर्वेक्षण में वाटर प्लस श्रेणी के अंक बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

### 75 एमएलडी पानी का हो रहा ट्रीटमेंट

शहर में करीब 75 एमएलडी पानी का उपचार किया जा रहा है। नगर निगम इस ट्रीटेड वाटर का उपयोग विभिन्न सार्वजनिक कार्यों में कर रहा है। नगर निगम निर्माणाधीन भवनों और सड़कों की तराई के लिए भी उपचारित पानी उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा फायर ब्रिगेड वाहनों में पानी भरने, वाहनों की धुलाई और सार्वजनिक व सामुदायिक टॉयलेट की सफाई में भी इसका उपयोग किया जा रहा है।

### तालाबों को भी भरा जा रहा

नगर निगम द्वारा ट्रीटेड पानी से शहर के तालाबों को भी भरा जा रहा है। वर्तमान में गुलौआताल और रानीताल में उपचारित पानी छोड़ा जा रहा है। माढ़ोताल को भी ट्रीटेड वाटर से भरने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए पाइप लाइन बिछा दी गई है। तालाब की सफाई और पुनरुद्धार कार्य पूरा होने के बाद उसमें पानी छोड़ा जाएगा।

### लाल टैंकरों से पहुंचाया जा रहा पानी

उपचारित पानी उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम ने लाल टैंकर सेवा शुरू की है। सिंचाई, धुलाई और निर्माण कार्य के लिए जरूरत पड़ने पर इन टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर निगम के अनुसार वर्तमान में आठ लाल टैंकरों के जरिए शहर में ट्रीटेड वाटर की सप्लाई की जा रही है।

### रेलवे और उद्योगों को भी मिलेगा पानी

नगर निगम ने ट्रीटेड वाटर के पुन: उपयोग को और बढ़ाने की कार्य योजना तैयार की है। इसके तहत रेलवे को कोचों की धुलाई के लिए तथा वन विभाग को नर्सरियों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने की तैयारी है। इसके अलावा औद्योगिक इकाइयों को भी उपचारित पानी उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है।

एसटीपी के ट्रीटेड वाटर का उपयोग तालाबों की भराई, उद्यानों, आईलैंड और डिवाइडरों की सिंचाई में किया जा रहा है।टैंकरों के माध्यम से निर्माण कार्य और वाहन धुलाई के लिए भी पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। भविष्य में रेलवे और औद्योगिक इकाइयों को भी ट्रीटेड वाटर उपलब्ध कराने की योजना है, जिससे स्वच्छ पानी की बचत हो सके।

**राम प्रकाश अहिरवार,** नगर निगम आयुक्त

पानी से होती सिंचाई।

### स्वच्छ सर्वेक्षण में मिलेगा फायदा

स्वच्छ सर्वेक्षण में इस बार वाटर प्लस श्रेणी के लिए 1000 अंक निर्धारित किए गए हैं, जो पिछली बार 500 थे। कुल 12,500 अंकों के सर्वेक्षण में सिटीजन फीडबैक और स्टार रेटिंग के भी 1000-1000 अंक हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रीटेड वाटर के अधिकतम उपयोग से जबलपुर को वाटर प्लस श्रेणी में लाभ मिलेगा। शहर को पिछली बार भी वाटर प्लस सिटी का दर्जा मिल चुका है।

---

### रीडर्स कनेक्ट

**हमें भेजें**

खबरें | समस्याएं | सुझाव
फोटो | वीडियो | पॉडकास्ट

**ई-मेल:** jabalpur@patrika.com
**वॉट्सएप:** 9993647615

**पढ़ें ज्यादा खबरें, देखें फोटो/वीडियो**
patrika.com/jabalpur-news
क्यूआर कोड को मोबाइल से करें स्कैन

**हमसे जुड़ें**
facebook.com/jabalpur voice

**तापमान**

37.7° अधिकतम | 23.0° न्यूनतम

ह्यूमिडिटी : **59 %**
हवा की गति : **4** किमी/घंटा

**पॉल्यूशन स्तर**

| | | |
|---|---|---|
| गुप्तेश्वर : 95 | 19% | ▼ |
| मढ़ाताल : 105 | 21 % | ▼ |
| सिविल लाइन्स : 80 | 16 % | ▼ |
| सुहागी : 101 | 20 % | ▼ |

| अच्छा | ठीक | मध्यम |
|---|---|---|
| 0-50 | 51-100 | 101-200 |
| **खराब** | **गंभीर** | **खतरनाक** |
| 201-300 | 301-400 | 401-500 |

---

**हादसे के पीड़ितों को अभी भी है जांच शुरू होने का इंतजार, क्रूज नष्ट करने पर लगातार उठ रहे सवाल**

## जिम्मेदारों की 'आपराधिक' सुस्ती, एक हफ्ते में ही भूले क्रूज त्रासदी का हाहाकार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर**. बरगी क्रूज त्रासदी जितना भयावह थी, उससे चिंताजनक जिम्मेदारों की हीलाहवाली है। त्रासदी के पीड़ितों को अभी भी जांच का इंतजार है। यह हालात तब हैं, जब हादसे की जांच रिपोर्ट खुद मुख्यमंत्री ने तीन दिन में देने के लिए कहा था। लेकिन, एक सप्ताह बाद भी सिर्फ इतना बताया जा रहा है कि अभी भी जांच शुरू होने में दो दिन लगते सकते हैं। जिला अदालत ने भी मामले में एफआइआर दर्ज करने के लिए कहा है। इसके बाद भी पुलिस कह रही है अभी विस्तृत निर्देश नहीं मिला है। क्रूज के इंश्योरेंस और उसे नष्ट करने को लेकर भी संतोषजनक जवाब किसी जिम्मेदार से नहीं मिल रहे हैं।

### होमगार्ड कर रहे रखवाली

हादसे को लेकर अभी तक प्रशासन केवल मुआवजा सम्बंधी प्रक्रिया शुरू कर पाया है। उसमें में भी छह मृतकों के परिजन के खातों में राशि भेजी गई है। क्रूज तोड़ने के कदम को प्रमाण नष्ट करने के रूप में देख रहे हैं। उसके अवशेष की सुरक्षा के लिए होमगार्ड की 24 घंटे तैनाती की गई है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने चर्चा के दौरान बताया कि उच्च स्तरीय जांच की प्रक्रिया एक या दो दिनों के भीतर शुरू हो जाएगी। हादसे में बचे लोग, चश्मदीद और अन्य लोगों के बयान दर्ज कर कमेटी के सामने प्रस्तुत किए जाएंगे। क्रूज को डिस्मेंटल किए जाने के सवाल पर उनका कहना था कि इसे तोड़ा नहीं गया। उसे बाहर निकाला जा रहा था, तब उसमें रस्सी बांधी गई। इससे कुछ हिस्स नष्ट हुआ। अंदर शवों की तलाश के लिए भी इसके हिस्से काटे गए।

अंतिम समय में उसे पानी से बाहर निकालकर रखा जा रहा था, तब पोकलेन मशीन के पंजे जहां पड़े, वहां का हिस्सा टूटा है। इसमें प्रमाण से छेड़छाड जैसी कोई बात नहीं है। असल में, हादसे में कई तरह की लापरवाही सामने आई हैं। इसे गम्भीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बरगी डैम से ही उच्च स्तरीय जांच कमेटी के गठन की घोषणा की थी। इसमें अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी शामिल किए गए हैं। जबलपुर से सम्भागायुक्त भी इसका हिस्सा होंगे। अभी इस समिति ने अपना काम शुरू नहीं किया है।

### 4 स्ट्रोक इंजन अनिवार्यता पर सवाल, जांच में अड़ंगा

**नागरिक** उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने बरगी क्रूज हादसे को लेकर बुधवार को घंटाघर में प्रदर्शन किया। मंच ने हादसे से पहले क्रूज को नष्ट किए जाने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मंच का कहना है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) का आदेश है कि जलाशयों में संचालित होने वाले क्रूज में 4 स्ट्रोक इंजन अनिवार्य रूप से होना चाहिए। यदि दुर्घटनाग्रस्त क्रूज में ऐसे शक्तिशाली इंजन लगे होते, तो वह आंधी में भी कमजोर नहीं पड़ता और 13 लोगों को अपनी जान नहीं गंवानी पड़ती। मंच के डॉ पीजी नाजपांडे ने बताया कि एनजीटी

ने 12 सितंबर 2023 को स्पष्ट आदेश जारी किए थे। इन आदेशों में कहा गया है कि बरगी डेम जलाशय जैसे उन जलाशयों में, जिन्हें वेट लैंड घोषित नहीं किया गया है, वहां चार स्ट्रोक इंजन वाले नाव संचालित किए जा सकते हैं। नाजपांडे ने आरोप लगाया कि इस आदेश का खुलासा न हो, इसी कारण क्रूज को नष्ट कर जांच में अवरोध पैदा किया गया है। जनसंगठनों ने जांच से पहले क्रूज को नष्ट करने के प्रकरण में पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी को जिला प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।

### कोर्ट के आदेश के बाद भी बरगी क्रूज हादसे में दर्ज नहीं हुई एफआईआर

बरगी बांध क्रूज हादसे में जिला न्यायालय की ओर से एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए जाने के बावजूद बुधवार को बरगी थाने में मामला दर्ज नहीं हो सका। पुलिस का कहना है कि उन्हें अब तक न्यायालय के लिखित आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त नहीं हुई है। एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि थाना प्रभारी के पास अभी तक विधिवत आदेश की प्रति नहीं पहुंची है। इसी कारण बुधवार को एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि जैसे ही न्यायालय के आदेश की प्रति प्राप्त होगी, उसके अनुरूप तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। हालांकि, सूत्रों के अनुसार जिला पुलिस मुख्यालय तक आदेश पहुंचने की सूचना मिल चुकी है। पुलिस का दावा है कि प्रमाणित प्रति मिलते ही संबंधित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज किया जाएगा। मंगलवार को जिला न्यायालय ने बरगी बांध क्रूज हादसे का स्वत: संज्ञान लेते हुए क्रूज चालक और क्रू मेंबर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे।

---

### हाईकोर्ट, जिला, तहसील अदालत में नेशनल लोक अदालत नौ मई को

**जबलपुर @ पत्रिका**. लोगों को सस्ता, सरल और त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से शनिवार, नौ मई को हाईकोर्ट, जिला न्यायालय जबलपुर, तहसील न्यायालय पाटन व सिहोरा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में आयोजित यह लोक अदालत, प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कृष्णमूर्ति मिश्र के नेतृत्व में होगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शक्ति वर्मा ने जानकारी दी कि इस लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरण, सिविल विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, भरण-पोषण, चेक बाउंस, श्रम विवाद, पारिवारिक एवं वैवाहिक प्रकरण सहित अनेक मामलों का समाधान आपसी सहमति से किया जाएगा। इसके साथ ही बैंक, नगर पालिका, विद्युत विभाग व बीएसएनएल से जुड़े प्रीलिटिगेशन मामलों का भी निपटारा किया जाएगा।

### नेशनल लोक अदालत में सम्पत्ति और जलकर अधिभार पर मिलेगी छूट

**जबलपुर @ पत्रिका**. नगर निगम की ओर से 9 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें संपत्ति कर और जलकर के बकाया मामलों में अधिभार पर विशेष छूट दी जाएगी। यह राहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना के तहत केवल एक बार प्रदान की जा रही है। नगर निगम के अनुसार जिन प्रकरणों में संपत्ति कर और अधिभार की कुल बकाया राशि 50 हजार रुपए तक है, उनमें अधिभार पर 100 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। 50 हजार रुपए से अधिक और 1 लाख रुपए तक के बकाया मामलों में अधिभार पर 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। वहीं 1 लाख रुपए से अधिक बकाया राशि वाले प्रकरणों में अधिभार पर 25 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया गया है।

### अल्पप्रवास पर आज आएंगे मुख्यमंत्री

**जबलपुर @ पत्रिका**. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार शाम पांच बजे जबलपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वे यहां से फ्लाइट से आंध्रप्रदेश के

तिरूपति जाएंगे। गुरुवार को ही केंद्र के मंत्री जुएल ओराम सुबह 8.20 बजे एयरपोर्ट आएंगे। वे 11 बजे मंडला रवाना होंगे। केंद्रीय जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके दोपहर 3.50 बजे आएंगे। शाम 4.30 बजे मंडला रवाना होंगे। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया दोपहर एक बजे जबलपुर आकर शाम छह बजे मंडला रवाना होंगी।

**जिले में बनाए गए 19 परीक्षा केंद्र**

### 10वीं-12वीं बोर्ड की द्वितीय परीक्षा आज से, 13 हजार होंगे शामिल

**जबलपुर @ पत्रिका**. माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से आयोजित 10वीं और 12वीं बोर्ड की द्वितीय परीक्षाएं 7 मई से शुरू हो रही हैं। परीक्षाओं को लेकर बुधवार को सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया। जिले में इस परीक्षा के लिए 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस बार जिले में करीब 13 हजार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें वे छात्र शामिल हैं जो मुख्य परीक्षा में सफल नहीं हो सके, कम अंक प्राप्त हुए या किसी कारणवश परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे।

**10वीं में 8 हजार, 12वीं में 5 हजार छात्र:** जानकारी के अनुसार 10वीं कक्षा की द्वितीय परीक्षा में लगभग 8 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे, जबकि 12वीं कक्षा में करीब 5 हजार परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा सामग्री का वितरण एक दिन पहले ही सभी केंद्रों के लिए कर दिया गया था। गोपनीय सामग्री को संबंधित थानों में सुरक्षित रखा गया है।

**फ्लाइंग स्क्वॉड रखेगी नजर:** मुख्य परीक्षा की तरह द्वितीय परीक्षा में भी पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड की तैनाती की गई है, जो लगातार निरीक्षण करेगी।

**25 मई तक चलेगी परीक्षा:** 12वीं कक्षा की परीक्षा 7 मई को बायोटेक्नोलॉजी विषय से शुरू होगी और 25 मई को राजनीति शास्त्र के पेपर के साथ समाप्त होगी। वहीं 10वीं कक्षा की परीक्षा हिंदी विषय से शुरू होकर 19 मई को अंग्रेजी के पेपर के साथ खत्म होगी। सभी परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

---

**वर्ष 2020 से 2025 के बीच वित्तीय अनियमितता ऑडिट व्यवस्था पर सवाल**

## मेडिकल में 66 लाख का गड़बड़झाला, ओपीडी पर्ची की राशि खाते में जमा नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर**. मेडिकल अस्पताल में मरीजों से ओपीडी पर्ची के नाम पर वसूली गई राशि कॉलेज के खाते में जमा नहीं किए जाने का बड़ा मामला सामने आया है। दस्तावेजों की जांच में करीब 66 लाख रुपए की राशि का मिलान नहीं हो सका है। मेडिकल कॉलेज प्रबंधन वर्ष 2020 से 2025 के बीच हुई इस वित्तीय अनियमितता के लिए 2 बाबुओं को जिम्मेदार बता रहा है। हालांकि, इस पूरे मामले में बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि वर्षों तक चलती रही इस गड़बड़ी को कॉलेज के लोकल वार्षिक ऑडिट में क्यों नहीं पकड़ा गया। साथ ही प्रमुख प्रशासनिक अधिकारियों और फाइनेंस एक्जीक्यूटिव की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। तीन सदस्यीय कमेटी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल प्रबंधन ने मामले की शिकायत गढ़ा थाने में भी की है।

**वर्षों से चल रही थी अनियमितता:** सूत्रों के अनुसार मेडिकल अस्पताल में ओपीडी पर्ची काटने के दौरान मरीजों से प्राप्त राशि का पूरा हिसाब कॉलेज के खाते में जमा नहीं किया जा रहा था। कुछ मामलों में राशि जमा दिखाने के बाद उसे दोबारा निकाल लेने की भी बात सामने आ रही है। चर्चा यह भी है कि वित्तीय अनियमितता में शामिल कर्मचारियों ने

इस रकम का निजी उपयोग किया। यहां तक कि राशि को ब्याज पर अन्य लोगों को दिए जाने की भी जानकारी सामने आई है।

**ऑडिट व्यवस्था पर उठे सवाल:** मामले के सामने आने के बाद कॉलेज की वित्तीय निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वर्ष 2020 से 2025 तक चली इस कथित गड़बड़ी को वार्षिक लोकल ऑडिट के दौरान क्यों नहीं पकड़ा गया, इसे लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। कॉलेज के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी और फाइनेंस विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी राशि के गड़बड़झाले का पता समय रहते क्यों नहीं चल सका।

**आरोपी बाबुओं का दूसरे विभाग में तबादला:** सूत्रों के मुताबिक कैश राशि के हेरफेर में जिन लोगों के नाम सामने आए है, जांच के पारदर्शिता को लेकर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने जांच के घेरे में आए कैश शाखा के दो कर्मचारियों तबादला दूसरे विभागों में कर दिया है। एक कर्मचारी को पीडियाट्रिक विभाग और दूसरे को स्टूडेंट सेक्शन में भेजा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि मेडिकल कॉलेज की इस वित्तीय अनियमितता की जांच कॉलेज से बाहर की स्वतंत्र समिति से कराई जानी चाहिए। उनका कहना है कि जांच समिति में कॉलेज के कर्मचारियों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके। साथ ही इस मामले में कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की भी जांच किए जाने की मांग उठ रही है।

**टैली सॉफ्टवेयर में एंट्री से सामने आया मामला:** डीन कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, नवंबर 2025 की स्थिति में कॉलेज के खातों की जांच की गई। इस दौरान पाया गया कि मनी रसीद बुक के माध्यम से जो राशि प्राप्त हुई थी, उसे कॉलेज के बैंक खाते में पूरी तरह जमा नहीं किया गया। टैली सॉफ्टवेयर में एंट्री करने के बाद कुल 66.45 लाख का बड़ा अंतर पाया गया है।

ओपीडी पर्ची की राशि खाते में जमा नहीं करने के मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की है। इसके साथ ही शासन को व पुलिस को सूचित किया है।

**डॉ.नवनीत सक्सेना,** डीन नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज

---

### एमबीबीएस फाइनल पार्ट-2 परीक्षा परिणाम जारी, 94.25% छात्र सफल

**19 मेडिकल कॉलेजों के 2776 विद्यार्थी हुए थे शामिल, 2560 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की**

**जबलपुर @ पत्रिका**. मेडिकल यूनिवर्सिटी ने एमबीबीएस फाइनल पार्ट-2 मार्च-2026 परीक्षा का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया। इस परीक्षा में 94.25 प्रतिशत छात्र सफल रहे। मेडिकल यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. पुष्पराज बघेल ने बताया कि परीक्षा में प्रदेश के 19 शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों के कुल 2776 विद्यार्थी शामिल हुए थे।

**59 छात्रों के परिणाम रोके गए:** विश्वविद्यालय द्वारा कुल 2717 छात्रों के परीक्षा परिणाम जारी किए गए हैं, जबकि 59 विद्यार्थियों के परिणाम फिलहाल रोके गए हैं। इनमें से छह छात्रों के परिणाम परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग के मामलों के कारण रोके गए हैं। शेष छात्रों के परिणाम आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी किए जाएंगे।

**2560 छात्र हुए सफल:** जारी परिणाम के अनुसार 2560 विद्यार्थियों ने एमबीबीएस फाइनल पार्ट-2 परीक्षा उत्तीर्ण की है, जबकि 156 छात्र असफल रहे। सफल विद्यार्थी अब एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप के दौरान क्लीनिकल चिकित्सा का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इसके बाद उन्हें चिकित्सक की उपाधि प्रदान की जाएगी। रजिस्ट्रार डॉ. बघेल ने बताया कि मेडिकल यूनिवर्सिटी ने सैद्धांतिक परीक्षा समाप्त होने के 30 दिनों के भीतर परीक्षा परिणाम जारी कर दिया।

---

**सेहत की बात**

**अस्पतालों में बढ़ रहे केस, विशेषज्ञ बोले- खानपान में सुधार से मिल सकती है राहत**

## युवाओं में विटामिन बी12 की कमी, थकान और झुनझुनी से जूझ रहे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर**. सुबह उठने पर थकान महसूस होना, पैरों में दर्द, हाथ-पैरों में झुनझुनी, चक्कर आना और अत्यधिक कमजोरी जैसी समस्याएं अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गई हैं। शहर में बड़ी संख्या में युवा भी विटामिन बी12 की कमी से जुड़ी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। शहर के अस्पतालों, क्लीनिकों और आयुर्वेद अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जांच में अधिकांश मरीजों में विटामिन बी12 की कमी सामने आ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार शाकाहारी लोगों में यह समस्या अधिक देखी जा रही है।

**ये हैं विटामिन बी12 की कमी के प्रमुख लक्षण**

- हाथ-पैरों में सुन्नपन या झुनझुनी
- मांसपेशियों में कमजोरी और संतुलन बनाने में परेशानी
- एनीमिया और अत्यधिक थकान
- याददाश्त कमजोर होना और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई
- अवसाद और चिड़चिड़ापन
- भूख कम लगना और वजन घटना
- जीभ में सूजन या जलन
- त्वचा का पीला पड़ना और धड़कन तेज होना

**युवती को पैरों में जकड़न की शिकायत:** सिविल लाइन निवासी 26 वर्षीय युवती लंबे समय से पैरों में जकड़न और दर्द की समस्या से परेशान थी। सुबह उठने पर कमजोरी महसूस होती थी। जांच में विटामिन बी12 की कमी सामने आई। चिकित्सकों ने उसे मोरिंगा पाउडर, आम का अचार, आंवला मुरब्बा और दही नियमित रूप से लेने की सलाह दी। करीब एक महीने में उसे राहत मिलने लगी।

**खानपान में सुधार जरूरी:** आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. पंकज मिश्रा के अनुसार बड़ी संख्या में लोग विटामिन बी12 की कमी से पीड़ित हैं। कई मरीजों को लंबे समय तक सप्लीमेंट लेने की जरूरत पड़ती है। उन्होंने बताया कि आम का अचार, मोरिंगा, आंवला, दही, पनीर, केला, नारियल पानी, पालक भाजी और किशमिश जैसे खाद्य पदार्थ शरीर में पोषक तत्वों की कमी दूर करने में मददगार हो सकते हैं।

**सामान्य काम में भी होने लगी थकान:** मानेगांव निवासी 32 वर्षीय महिला को अत्यधिक थकान और चक्कर आने की शिकायत थी। स्थिति ऐसी हो गई थी कि घर के सामान्य काम करने में भी वह थक जाती थी। जांच में विटामिन बी12 की कमी पाई गई। डॉक्टरों ने उसे आम का अचार, काला तिल और केला नियमित रूप से खाने की सलाह दी।

**झुनझुनी की समस्या से मिली राहत:** अधारताल निवासी 45 वर्षीय महिला को हाथ-पैरों में लगातार झुनझुनी महसूस हो रही थी। जांच में विटामिन बी12 की कमी सामने आने के बाद उसे प्री-बायोटिक दही, आम का अचार, आंवला मुरब्बा और नारियल पानी लेने की सलाह दी गई। कुछ समय बाद उसे आराम मिल गया।

य एषु सुप्तेषु जागर्ति | वर्ष 17 | अंक 130 | पृष्ठ 16 | मूल्य 5.00 | **जबलपुर, गुरुवार, 07 मई 2026** | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी संवत् 2083

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

# पत्रिका

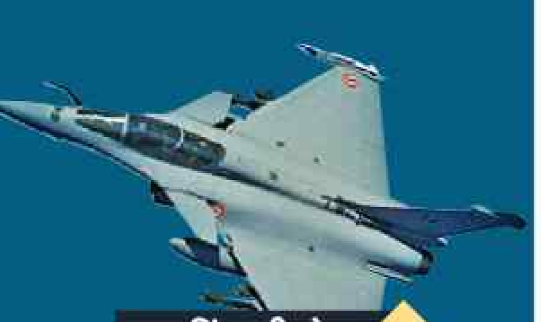

जयहिंद की सेना का ऐसा शंखनाद... @इंडिया &वर्ल्ड

**बड़ा फैसला**

## वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, अपमान पर सजा-जुर्माना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**नई दिल्ली.** केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सरकार ने 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम' में संशोधन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इसके तहत बंकिम चंद्र चटर्जी रचित 'वंदे मातरम्' पर राष्ट्रगान के समान नियम लागू होंगे। इसका उल्लंघन संज्ञेय अपराध माना जाएगा।

नए नियमों के तहत राष्ट्रगीत के गायन में जान-बूझकर बाधा डालने पर 3 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। दोबारा अपराध करने पर एक साल की जेल का प्रावधान है। वंदे मातरम् को राष्ट्रगान के बराबर दर्जा देने की मांग पिछले साल दिसंबर में संसद 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर हुई चर्चा के दौरान उठी थी।

**आतंक पर भारी बस्ता :** जिन स्कूलों पर गिरा था बम... उन्हीं स्कूलों में लौटकर बच्चों ने दिया आतंक को जवाब

**ऑपरेशन सिंदूर — एक साल**

# तब सेना की 'दहाड़' ने...अब स्कूलों के 'पहाड़ों' ने किया पाक को पस्त

भारतीय सेना ने पहलगाम के गुनहगारों को सजा देने के लिए पिछले साल 6-7 मई की रात 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर सटीक हमले ने आतंकी आकाओं के होश ऐसे उड़ाए कि एक साल के बाद भी पाक उस झटके से उबर नहीं पाया है। भारतीय सेना ने तीन घंटे में पाक के 11 एयरबेस व सैन्य इलाके तबाह कर दिए। भारतीय फौज ने तब धमाकों (दहाड़) से पाकिस्तान को पस्त किया था, आज वहीं स्कूलों में गूंजते बच्चों के पहाड़े उसे पस्त कर रहे हैं। ग्राउंड जीरो से पढ़िए उन बच्चों के हौसले की कहानी, जिसने सरहद को अजेय बना दिया है।

## दुश्मन के सीने में आज भी है 7 मई की 'दहशत'

विकास सिंह
patrika.com

**गौरव शर्मा,** क्राइस्ट स्कूल पुंछ के टीचर

**पुंछ (जम्मू-कश्मीर).** सीमावर्ती जिले पुंछ में पिछले साल 7 मई को जब पाकिस्तान ने स्कूलों को निशाना बनाया, तो उसका नापाक मकसद सिर्फ दहशत फैलाना था। लेकिन एलओसी के इस पार नौनिहालों ने बस्ता उठाकर दुश्मन के इस मनोवैज्ञानिक युद्ध को दफन कर दिया है। आज जब ये बच्चे उन्हीं कक्षाओं में निडर होकर पढ़ रहे हैं, जहां तब पाकिस्तान ने मोर्टार बरसाए थे, तो यह पाकिस्तान के खौफ वाले एजेंडे का सबसे करारा जवाब है।

क्राइस्ट स्कूल के शिक्षक गौरव कहते हैं, 'मौत के साए से निकलकर कक्षा में लौटे बच्चों की आंखें नई उम्मीद बयान कर रही हैं। जिन दीवारों पर कुछ समय पहले मोर्टार के निशान थे, आज उनके नीचे भारत का भविष्य गढ़ा जा रहा है। कक्षा की खिलखिलाहट ने दुश्मन के तोपों के शोर को हमेशा के लिए दबा दिया है।' ये बच्चे आज इसलिए महफूज हैं क्योंकि, ठीक एक साल पहले हमारे जवानों ने इस शांति की कीमत दुश्मन से भारी ब्याज के साथ वसूली थी। 7 मई की वो रात, जब भारतीय सेना ने बारूद की वह भाषा बोली थी, उसकी गूंज आज भी सीमा पार के आतंकी आकाओं को सोने नहीं देती।

**केस स्टडी-1**

### मजहब के नाम पर वार, शिक्षा से मिला पलटवार

मुस्लिम शिक्षा के केंद्र जामिया जिया-उल-उलूम के रिहायशी हॉस्टल पर युद्ध के दौरान दुश्मन का बम गिरा था। हमले में शिक्षक मोहम्मद इकबाल शहीद हुए और कई बच्चे घायल हुए। स्कूल के प्रिंसिपल वाहिद अहमद कहते हैं, 'पाकिस्तान की यह कायराना हरकत उसकी बौखलाहट का नतीजा थी। खुद को मुसलमानों का हमदर्द बताने वाला मुल्क क्या मदरसे पर हमला करते वक्त अपना ईमान भूल गया था?' वाहिद आगे कहते हैं कि हम सच्चे मुस्लिम होने के साथ-साथ गर्वित हिंदुस्तानी भी हैं।

**केस स्टडी-2**

### अपनों को खोने का गम बना कुछ कर गुजरने का जज्बा

केरल के रहने वाले फादर सिजो 15 साल से पुंछ के क्राइस्ट स्कूल में सेवाएं दे रहे हैं। युद्ध की विभीषिका को याद कर वे भावुक हो जाते हैं। वह बताते हैं, 'विहान (9वीं), जुड़वा भाई-बहन जैन अली व जोया (5वीं) स्कूल के होनहार छात्र थे, जो बम धमाकों के भेंट चढ़ गए। इस घटना ने झकझोर दिया था। सबने मिलकर शिक्षा पर हुए इस हमले का सामना किया।' फादर सिजो के मुताबिक, युद्ध के बाद सबसे बड़ी चुनौती बच्चों के भीतर से मौत का डर निकाल कर पुरानी ऊर्जा वापस लाना था।

**बदले की आग :** बंगाल में 24 घंटे में पांच की हत्या, पांच सुरक्षाकर्मी घायल, 80 लोग गिरफ्तार

# बंगाल में हिंसा, भाजपा नेता और सीएम पद के दावेदार सुवेंदु के पीए की गोली मारकर हत्या

अस्पताल लाए गए, लेकिन पहले ही दम तोड़ चुके थे। कार से शीशे पर गोली के निशान।

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

**कोलकाता.** पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा का दौर थमा नहीं। हिंसा में पिछले 24 घंटे में पांच लोगों की जान जा चुकी है। बुधवार रात उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम इलाके में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने डोहरिया क्षेत्र में सुवेंदु के करीबी सहयोगी और विश्वासपात्र चंद्रनाथ रथ की कार का पीछा किया और फिर उनकी गाड़ी को निशाना बनाकर लगातार चार राउंड फायरिंग की। इस हमले में चंद्रनाथ रथ की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय कार में उनके साथ बुद्धदेव बेरा नामक एक अन्य युवक भी मौजूद थे, जो गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि चंद्रनाथ रथ 10 से 12 वर्षों से सुवेंदु के साथ जुड़े थे। बेहद करीबी माने जाते थे। चुनाव प्रचार से जुड़ी अहम जिम्मेदारियां संभाल रहे थे।

### सिर, सीने और गर्दन पर मारी गोली

**चंद्रनाथ** मध्यमग्राम इलाके में बिरयानी की दुकान पर रुके थे। तभी से उनकी गाड़ी का बाइक सवार पीछा कर रहे थे। जब गाड़ी रुकी तो बाइक सवार हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग की। गोली सिर, सीने और गर्दन में लगने से चंद्रनाथ की मौके पर मौत हो गई। उन्हें शुभेंदु का दाहिन हाथ माना जाता था।

## तमिलनाडु में नई सरकार के समर्थन पर संग्राम, डीएमके-कांग्रेस में दरार, नए गठबंधन की आहट

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

**नई दिल्ली.** चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव नतीजे आने के बाद सरकार बनाने की प्रक्रिया तेज हो गई, लेकिन सबकी नजरें पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु पर हैं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दो बार हराने वाले सुवेंदु अधिकारी दौड़ में आगे हैं। उन्हें पार्टी हाईकमान ने दिल्ली बुलाया है। हालांकि अंतिम निर्णय 8 मई को होने वाली विधायक दल की बैठक में होगा। 9 मई को नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। उधर, तमिलनाडु में विजय थलापति को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने को लेकर डीएमके व एआइएडीएमके में घमासान मचा है। कांग्रेस ने तमिलनाडु की प्रदेश इकाई के सहारे टीवीके को समर्थन की घोषणा कर गठबंधन को मुश्किल में डाल दिया। इस बीच विजय को रोकने के लिए चिर प्रतिद्वंद्वी डीएमके और एआइएडीएमके में गठबंधन की भी सुगबुगाहट है।

**विजय से मिले कांग्रेस नेता**

**चेन्नई.** तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) अध्यक्ष विजय से बुधवार को कांग्रेस नेता मिले।

### अभी क्या हैं समीकरण

**टीवीके** के पास 108 और कांग्रेस के पास 5 विधायक हैं। सरकार के लिए 118 विधायक चाहिए। पांच अन्य छोटे दलों के विधायकों का समर्थन मिल सकता है। लेकिन तस्वीर साफ नहीं है। एआइएडीएमके के 47 व बीजेपी का एक विधायक है। एआइएडीएमके के समर्थन से टीवीके मजबूती चाहेगी।

### इस्तीफा नहीं दूंगी, बर्खास्त कर दो : ममता

**मुख्यमंत्री** ममता बनर्जी बुधवार को भी इस्तीफा नहीं देने पर अड़ी रहीं। उन्होंने कहा, मुझे हटाना है तो बर्खास्त कर दो, इस्तीफा नहीं दूंगी। धांधली का आरोप लगाते हुए ममता ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे अत्याचारी चुनाव था। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, बंगाल में 'बंदूक की नोक पर लोकतंत्र' चल रहा है।

**आइएएस अफसरों का जिम्मा बदला :** लंबे समय से अवकाश पर चल रहे थे शिवशेखर

## गृह की कमान एसीएस संजय को, शिवशेखर देखेंगे जीएडी, जनसंपर्क में दुबे की एंट्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

संजय शुक्ल | शिवशेखर शुक्ला | अरविंद दुबे

**भोपाल.** लंबे समय से अवकाश पर चल रहे अपर मुख्य सचिव (एसीएस) शिवशेखर शुक्ला को सरकार ने गृह विभाग से हटा दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) का जिम्मा देख रहे एसीएस संजय कुमार शुक्ल की भी छुट्टी कर दी है। गृह का जिम्मा अब एसीएस संजय संभालेंगे। पूर्व की तरह विमानन विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी रहेगी। जीएडी की जिम्मेदारी एसीएस शिवशेखर देखेंगे। कर्मचारी चयन मंडल के अध्यक्ष भी होंगे। सीएस कार्यालय से समन्वय देखेंगे। संस्कृति, धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग का जिम्मा पहले की तरह रहेगा। मानव अधिकार प्रकोष्ठ तथा विधिक और सतर्कता प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी भी देखेंगे। आइएएस अंशुल गुप्ता को विदिशा कलेक्टर बनाए जाने के बाद से जनसंपर्क में खाली संचालक पद का अतिरिक्त जिम्मा सीएम के अपर सचिव एवं वरिष्ठ अफसर अरविंद कुमार दुबे को दिया गया है। वे मुख्यमंत्री द्वारा सौंपे गए कामों को देखते रहेंगे। कृषि उद्योग विकास निगम में एमडी, उद्यानिकी विभाग के आयुक्त का काम भी करते रहेंगे।

### अटक रही थीं फाइलें

**गृह विभाग** में फाइलों का मूवमेंट बीते कुछ माह से कमजोर पड़ गया था। इसकी कई वजह थीं। एसीएस शिवशेखर को अलग-अलग कारणों से बार-बार अवकाश पर जाना पड़ा। जब लौटे तो उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। फिर उनके पिता का निधन हो गया। और भी कारण रहे। उन्होंने 8 मई तक अवकाश की अर्जी दी थी। इस बीच गृह की अतिरिक्त जिम्मेदारी 2-3 बार एसीएस केसी गुप्ता के पास रही। उन्हें भी एक बार छुट्टी पर जाना पड़ा। इन वजहों से कई काम प्रभावित हुए। उधर, एसीएस संजय जीएडी से निकलना चाहते थे। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने सरकार के समक्ष इच्छा जताई थी। गृह-जीएडी अहम विभाग हैं। सरकार को बेहतर परिणाम की अपेक्षा है।

**पत्रिका अमृतं जलम्** — आओ, भगीरथ बनें!

### आइए.... हम अपने कुएं, तालाब और नदियां बचाएं

***लाखों स्वयंसेवकों ने किया स्वैच्छिक श्रमदान, अब तक 7,712 से अधिक जलस्रोत बचाए***

**भोपाल @ पत्रिका.** प्राचीन जल स्रोतों के संरक्षण एवं जल संकट की चुनौती के बीच पत्रिका समूह की सामाजिक पहल अमृतम् जलम् अभियान की शुरुआत इस वर्ष रविवार से हो रही है। अभियान के तहत शहर और गांवों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। वर्ष 2005 से राजस्थान पत्रिका के आह्वान पर 12 लाख 86 हजार से ज्यादा स्वयंसेवक स्वैच्छिक श्रमदान कर 7,712 जल स्रोतों को पुनर्जीवन दे चुके हैं। स्वयंसेवकों ने कुल 47,03,324 मानव-घंटों का योगदान जल संरक्षण और पुनर्भरण के इस अभियान को दिया है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2009 से हर वर्ष चल रहे अभियान में श्रमदानियों ने सैकड़ों जलस्रोत पुनर्जीवित कर चुके हैं।

*अभियान में भागीदारी के लिए स्थानीय पत्रिका कार्यालय में संपर्क करें।*

## न्यूज विंडो

### केंद्र ने लॉन्च किया 'स्वस्थ भारत पोर्टल'

**नई दिल्ली@पत्रिका.** केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को 'स्वस्थ भारत पोर्टल' लॉन्च किया। यह वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म सभी स्वास्थ्य सेवाओं को जोड़ता है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े पोर्टल से मेडिकल रिकॉर्ड उपलब्ध होंगे। इससे स्वास्थ्य कर्मियों का समय बचेगा।

### नारायण साई की याचिका खारिज

**अहमदाबाद@ पत्रिका.** गुजरात हाईकोर्ट ने 2001 के रेप केस में आजीवन कारावास भुगत रहे नारायण साई की सजा निलंबन याचिका खारिज कर दी। अपराध की गंभीरता और अपील में सहयोग न करने को आधार माना। ज्ञात रहे कि साई 11 साल से जेल में हैं और अपील लंबित है।

**पहले जालंधर, अब अमृतसर :** डीजीपी ने जताई पाक खुफिया एजेंसियों का हाथ होने की आशंका, एक गिरफ्तार

## पंजाब में तीन घंटे में दो धमाके, एनआइए करेगी जांच

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**अमृतसर.** पंजाब में मंगलवार रात सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास तीन घंटे में दो धमाकों ने हड़कंप मचा दिया। पहला धमाका करीब 8 बजे जालंधर में बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर हुआ, जबकि दूसरा रात 11 बजे अमृतसर के खासा इलाके में सेना छावनी के पास हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अमृतसर में किसी ने सीमा दीवार की ओर विस्फोटक फेंका, जिससे धमाका हुआ और टिन शीट का हिस्सा गिर गया। मौके पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की टीम भी पहुंची। फॉरेंसिक और बम निरोधक दस्ते ने साक्ष्य जुटाए हैं।

**जालंधर** में बीएसएफ हैडक्वार्टर के बाहर धमाके से पूरी तरह जला स्कूटर। इनसेट में विस्फोट के बाद बच कर भागते लोग।

### वार-पलटवार

**सीएम** भगवंत मान ने कहा कि ये ब्लास्ट भाजपा ने करवाए हैं, वह चुनाव वाले राज्य में इसी तरह इलेक्शन की तैयारी करती है। इस बीच मान ने जालंधर दौरा टाल दिया है। वहीं भाजपा की ओर से केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने मान को चुनौती देते हुए कहा कि उनमें दम है तो वे भाजपा और उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज करवाकर दिखाएं। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा है कि मान का यह बयान अरविंद केजरीवाल के कहने पर दिया है।

**बदलाव की तैयारी**

### यूपीएससी परिणाम में उपजाति बताने की भी सिफारिश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**नई दिल्ली.** यूपीएससी परीक्षा के परिणामों में एक और बदलाव देखने को मिल सकता है। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) ने कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के सिविल सेवा परीक्षा के अंतिम परिणामों में मुख्य श्रेणियों (एससी, एसटी, ओबीसी) के साथ अभ्यर्थियों की उप-जाति का विवरण देने की सिफारिश की है। इससे यह पता चल सकेगा कि आरक्षण का लाभ हाशिए पर मौजूद लोगों को मिल पा रहा है या नहीं।

**भिण्ड :** पटवारी भर्ती परीक्षा में गड़बड़झाला

## डीसीए की फर्जी मार्कशीट लगाई, छह पर एफआइआर

**भिण्ड @ पत्रिका.** वर्ष 2008 में हुई पटवारी भर्ती परीक्षा में डीसीए की फर्जी मार्कशीट लगाकर ज्वॉइनिंग का प्रयास कर रहे 6 अभ्यर्थियों पर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर एफआइआर दर्ज की है। आरोपियों ने एक ही वर्ष 2005 में छत्तीसगढ़ के रायपुर के पं. रविशंकर विवि से डीसीए की परीक्षा पास की थी। दस्तावेज जांच में संदेह होने पर सभी अभ्यर्थियों की ज्वॉइनिंग रोक दी गई थी। इस पर सभी ने हाइकोर्ट में याचिका लगाई।

### कॉलेज ही नहीं गए

पुलिस ने पंकज यादव पुत्र महावीर यादव, रंजीत पुत्र दिनेश तोमर, वंदना पुत्री रामसेवक सोनी, पूनम पुत्री किशनलाल मिश्रा, अशोक कुमार पुत्र मुलू और अरुण कुमार पुत्र रामजीलाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। सीएसपी निरंजन राजपूत ने बताया, यह न तो कभी दाखिला लेने गए, न ही पढ़ाई कर परीक्षा दी। कुछ ने एक ही समय पर डबल डिग्री की।

**ट्रेंडिंग न्यूज**

**तरुण हत्याकांड**

### 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

**नई दिल्ली@ पत्रिका.** दिल्ली के उत्तम नगर में होली विवाद में एक युवक तरुण की हत्या के मामले में पुलिस ने 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। इसमें 20 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें दो नाबालिग भी शामिल हैं। मामले में आगे सुनवाई जारी है।

**चेन्नई**

### टीवीके पदाधिकारी अरेस्ट, पॉक्सो में केस

**चेन्नई@ पत्रिका.** तमिलनाडु में टीवीके पार्टी के एक वार्ड पदाधिकारी पांबू दिनेश को 10 वर्षीय बच्ची के कथित यौन उत्पीड़न व धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। घटना कासिमेडु क्षेत्र की है। परिजनों की शिकायत पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज हुआ है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

**मुंबई**

### ताज-ट्राइडेंट होटल में हमले की धमकी

**मुंबई @ पत्रिका.** ताज और ट्राइडेंट होटल में आतंकी हमले की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने दोनों होटल में सुरक्षा हाई अलर्ट कर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात कर दिया। पुलिस धमकी देने वाले शख्स को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रही है।

**स्पेस जंक** — सौर गतिविधि बढ़ते ही तेजी से गिरता है कचरा, भारतीय वैज्ञानिकों के अध्ययन से खुलासा

# सूरज की गर्मी कर रही अंतरिक्ष कचरे की 'नेचुरल क्लीनिंग'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**तिरुवनंतपुरम.** अंतरिक्ष को अक्सर अनंत और खाली समझा जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि पृथ्वी की कक्षा के आसपास हजारों टन कचरा तैर रहा है। अब वैज्ञानिकों ने पाया है कि इस कचरे को साफ करने में खुद सूरज अहम भूमिका निभा रहा है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के शोधकर्ताओं ने दुनिया में पहली बार साबित किया है कि सूर्य की बढ़ती सक्रियता अंतरिक्ष मलबे को तेजी से पृथ्वी की ओर भेजती है। यह चक्र अंतरिक्ष में हमारे बनाए कचरे को कुछ हद तक खत्म कर देता है।

सूरज ऊर्जा का स्रोत ही नहीं, बल्कि अंतरिक्ष का एक मजबूत 'सफाई-कर्मी' भी है।

**क्यों है यह नई समझ अहम?:** अंतरिक्ष का कचरा भविष्य के मिशनों के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इस नई समझ के साथ दुनियाभर में वैज्ञानिक अब सौर चक्र को ध्यान में रखकर अंतरिश मिशनों की लॉन्च टाइमिंग तय कर सकते हैं, जिससे जोखिम कम होगा और बाद में 'सस्टेनेबल स्पेस ऑपरेशन' भी संभव हो पाएंगे।

### सूरज की गर्मी, 'मोटी' होती हवा है कारण

**यह** पूरा खेल पृथ्वी के वायुमंडल की ऊपरी परत थर्मोस्फीयर में होता है। जब सूर्य अपने 11 साल के चक्र में ज्यादा सक्रिय होता है, तो उसका विकिरण इस परत को गर्म कर देता है। बहुत गरम होने से यह परत फैलकर 'मोटी' हो जाती है। इस दौरान 160 से 2000 किमी की ऊंचाई पर घूम रहे बेकार सैटेलाइट और अंतरिक्ष का अन्य मलबा इस बहुत सघन और गर्म हवा से टकराते हैं, जिससे उनकी गति धीमी पड़ जाती है और वे धीरे-धीरे नीचे की ओर खिंचने लगते हैं।

### 34 साल का डेटा, चौंकाने वाला पैटर्न

**वैज्ञानिकों** ने 1986 से 2024 तक के तीन सौर चक्रों का विश्लेषण किया। 17 अलग-अलग मलबों के टुकड़ों पर नजर रखी गई, जो हर 90 से 120 मिनट में पृथ्वी का चक्कर लगा रहे थे। जैसे ही सूर्य की सक्रियता अपने चरम के करीब 67-70% तक पहुंची, इनकी ऊंचाई बहुत तेजी से गिरने लगी, कुछ मामलों में यह कई किमी नीचे तक चले गए।

**नर्मदापुरम :** पहाड़ी और दुर्गम रास्तों पर चलने में सक्षम है

## पचमढ़ी के जंगलों को क्लीन करेगा आधुनिक मॉडिफाई वाहन, टूरिस्ट स्पॉट्स पर होगी सफाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**नर्मदापुरम.** हिल स्टेशन पचमढ़ी के जंगलों को पॉलीथिन और कचरा से मुक्त करने के लिए सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) ने छावनी परिषद के जरिए आधुनिक मॉडिफाई वाहन बुलवाया है। वाहन पत्थरों पर भी चलने में सक्षम हैं। वाहन सफाई अमला के साथ दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में पहुंच रहा है। अमला जंगलों से कचरा को इकट्ठा कर वाहन में डाल देता है। वाहन उसे लेकर परिषद के कचरा निष्पादन सेंटर तक आ रहा है। जंगलों से रोजाना पॉलीथिन, कपड़े, खानपान की वस्तुओं के पैकेट आदि को निकला जा रहा है। क्षेत्र संचालक संजीव शर्मा के अनुसार इस वाहन से नागद्वारी, महादेव और शिवरात्रि मेले के दौरान हिल स्टेशन और जंगलों में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाया जाएगा।

जंगल में सफाई करता एसटीआर का अमला।

## ग्रह-नक्षत्र

पंडित मुकेश भारद्वाज, ज्योतिर्विद व वास्तुविद्

| | | |
|---|---|---|
| **शुभ वि. सं:** 2083 | **हिजरी संवत :** 1447 | **ऋतु:** ग्रीष्म |
| **संवत्सर का नाम:** रौद्र | **मु.मास:** जिल्काद 19 | **मास:** प्रथम ज्येष्ठ (शुद्ध) |
| **शक संवत:** 1948 | **अयन:** उत्तरायण | **पक्ष:** कृष्ण |

**आज का दिन**

**गुरुवार, 07 मई, 2026**

**सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति**

| भाव | ग्रह |
|---|---|
| 1 | सू बु |
| 2 | शु |
| 3 | गु |
| 4 | |
| 5 | के |
| 6 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | चं |
| 10 | |
| 11 | रा |
| 12 | श म |

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** आज शुभ का चौघड़िया सूर्योदय से 7.27 तक रहेगा। चर का चौघड़िया 10.45 से 12.23 तक रहेगा। लाभ व अमृत के चौघड़िए 12.23 से 3.41 तक रहेंगे।

**तिथि:** पंचमी तिथि दिन 10.14 तक होगी, तदुपरांत षष्ठी तिथि होगी।

**दिशाशूल:** आज दक्षिण दिशा में दिशा शूल रहेगा।

**राहु काल वेला:** (मध्यमान से) दिन 1.30 से 3.00 तक रहेगा।

**नक्षत्र:** पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सायं 6.46 तक रहेगा, तदुपरांत उत्तराषाढ़ा नक्षत्र होगा।

**योग:** साध्य योग रात्रि 1.59 तक रहेगा, तदुपरांत शुभ योग रहेगा।

**करण:** तैतिल करण दिन 10.14 तक रहेगा, तदुपरांत गर करण रहेगा।

**विशिष्ट योग:** रवियोग सायं 6.46 से प्रारंभ।

**व्रत/दिवस विशेष:** श्री रवींद्रनाथ टैगोर जयंती, विवाह मुहूर्त उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में।

**चंद्रमा:** आज रात्रि 1.26 तक धनु राशि में होगा, तदुपरांत मकर राशि में प्रवेश होगा।

**आज जन्म लेने वाले बच्चे:** आज रात्रि 1.26 तक जन्म लेने वाले बच्चों की राशि धनु होगी, तदुपरांत मकर राशि होगी। सायं 6.46 तक जन्म लेने वाले बच्चों का पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र होगा, तदुपरांत उत्तराषाढ़ा नक्षत्र होगा। इन बच्चों का ताम्र पाद होगा। इनके प्रथम नामाक्षर फा, ढ़ा, भे, भो पर रखे जा सकते हैं। धनु राशि के स्वामी बृहस्पति होने से व्यक्ति ज्ञानी व समझदार होता हैं, परंतु गुस्सा जल्दी करते हैं।

## आज का राशिफल

**मेष** — **मांगलिक कार्यों की योजना बनेगी।** परिवार में मेलजोल और सहयोग का वातावरण रहेगा। कार्यस्थल पर नियत समय अवधि में कार्य पूरा करने का दबाव रह सकता है। सूचनाओं को संभालें।

**वृषभ** — **नियम और कानून की पालना में सतर्कता दिखानी होगी।** भावनात्मक संबंधों में चल रही खींचतान का प्रभाव कार्यों पर पड़ सकता है। मुद्दे संवेदनशीलता और शीघ्रता से सुलझाने होंगे।

**मिथुन** — **प्रतिभा का प्रदर्शन करके लोगों को प्रभावित करने के अवसर का लाभ उठाने की स्थिति मिलेगी।** नए व्यवसाय या जॉब की खोज में विभिन्न लोगों से वार्तालाप हो सकती है।

**कर्क** — **दूसरों की अकुशलता के परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।** सावधान रहने का दिन है। संघर्ष हुआ तो उसमें विजय आपकी होगी लेकिन टालना बेहतर रहेगा। संबंधों में स्थाई दरार आ सकती है।

**सिंह** — **रुचि के अनुसार कार्य करने की स्थिति बनेगी।** दिन सौहार्दपूर्ण वातावरण में गुजरेगा। एकाग्रता बनाए रखी तो शिक्षा में मनचाहे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। संबंधों में साथी आकर्षित होगा।

**कन्या** — **कार्य कुशलता बढ़ानी होगी।** नए सहयोगी ढूंढने की आवश्यकता रहेगी। परिस्थितियों पर नियंत्रण बनाने में सफल रहे तो बड़े आर्थिक लाभ से जुड़ सकते हैं। वाहन बदलने के प्रयास सफल रहेंगे।

**तुला** — **आर्थिक उन्नति के लिए नए कोर्स या अन्य प्रकार की राह खोजने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे।** आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। पेरेंट्स का सानिध्य मिलेगा। अपेक्षाओं को पूरा करना कठिन।

**वृश्चिक** — **खेल और उससे जुड़ी गतिविधियों में महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।** विभिन्न प्रकार के सलाहकार की भूमिका से जुड़े लोगों को वाणी के प्रभाव से अच्छा धन लाभ हो सकता है।

**धनु** — **लक्ष्यों की प्राप्ति के बीच की बाधाएं दूर होंगी।** निर्विघ्न कार्य करने के मौके मिलेंगे। सामाजिक और पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भावनात्मक संबंधों के प्रति लगाव और गहरा होगा।

**मकर** — **कार्य क्षमता में कमी अनुभव करेंगे।** विरोधी हावी होने की कोशिश कर सकते हैं। धैर्य और साहस रखना होगा। पुराने संबंधों से मदद मिलेगी। खर्चों में कटौती करके स्थिति में सुधार के प्रयास करने होंगे।

**कुंभ** — **प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रदर्शन अनुमान से बेहतर रहने की स्थिति बनेगी।** साझेदारी व्यवसाय में पारदर्शिता रखना व्यापार की संभावनाओं को और बढ़ाने में मददगार होगा।

**मीन** — **पिछले कार्यों की प्रशंसा होने से उत्साहित रहेंगे।** उच्च अधिकारियों का विश्वास अर्जित होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत करने के लिए और अधिक प्रयास की आवश्यकता महसूस करेंगे।

**समर कैम्प:** विभिन्न विधाओं की तालीम देने के लिए शहर की सामाजिक संस्थाएं और युवाओं के ग्रुप कर रहे आयोजन

# बच्चे आएंगे संस्कारों के करीब, मोबाइल से बनेगी दूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर.** गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को शिक्षा के अतिरिक्त अन्य विधाएं सिखाने के लिए समर कैम्प लगते हैं। तगड़ी फीस के चलते इन कैम्प्स में गरीब तबके के बच्चे प्रवेश नहीं ले पाते हैं।

इन गरीब बच्चों को विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण देने का बीड़ा शहर के कुछ युवाओं की टीम और सामाजिक संस्थाओं ने उठाया है। ये समूह, संगठन इन बच्चों को निःशुल्क ड्राइंग, पेंटिंग, गायन, नृत्य सहित विभिन्न उपयोगी विधाओं में प्रशिक्षित करेंगे। नैतिकता व माता-पिता सहित बड़ों के चरण छूकर सम्मान करना जैसे संस्कारों के बीज बोएंगे। सबसे अहम यह कि बच्चों को तीन-चार घण्टे मोबाइल फोन से भी दूर रखेंगे।

शिशु मंदिर [illegible] ब्रिज में लगा शिविर

### मोबाइल की जगह संस्कार सीखेंगे

रोटरी क्लब संस्कारधानी, सरस्वती शिशु मंदिर, नरसिंह मंदिर व कदम संस्था के तत्वावधान में बच्चों के लिए बुधवार को निःशुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ।

प्रथम दिवस 125 बच्चों ने पंजीयन कराया। लोक नृत्य निर्देशक कृष्णकांत दीक्षित ने बताया कि शिविर में लोक नृत्य, अभिनय, संगीत , फाइन आर्ट, कैलीग्राफी, पेंटिंग, मेहंदी, स्पोकन इंग्लिश, योगा, एरोबिक्स, मार्शल आर्ट, बॉक्सिंग, उपशास्त्रीय नृत्य, वादन व गीता पठन का नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। सुबह 9:00 से 12:00 बजे तक सरस्वती शिशु मंदिर नरसिंह मंदिर में प्रशिक्षण दिया जाएगा। 3 घण्टे से अधिक बच्चे स्वेच्छा से मोबाइल से दूर रहेंगे।

### जैन समाज के कैम्प में सिखाएंगे कई विधा

जैन समाज के शिविर में बच्चों को नृत्य, गायन, पेंटिंग, कराते सहित अन्य कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जैन पंचायत सभा के अनिल जैन गुड्डा बताते हैं कि गणेश प्रसाद वर्णी रात्रि पाठशाला लॉर्डगंज स्थित जैन मंदिर में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर लगेगा।

### गुरुद्वारों में मिलेंगे संस्कार

ग्रीष्मावकाश में इस वर्ष भी मदनमहल, गोरखपुर, रांझी, मढ़ाताल, आधारताल, बेलासिंह स्कूल, सिकलीगर गुरुद्वारा शारदा चौक व अन्य गुरुद्वारों में शिविर लगाए जाएंगे। सिख समाज के हरमीत सिंह धंजल ने बताया कि बच्चों को धार्मिक परम्पराओं, गुरुमुखी भाषा, गुरुवाणी व अन्य सिख धर्मग्रंथों का अध्ययन कराया जाता है। बीते वर्ष 300 बच्चों ने इन शिविरों में धार्मिक शिक्षा प्राप्त की। शिविर के दौरान बच्चे मोबाइल से दूर रहते हैं।

**परिवर्तन** आधुनिक कैफे कल्चर की चुनौती, पारंपरिक बौद्धिक अड्डों की बदलती पहचान

# बदलते अड्डे, बदल रहे विमर्श, सूचनाओं तक सिमट रहीं चर्चाएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर.** संस्कारधानी के रूप में पहचाने जाने वाले इस शहर में बौद्धिक अड्डों की तस्वीर तेजी से बदल रही है।

कभी हरिशंकर परसाई के तीखे व्यंग्य और भवानी प्रसाद मिश्र की कविताओं से सराबोर यह शहर आज नए तरह के विमर्श का गवाह बन रहा है। चाय की दुकानों और पान के ठेलों पर होने वाली गहरी बहसों की जगह अब कैफे की सुसंस्कृत लेकिन सीमित चर्चाओं ने ले ली है।

काफी हाउस में चर्चाएं करते हुए युवा।

शहर के बौद्धिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि अब इन अड्डों पर विमर्श कम और सूचनाओं का आदान प्रदान अधिक हो रहा है। जबलपुर के पुराने इलाकों राइट टाउन, पड़ाव और लार्डगंज में आज भी कुछ ऐसे अड्डे हैं जहां चाय के साथ दार्शनिक बातें उठती हैं। वरिष्ठ साहित्यकार राकेश राकेंदु कहते हैं कि सुपर मार्केट स्थित कॉफी हाउस एक बौद्धिक संस्थान रहा है।

सिविक सेंटर की दुकानों पर शाम ढलते ही वकीलों, पत्रकारों और छात्रों की टोलियां जमती हैं। इंजीनियरिंग के छात्र युवराज सेंगर का कहना है कि सिविक सेंटर की बैठक में समसामयिक विषयों पर चर्चा से उनका ज्ञानवर्धन होता है।

### कल्चर बनाम पुराने अड्डे

कवि अमित जैन मौलिक का कहना है कि पहले पुराने अड्डे जैसे कॉफी हाउस, चाय के ठेले विचार विमर्श के अड्डे थे। संवाद और सामूहिक विमर्श इन अड्डों की खासियत थी। अब इनकी जगह नेपियर टाउन, सदर, सिविल लाइंस, विजयनगर, राइट टाउन के आधुनिक कैफे ले चुके हैं। इनमें जेन-जी युवाओं के ग्रुप, घुमंतू, युवा जोड़े स्टार्टअप, करियर, मीडिया ट्रेंड्स पर चर्चा करते देखे जा सकते हैं।

### बदल रहा स्वरूप

वरिष्ठ साहित्यकार पंचम झा कहते हैं कि पहले अड्डों पर परसाई की तरह तीखा कटाक्ष होता था। आज के कैफे में इंस्टाग्राम रील्स पर चर्चा होती है। हालांकि, कुछ युवाओं का तर्क है कि वे कैफे में बैठकर भी देश के मुद्दों पर बात करते हैं, लेकिन उनका तरीका डिजिटल है। सदर के सीमांत शुक्ला का कहना है कि ऐसी चर्चा के दौरान वे सोशल मीडिया पर बहस करना पसंद करते हैं।

### जिंदा है जबलपुरिया अंदाज

साहित्यकार विवेक चतुर्वेदी का कहना है कि इन सब बदलावों के बावजूद, जबलपुर की तासीर में आज भी अड़ियल बौद्धिकता बरकरार है। नर्मदा के तट गौरीघाट, तिलवाराघाट में आज भी शाम को चाय की चुस्कियों के साथ नर्मदा पुराण से लेकर आधुनिक विकास तक पर बहस होती है। कवि डॉ प्रशांत मिश्रा कहते हैं कि आज भी मानस भवन या स्थानीय पुस्तकालयों के बाहर पुराने अड्डों जैसी गरमागरम बहस देखने को मिल जाती है।

# जिज्ञासुओं को कराया जाएगा तत्वबोध का अध्ययन

**जबलपुर@पत्रिका.** श्रीराम मंदिर, मदन महल में आदि शंकराचार्य लिखित ग्रंथ तत्त्वबोध के अध्ययन कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आठ मई से आयोजित किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय चिन्मय मिशन के संस्थापक स्वामी चिन्मयानंद के जन्मदिवस पर आयोजन होगा। कार्यक्रम संयोजक दीपक बिरमानी, अतुल तिवारी, सचिन डोंगरे ने बताया कि वेदांत की अध्ययन परम्परा में प्रथम प्रकरण ग्रंथ तत्त्वबोध का विधिवत् अध्ययन प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को दो माह तक चलेगा। मुख्य रूप से अहम्' तत्त्व , जगत की रचना और जीवन तथा जगत के साथ ईश्वर के सम्बंध पर इन कक्षाओं में विवेचन किया जाएगा। सम्पूर्ण अध्ययन डॉ. राजेश कुमार पांडेय के सान्निध्य में होगा।

# आइटीआई में शुरू होंगे सोलर और ईवी टेक्निशियन कोर्स, युवाओं को मिलेंगे नए अवसर

**जबलपुर@पत्रिका.** बदलती तकनीक और बाजार की मांग के अनुरूप जबलपुर के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। शासकीय संभागीय आईटीआई जबलपुर में इसी शैक्षणिक सत्र से सोलर और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) टेक्निशियन के नए कोर्स शुरू किए जाएंगे।

संस्थान प्रबंधन के अनुसार, इन कोर्सों को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य इंडस्ट्री में तेजी से बढ़ती सोलर और ईवी टेक्निशियनों की मांग को पूरा करना है। वर्तमान समय में कंपनियां प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं की तलाश में हैं, जिन्हें आईटीआई जैसे संस्थान तैयार कर सकते हैं।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है, जिसके चलते सोलर पैनल इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की कमी महसूस की जा रही है।

### ईवी सेक्टर में भी बढ़ रही जरूरत

देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। सड़कों पर बढ़ते ई-वाहनों की सर्विसिंग और रिपेयरिंग के लिए पारंपरिक मैकेनिकों के बजाय आधुनिक तकनीक में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आईटीआई जबलपुर में यह पहल की जा रही है।

### जुलाई से शुरू होगा नया सत्र

संभागीय आईटीआई के प्राचार्य अमित आठ्या ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें सीधे रोजगार से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि तकनीकी बदलावों के साथ कोर्स में भी समय-समय पर बदलाव जरूरी है।

जुलाई माह से शुरू होने वाले नए सत्र में इन दोनों कोर्सों की शुरुआत कर दी जाएगी। इसके लिए संस्थान स्तर पर आवश्यक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं और शेष कार्य अंतिम चरण में हैं। छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रैक्टिकल लैब तैयार की जा रही हैं।

### गेस्ट फैकल्टी का भी मिलेगा सहयोग

संस्थान द्वारा उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की मदद भी ली जाएगी। प्राचार्य के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर अनुभवी विशेषज्ञों और गेस्ट फैकल्टी को जोड़ा जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी मिल सके।

# मिलन संस्था की हीरक जयंती मनाने का लिया गया संकल्प

**जबलपुर@पत्रिका.** विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शांति नगर में सामाजिक संस्था मिलन ने संकल्प सभा का आयोजन किया। इसमें तय किया गया कि संस्था की हीरक जयंती पर 75 कार्यक्रमों की संख्या पूरी की जाएगी। दो सितम्बर को स्थापना दिवस पर संस्था की 75 वर्ष की यात्रा के प्रत्येक क्षणों को अंकित किया जाएगा। सभा में प्रमुख संरक्षक डॉ. हरिशंकर दुबे, हास्य कलाकार केके नायक, इरफान झांसवी, जगदीश पटेल, ईश्वर सिंह ठाकुर, बलराम वर्मा, मृगेंद्र नारायण, डॉ. गीता गीत, डॉ. शोभा सिंह, राकेश खम्परिया, रीता दास, काजल मानेक, मौसमी चौधरी, सन्नी शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

# जैन सोशल ग्रुप ने की मुनि सुब्रतनाथ की पूजा-अर्चना

**जबलपुर@पत्रिका.** दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संस्कारधानी के तत्वावधान में शासनोदय तीर्थ में मुनि सुब्रत नाथ भगवान की शांतिधारा, सामूहिक पूजा अर्चना के साथ आराधना की गई। बरगी क्रूज हादसे में दिवंगतों की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस धार्मिक आयोजन के दौरान सुनीता लक्ष्मी, चित्रा घीया, सुनील घीया, अनिल जैन, आरती जैन, अमित पारस, रश्मि पारस, राजेंद्र जैन, संगीता जैन, श्रेयांश जैन, मीना जैन एवं सदस्य शामिल हुए।

## शोक समाचार

**श्रीमती प्रभा रानी बेंटिया-** पिसनहारी मढ़िया पुरवा निवासी श्रीमती प्रभा रानी बेंटिया (80) का निधन हो गया है। वे कमल कुमार बेंटिया की धर्मपत्नी थीं। आशीष, विनीत, राजीव व साधू बेंटिया की माताजी थीं। पार्षद अनुपम जैन की दादीजी थीं। अंतिम संस्कार त्रिपुरी चौक के समीप मुक्तिधाम में हुआ।

### सूचना

पत्रिका में निधन सम्बंधी समाचार निःशुल्क प्रकाशित किए जाते हैं। सूचना देने के लिए जेडीए बिल्डिंग, प्रथम तल, सिविक सेंटर जबलपुर स्थित कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा मोबाइल 9993647615 के वाट्सऐप पर फोटो सहित भेजें।

# 'लोग रामायण का नित्य पाठ करें, इसलिए भगवान ने की थी लीला'

**जबलपुर@पत्रिका.** मानस पीठ रामदूत मठ फूटाताल में ज्येष्ठ मास में विशेष पूजन व सत्संग सत्र चल रहा है। बुधवार को पूजन के बाद स्वामी गिरिजानंद ने श्रद्धालुओं को बताया कि सबका भक्षण करने वाला जो काल है, उसका भक्षण करने वाले श्री राम हैं। रावण को मारने के लिए रामजी को इतनी लीला करने की क्या जरूरत थी। श्री राम तो परमात्मा है सर्व शक्तिशाली हैं, काल के भी काल हैं।

### मोक्षदाई कथा

संकल्प मंत्र से श्री राम रावण को मार सकते थे। लेकिन, उन्होंने ने यह समस्त लीला इस कारण से की थी कि लोग रामायण का पाठ करें ,श्रवण करें। उतने समय तक जगत को भूल सकें। उन्होंने बताया कि श्रीराम ने रावण को मारने के लिए अवतार धारण नहीं किया। कलयुग के लोग यह लीला सुनकर उसमें तन्मय हों, इसलिए समस्त लीला की है। भगवान की लीला कथा मोक्षदाई है। भगवान अवतार लेते हैं, तो वे बहुत जीवों का उद्धार करते हैं। जब परमात्मा प्रत्यक्ष विराजते नहीं हैं, उस समय श्रीराम कथा अनेक जीवों को प्रभु का मार्ग बताती है। अनेक जीवों का कल्याण करती है। आयोजन में शैलेंद्र जड़िया, पुष्पा सोनी, सुधा अग्रवाल, श्यामा सेन, उमेश सेन, अविनाश खरे, राजेंद्र सोनी, आर्यन श्रीवास्तव सहित आदि शामिल हुए।

# माता मरियम अपने भक्तों को मदद देती हैं, सदियों से सहारा

**जबलपुर@पत्रिका.** सदर स्थित स्कूल परिसर में फातिमा की माता मरियम के तीर्थस्थल में वार्षिक भक्ति महोत्सव चल रहा है। इसके अंतर्गत नौदिवसीय प्रार्थना का बुधवार को तीसरा दिन था। मुख्य याजक सेंट थॉमस चर्च, घुघरी, मंडला के पल्ली पुरोहित फादर फिलिप ने भक्तजनों की उपस्थिति में पावन ख्रीस्तयाग अर्पित किया। उन्होंने कहा कि माता मरियम न सिर्फ अपने भक्तों पर कृपा करती हैं, बल्कि उनकी आवश्यकताओं के लिए निरंतर प्रार्थना करती रहती हैं। माता मरियम एक ऐसा पावन नाम है जो सदियों से हमारे लिए मदद, सहयोग और चंगाई के लिए प्रभु से मध्यस्थता करती हैं। महिलाओं के लिए माता मरियम एक आदर्श हैं। उन्होंने आगे बताया कि माता मरियम अपने जीवन काल में बहुत से लोगों को ईश्वर के करीब लेकर आई। माता मरियम ने ईश्वर के

वचनों पर विश्वास किया तथा अपने सम्पूर्ण जीवन को ईश्वर के वचन के अनुसार जिया। पूर्व धर्माध्यक्ष बिशप जेराल्ड अलमेडा, फादर जूड जेम्स, फादर जेम्स संथानम एवं फादर सहाय अजील मौजूद थे। श्राइन प्रबंधन के चैपलिन फादर बिपिन खालको ने बताया कि सेंट थॉमस स्कूल तथा युवा गायन मंडली ने कर्णप्रिय गीतों और भजनों की मधुर प्रस्तुति से उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया। तीर्थस्थल की आकर्षक साज सजावट की गई है। भक्त पवित्र तीर्थस्थल में बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

# माल बाबा मंदिर में धार्मिक आयोजन

**बेलखाडू@पत्रिका.** माल बाबा मंदिर बेलखाडू में बुधवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। विधिवत पूजा-अर्चना और भगवान की आरती के बाद भंडारे का शुभारंभ किया गया। ''जय श्रीराम'' तथा ''माल बाबा जी महाराज की जय'' के जयकारों से क्षेत्र गूंजा।

**परम्पराएं सहेजने का जरिया** आधुनिकता और परम्परा का संगम, सात्विक थीम के साथ नया सामाजिक ट्रेंड

# महिलाओं के कार्यक्रमों में भक्ति के रंग, सोशल मीडिया पर भजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर.** संस्कारधानी में महिलाओं के सामाजिक मेल-मिलाप का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले जहां भजन मंडलियां मंदिरों या चबूतरों तक सीमित थीं, अब वे व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए संचालित हो रही हैं। वहीं किटी पार्टियां, जो कभी सिर्फ मनोरंजन का माध्यम थीं, अब सात्विक और धार्मिक थीम के साथ परंपराओं को सहेजने का नया जरिया बन गई हैं।

आज की महिलाएं तकनीक का उपयोग करते हुए भजन के बोल साझा कर रही हैं और किटी पार्टियों में सात्विक भोजन के साथ सांस्कृतिक मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचा रही हैं।

**मुख्य बदलाव एक नजर में-** 65 प्रतिशत भजन मंडलियां अब व्हाट्सएप के जरिए समय और स्थान तय करती हैं। किटी पार्टियों में तंबोला की जगह धार्मिक क्विज जैसे आयोजन होने लगे हैं। पारंपरिक ड्रेस कोड को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले 5 वर्षों में थीम बेस्ड किटी में 40 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

**किटी फंड का सामाजिक उपयोग-** नेपियर टाउन की महिलाओं ने तय किया है कि किटी फंड का 20 प्रतिशत हिस्सा अनाथालय और गौ सेवा में खर्च किया जाएगा।

### हर मोहल्ले में मंडली

अब शहर के लगभग हर क्षेत्र में किटी और बीसी पार्टियां संकीर्तन मंडलियों का रूप ले रही हैं। सोमवार, मंगलवार और शनिवार को महिलाएं पिकनिक के साथ भजन-कीर्तन करती नजर आती हैं। समाजशास्त्री प्रो. ध्रुव दीक्षित के अनुसार, यह बदलाव ''सांस्कृतिक संकरता'' का उदाहरण है, जहां महिलाएं आधुनिक तकनीक अपनाते हुए अपनी परंपराओं को भी सहेज रही हैं।

**केस-1**

### डिजिटल सखी भजन मंडली

**विजय** नगर की 60 वर्षीय मालती शर्मा ने 40 महिलाओं का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। अब भजन का स्थान और समय मैसेज के जरिए तय होता है, जिससे आयोजन आसान हो गया है।

**केस-2**

### थीम आधारित आयोजन

**सिविल** लाइंस के एक होटल में आयोजित किटी पार्टी की थीम ''नर्मदा घाट'' रही। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा पहनी और कार्यक्रम का समापन भजन व महाआरती से हुआ।

**केस-3**

### सात्विक गॉसिप किटी ग्रुप

**राइट** टाउन की वकील राधिका और उनकी 12 सहेलियों ने किटी का नया स्वरूप अपनाया है। यहां केवल शुद्ध शाकाहारी भोजन और किसी सामाजिक या धार्मिक विषय पर चर्चा होती है।

**केस-4**

### वर्किंग वुमन और ई-भजन

**आईटी** सेक्टर की युवतियां सप्ताहांत में नर्मदा तट पर एकत्र होकर गिटार और ढोलक के साथ भजन गाती हैं, जिससे आधुनिकता और आध्यात्म का संगम दिखता है।

# रेत पर फिसलता तंत्र, कागजों में कानून

**दो टूक**
**पंकज श्रीवास्तव**

मध्यप्रदेश में अवैध रेत उत्खनन की कहानी अब कोई नई खबर नहीं रह गई, बल्कि यह एक स्थायी 'व्यवस्था' का रूप ले चुकी है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक इस पर सख्त टिप्पणियां कर चुके हैं। चंबल नदी के पुल पर मंडराते खतरे ने जब न्यायपालिका को हस्तक्षेप के लिए मजबूर किया, तब सवाल भी उठा- क्या अफसरों को दिखाई देना बंद हो गया है? आदेश दिए गए, पहरेदारी भी शुरू हुई, लेकिन यह कार्रवाई केवल पुल तक सीमित रही। नदी के बाकी घाटों पर रेत का 'धंधा' उसी रफ्तार से जारी है। मुरैना और भिंड में यह खेल खुलेआम चल रहा है, मानो कानून केवल कागजों में ही लागू होता हो।

हैरानी इस बात की नहीं है कि अवैध खनन हो रहा है, बल्कि इस बात की है कि यह सब खुलेआम हो रहा है। जिन रास्तों से रेत से भरे ट्रक गुजरते हैं, वहां छह से ज्यादा थाने पड़ते हैं। फिर भी एक भी वाहन रोका नहीं जाता। क्या यह मान लिया जाए कि पुलिस को ये ट्रक-डंपर दिखाई नहीं देते? या फिर देखने की 'इच्छा' ही नहीं बची? यह सवाल इसलिए भी गंभीर है क्योंकि जब भी कोई बड़ी घटना होती है, किसी पुलिसकर्मी या वनरक्षक को कुचल दिया जाता है, तभी अचानक सक्रियता दिखती है। कुछ छोटे मामलों में कार्रवाई, कुछ जब्ती, और फिर सब कुछ पहले जैसा।

हाल ही में एक पटवारी को कुचलने का प्रयास किया गया। यह घटना केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे को खुली चुनौती है। सवाल उठता है कि आखिर इन माफिया के हौसले इतने बुलंद कैसे हो गए? बिना किसी 'बैकअप' के यह संभव नहीं। यह बैकअप कौन दे रहा है, यह किसी से छिपा नहीं। अवैध खनन का पैसा सीधा रसूखदारों तक पहुंच रहा है और सरकारी खजाना लुटता जा रहा है। विडंबना यह है कि इसी सरकार से वेतन पाने वाले कर्मचारी यह सब देखते हुए भी चुप हैं।

समस्या केवल कानून लागू करने की नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति की है। अगर प्रशासन चाहे, तो एक भी ट्रक बिना जांच के नहीं निकल सकता। लेकिन यहां तो 'मौन स्वीकृति' का दौर चलता दिखता है। जब तक कोई बड़ी दुर्घटना न हो, तब तक सब चलता रहे। यह स्थिति केवल चंबल तक सीमित नहीं है; नर्मदा और अन्य नदियां भी इसी दोहन का शिकार हैं।

अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? सबसे पहले, जवाबदेही तय करनी होगी। जिन क्षेत्रों में अवैध खनन या उत्खनन पकड़ा जाता है, वहां संबंधित थाने और अधिकारियों पर सीधे कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरा, तकनीक का इस्तेमाल- जीपीएस ट्रैकिंग, ड्रोन निगरानी और ई-रॉयल्टी सिस्टम को सख्ती से लागू किया जाए। तीसरा, राजनीतिक संरक्षण पर रोक- जब तक ऊपर से 'संरक्षण' खत्म नहीं होगा, नीचे की कार्रवाई केवल दिखावा ही रहेगी। सभी को यह समझना होगा कि नदियां केवल रेत का स्रोत नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं। अगर इसी तरह उनका दोहन होता रहा, तो आने वाली पीढ़ियों को केवल सूखी धाराएं और खोखले वादे ही मिलेंगे। सवाल यह नहीं है कि अवैध खनन कब रुकेगा, बल्कि यह है कि क्या सिस्टम सच में इसे रोकना चाहता भी है?

### व्यक्तिगत व सामूहिक दावों के निपटारे पर सिर्फ छह जिले रहे सक्रिय

# वन अधिकार देने में इंदौर-आगर आगे, मऊगंज सबसे पीछे रहा

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

**भोपाल.** प्रदेश में वन अधिकार से जुड़े व्यक्तिगत व सामूहिक दावों के निराकरण की स्थिति अब भी बहुत अच्छी नहीं है। अकेले इंदौर, आगर मालवा, शाजापुर, भिंड, रायसेन, छिंदवाड़ा व पांढुर्णा ने ही 100 फीसद काम किया है। जबकि मऊगज सबसे पिछड़ा है। यहां दावों के निराकरण से जुड़ा 21 फीसदी काम ही हो पाया है। हालांकि सतना, सीधी, सिंगरौली, अनूपपुर व पन्ना जैसे 5 जिले ऐसे भी है, जहां 53.77 फीसद से ज्यादा काम नहीं हुआ। वन अधिकार से जुड़े व्यक्तिगत व सामूहिक दावों के निपटारे की धीमी चाल से आम लोग परेशान हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या आदिवासी परिवारों की है, जो जिलों में दफ्तर-दफ्तर चक्कर लगाने को मजबूर हो रहे हैं।

**सामूहिक दावों का निपटारा बड़ी चुनौती:** वन अधिकार के सामूहिक दावों के 117 प्रकरण आए थे। इनमें से महज 51 दावों को ही सुलझाया गया है। बाकी के 66 दावे अब भी लंबित हैं। इस तरह अधिकारियों ने 50 फीसद दावे भी नहीं निपटाए। अधिकारियों के मुताबिक इन दावों के निराकरण के लिए कई पैरामीटर को देखा जाता है। मैदानी स्तर पर काम करने होते हैं, लेकिन संबंधित अधिकारी, उस अनुरूप मेहनत ही नहीं कर पा रहे हैं।

### पिछड़ने के ये संभावित कारण

- **इन** दावों की सुनवाई के लिए स्थानीय स्तर पर व्यवस्था नहीं है।
- **जिलों** में भी गिने-चुने अधिकारी हैं, जो नियमित सुनवाई नहीं कर रहे।
- **विभाग** के मंत्री व अधिकारी भी नियमित समीक्षा नहीं कर रहे।
- **जिन** मामलों में सुनवाई हो रही, उनमें कई लोगों से वर्षों पुराने कानूनी दस्तावेज मांगे जा रहे, जो उपलब्ध कराना संभव नहीं।
- **ऐसे** दावों के निराकरण के लिए अनुभवी अधिकारियों की जरुरत है, जिनकी कमी है।
- **दूसरी** तरफ जिन अफसरों को इस काम में लगाया, उनके पास दूसरे भी विभागीय काम है।

### ऐसे हो रहा नुकसान

**जिन** परिवारों ने दावे किए हैं, उन्हें मालिकाना हक नहीं मिल रहा। जबकि वे वर्षों से उक्त जमीन पर रह रहे हैं। संबंधित जमीन का ऐसे लोग आर्थिक गतिविधियों के लिए उपयोग नहीं कर पा रहे। जिन्हें आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि दावों के निराकरण में जितनी तेजी लाई जाएगी, उतना अच्छा होगा। प्रदेश को भी इसका फायदा मिलेगा।

### व्यक्तिगत वन अधिकार दावों में पिछड़े जिले

| जिले | दावे | निराकरण% |
|---|---|---|
| मऊगंज | 987 | 21.58 |
| सिंगरौली | 15,071 | 34.35 |
| अनूपपुर | 4,765 | 37.38 |
| सतना | 10,990 | 40.65 |
| सीधी | 7,543 | 49.87 |
| पन्ना | 6,280 | 53.77 |

### व्यक्तिगत वन अधिकार दावों की स्थिति

- 2,65,632 पूर्व में निरस्त किए कुल दावे
- 33,591 मान्य किए दावे
- 1,71,587 अमान्य किए दावे
- 2,05,238 दावों का निराकरण
- 60,394 लंबित दावे
- 81.13% दावों का निराकरण

### सामुदायिक वन संसाधन दावों की स्थिति

- 26,555 गांव इसके तहत आ रहे
- 10,502 गांव पेसा कानून के दायरे में
- 117 दावे यहां से मिले
- 51 दावों को मान्य किया जा चुका
- 66 दावे अब भी लंबित है

### चयन परीक्षा में अपात्रों को बोनस अंक का मामला

# 13089 प्राइमरी शिक्षकों की भर्ती पर हाईकोर्ट में फैसला सुरक्षित

**जबलपुर @ पत्रिका.** प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2025 के परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी और अपात्र उम्मीदवारों को गलत तरीके से फीसदी बोनस अंक दिए जाने के आरोप पर बुधवार को मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

नरसिंहपुर निवासी सोनम अगरैया एवं अन्य दो उम्मीदवारों ने याचिका में कहा कि प्राइमरी स्कूल शिक्षक चयन परीक्षा 2025 भर्ती विज्ञापन के तहत केवल उन उम्मीदवारों को 5 फीसदी बोनस अंक मिलने थे, जिनके पास भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त विशेष शिक्षा में डिप्लोमा है। चयन सूची में लगभग 14,964 उम्मीदवारों ने खुद को इस श्रेणी में दिखाकर बोनस अंक प्राप्त कर लिए हैं।

### संचालनालय को संदेह

लोक शिक्षण संचालनालय ने भी जनवरी 2026 में विभाग को आगाह किया था कि लगभग 18,000 उम्मीदवारों ने हां का विकल्प चुना है, जो अत्यधिक प्रतीत होता है। सुधार के लिए पोर्टल खोलने के बाद भी मंडल के द्वारा उम्मीदवारों से आरसीआई की पंजीकरण संख्या या प्रमाणपत्र नहीं मांगा गया। इसके चलते बड़ी संख्या में फर्जी बोनस वाले अभ्यर्थी मेरिट लिस्ट में आ गए। याचिका में 27 फरवरी 2026 को जारी मेरिट लिस्ट को रद्द करने की मांग की गई।

## वेतन-एरियर्स के दो करोड़ निजी खातों में भेजे, 13 पर

**इंदौर@पत्रिका.** शिक्षा विभाग में वेतन और एरियर्स में हुए करोड़ों रुपए के घोटाले में एमजी रोड पुलिस ने बीईओ ऑफिस में पदस्थ कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में पांच कर्मचारियों सहित कुल 13 पर केस दर्ज है। टीआई विजय सिंह सिसौदिया के मुताबिक पांच मुख्य आरोपी लिपिक छोटेलाल गौड़, भृत्य सिद्धार्थ जोशी और पवन खामोद, अतिथि शिक्षक मोहन दांगी और केदार नारायण दीक्षित ने स्वयं के व अन्य 8 सह आरोपियों से जुड़े 33 बैंक खातों में शासकीय मद 2.02 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर गबन किया है। मामले में सिद्धार्थ की पत्नी रेणु जोशी और बेटा मोहक जोशी निवासी उज्जैन के अलावा हेमलता, रोशन पानेरी, मुकेश दांगी, अनिता दांगी, जगदीश, मुकेश राठौर के नाम शामिल हैं। ये सभी कर्मचारियों के करीबी या रिश्तेदार हैं जिनके खातों पर राशि ट्रांसफर की गई थी।

### एम्स भोपाल और मेडिकल कॉलेजों के बीच बने साझा डिजिटल प्लेटफार्म

# डिप्टी सीएम ने कहा- आयुष्मान योजना में किडनी ट्रांसप्लांट का पैकेज बढ़ा, हार्ट-लंग की सुविधा भी दें

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

**भोपाल.** प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने के लिए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुधवार को मंत्रालय में एम्स के निदेशक प्रो. डॉ. मधाबानंद सहित अन्य विशेषज्ञों के साथ मंथन किया। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत किडनी ट्रांसप्लांट पैकेज में वृद्धि की जाए और हार्ट एवं लंग ट्रांसप्लांट को शामिल करें। अंग प्राप्ति प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए संभावित ब्रेन-डेड डोनर्स की समय पर पहचान एवं त्वरित रेफरल प्रणाली को मजबूत करने की जरूरत है। इस दिशा में प्रदेश के शासकीय अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों के बीच बेहतर समन्वय के लिए एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने का सुझाव दिया। बैठक में प्रत्यारोपण सर्जरी में आधुनिक तकनीकों व रोबोटिक सर्जरी के विस्तार पर भी चर्चा हुई, जिससे उपचार की गुणवत्ता और सफलता दर में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

डिप्टी सीएम व एम्स के प्रतिनिधि।

## गेहूं खरीदी केंद्र पहुंचे सांसद को किसानों ने लौटाया

**नरसिंहपुर@ पत्रिका.** गाडरवारा तहसील के सालीचौका विनायक वेयर हाउस गेहूं खरीदी केंद्र का बुधवार को जायजा लेने पहुंचे सांसद दर्शन सिंह चौधरी को विरोध का सामना करना पड़ा। यहां किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। सांसद को समस्याएं सुनाईं और कुछ किसान संगठनों की अगुवाई में सांसद वापस जाओ के नारे भी लगे। सांसद ने किसानों से संवाद का प्रयास किया लेकिन शोर के बीच वे वहां से चले गए।

ब्रीफ न्यूज

## रादुविवि ने तकनीकी सहायकों के वेतन पर लगाई रोक

**जबलपुर@पत्रिका.** वित्त विभाग के सख्त निर्देशों के बाद रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने 17 तकनीकी सहायकों का वेतन रोक दिया है और अब उनसे करोड़ों रुपए की वसूली की तैयारी शुरू कर दी है। बताया जाता है मामला सिर्फ वेतन रोकने तक सीमित नहीं है। महालेखाकार ग्वालियर की जांच में करीब 6 करोड़ रुपए का अधिक भुगतान सामने आया है जिसे अब कर्मचारियों से वसूलने के आदेश दिए गए हैं। जानकारों का कहना है कि इस मामले को लेकर जब 2023 से ही आपत्तियां उठ रही थीं लेकिन उस समय विवि प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की और यह भुगतान चलता रहा। कुलसचिव कार्यालय ने वेतन रोककर रिकवरी शुरू कर दी।

## वेतन को लेकर विवि के खिलाफ किया प्रदर्शन

**जबलपुर@पत्रिका.** रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में तकनीकी कर्मचारियों का अप्रेल का वेतन रोके जाने पर बुधवार को माहौल गर्म हो गया। कर्मचारियों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कुलगुरु को ज्ञापन देने का प्रयास किया, लेकिन शाम तक मुलाकात न होने पर कर्मचारी नाराज हो गए और प्रशासनिक भवन के समक्ष नारेबाजी शुरू कर दी। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनके साथ मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न किया जा रहा है। रादुविवि कर्मचारी संघ अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि यदि जल्द वेतन जारी नहीं हुआ आंदोलन शुरू किया जाएगा।

## पेंशनर एसोसिएशन की आम सभा आज

**जबलपुर@पत्रिका.** जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय पेंशनर एसोसिएशन की साधारण सभा (आम सभा) का आयोजन 7 मई, गुरुवार को होगा। यह बैठक दोपहर 12 बजे से संचालनालय विस्तार सेवा के बैठक हाल में आयोजित की जाएगी। एसोसिएशन के महासचिव जीडब्ल्यू रत्नपारखी ने बताया कि आम सभा में बहुमत के आधार पर पेंशनर एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव सत्र 2026-2028 के लिए चुनाव प्रक्रिया तय की जाएगी। चुनाव अधिकारी की नियुक्ति भी की जाएगी।

## आगा चौक के गार्बेज स्टेशन का निरीक्षण

**जबलपुर@पत्रिका.** स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम लगातार शहर में स्वच्छता बनाने पर जोर दे रहा है। इसी क्रम में बुधवार को निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आगा चौक स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान फील्ड कर्मचारियों और सफाई मित्रों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। साथ ही गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पर कचरे के एकत्रीकरण और वैज्ञानिक निष्पादन की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने कचरा परिवहन वाहनों की मॉनिटरिंग के निर्देश देते हुए कहा कि शहर के किसी भी बिंदु पर कचरा जमा न रहे, जीरो वेस्ट की अवधारणा पर कार्य हो।

## प्रशासन ने रुकवाया नाबालिग का विवाह

**जबलपुर@पत्रिका.** जिले के शहपुरा विकासखंड की ग्राम पंचायत सिहोदा में 15 वर्षीय किशोरी का 13 मई को सहसन में होने वाला बाल विवाह प्रशासन की तत्परता से रुक गया। संयुक्त टीम की समझाइश के बाद परिजन ने विवाह रोकने पर सहमति दी। परियोजना अधिकारी सुरेंद्र सदाफल के साथ आंगनबाड़ी सुपरवाइजर अनीता शुक्ला, पंचायत सचिव, जीआरएस, आशा कार्यकर्ता व ग्राम कोटवार सहित अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे।

उन्होंने किशोरी के माता-पिता एवं परिजन को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी। टीम ने 18 वर्ष की उम्र पूरी होने के बाद ही विवाह करने की समझाइश दी।

## भंवरताल में शुरू हुआ स्वीमिंग पूल

**जबलपुर@पत्रिका.** भंवरताल उद्यान में बुधवार को लम्बे समय के बाद स्वीमिंग पूल का शुभारंभ हो गया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। इस स्वीमिंग पूल का संचालन नगर निगम करेगा।

महापौर ने बताया कि यह स्वीमिंग पूल प्रदेश में सबसे सस्ती दरों पर नागरिकों के लिए उपलब्ध रहेगा, जिससे हर वर्ग के लोग इसका भरपूर लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पूल में पानी की सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण मिल सके। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एमआईसी सदस्य, पार्षद और अपर आयुक्त वी.एन. बाजपेयी सहित कई लोग मौजूद थे।

### अभिभावकों में जानकारी का अभाव, स्कूलों ने सीटें लॉक करने में की देरी, दस्तावेज सत्यापन में परेशानी

# जिले में आरटीई की आरक्षित 746 सीटें रह गईं खाली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

**जबलपुर.** शिक्षा के अधिकार के तहत बच्चों को निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश दिलाने की योजना इस साल जिले में उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। सैकड़ों सीटें खाली रह गईं, जिससे पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विभाग ने अभिभावकों को जोड़ने के लिए विशेष प्रयास नहीं किए। अभिभावक भी जानकारी के अभाव और तकनीकी समस्याओं के चलते परेशान होते रहे। जिले में 700 से अधिक सीटों पर प्रवेश नहीं हो सका है। हालांकि विभाग दावा कर रहा है कि खाली सीटों को सत्र शुरू होने के पहले भर लिया जाएगा। जानकारों के अनुसार जिले में इस सत्र के लिए निजी स्कूलों में 3500 सीटें आरटीई के तहत रिजर्व की गई थीं।

प्रवेश की प्रक्रिया मार्च से शुरू की गई थी जो की करीब डेढ माह तक चली। इसके बावजूद प्रवेश का आंकड़ा 2754 पर जाकर सिमट गया। जिले में करीब 600 स्कूलों को आरटीई के दायरे में लाया गया था। आवेदन प्रक्रिया पहले 31 मार्च तक थी, जिसे बढ़ाकर 25 अप्रेल तक किया गया।

### सिस्टम की खामियां

आरटीई की प्रक्रिया में कई तकनीकी और प्रशासनिक खामियां भी सामने इस बार आई हैं। कई स्कूलों ने पोर्टल पर अपनी सीटों को समय पर लॉक नहीं किया। साथ ही बार-बार सर्वर डाउन रहने के कारण आवेदन प्रभावित हुए। विभाग से भी अभिभावकों को सही जानकारी नहीं मिल पाई। ग्रामीण और कमजोर वर्ग के अभिभावक तकनीकी प्रक्रिया से अंजान होने और समय पर जानकारी नहीं पहुंच पाने की वजह से भी सीटें खाली रह गईं।

> प्रवेश प्रक्रिया को लेकर अभिभावकों को लगातार जानकारी दी गई है। कई बार अभिभावक पसंद के स्कूल न मिलने के कारण भी दूरी बना लेते हैं। सीटें खाली रह गई हैं उन्हें भरने का प्रयास विभाग द्वारा किया जाएगा।
> **योगेश शर्मा,** जिला परियोजना समन्वयक

बिजनेस न्यूज

## मारुति ईको स्टार एडिशन का शुभ मोटर्स में हुआ अनावरण

**जबलपुर@पत्रिका.** शुभ मोटर प्राइवेट लिमिटेड, मारुति सुजुकी अरेना में नई मारुति ईको स्टार एडिशन का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में बेबी कुक्की परचानी और इंडियन बैंक के एजीएम जायसवाल ने गाड़ी से पर्दा उठाया। इस मौके पर शुभ मोटर के डायरेक्टर महेश केमतानी, आशीष केमतानी और स्पर्श केमतानी मौजूद थे। कंपनी के अनुसार, नई मारुति ईको स्टार एडिशन में सुरक्षा व सुंदरता पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके ब्लू और ग्रे कलर में आगे-पीछे के बंपर को गाड़ी के कलर से मैच किया गया है। फॉग लैम्प के साथ 18

अन्य एक्सेसरीज भी दी जा रही हैं। इस कार्यक्रम में सीजीएम सुयश जेठवा और जीएम अतुल शुक्ला ने उपस्थित गणमान्य नागरिकों व विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों का आभार जताया।

### अर्थदंड के लिए 187 किसानों के प्रकरण बनाए, गेहूं खरीदी के भुगतान से कटौती

# खेतों में धधक रही पराली की आग, अब तक सवा पांच सौ घटनाएं दर्ज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

**जबलपुर.** जिले में पराली जलाने की घटनाओं में कमी नहीं आ रही। अभी तक अलग-अलग ब्लॉक में 15 मार्च से लेकर पांच अप्रेल तक 525 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यह घटनाएं सेटेलाइट में दर्ज हो गई हैं। हर आठ से 10 खेतों के बाद आग और धुआं नजर आया। कृषि विभाग के मैदानी अमले ने पराली जलाने पर 187 किसानों पर कार्रवाई की तैयारी कर ली है। इस सम्बंध में पंचनाम बनाकर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। इस पर उन्हें अर्थदंड चुकाना पड़ेगा।

कृषि विभाग के तमाम प्रयासों के बाद भी पराली जलाने पर रोक नहीं लग पा रही। हालांकि, कई किसान तकनीक का इस्तेमाल करते हुए गेहूं के अवशिष्ट का अलग विधि से विनिष्टीकरण करने के साथ ही उसका कई कामों में उपयोग कर रहे हैं। कुछ किसान ऐसे भी हैं, जो बिना देरी किए उसमें आग लगा देते हैं। इससे भूमि की

उर्वरा शक्ति कमजोर हो रही है। दूसरी तरफ खड़ी फसलों में आग का खतरा बना रहता है। पिछले साल 545 घटनाएं सामने आई थीं।

### आंगन में राख के कण

गांव में खेतों में पराली जलाने के कारण पर्यावरण को भारी क्षति होती है। राख के कण अब घरों की छत और आंगन तक आ रहे हैं। शहर में ऐसे कई घर हैं, जहां यह कण आसानी से मिल जाते हैं। लोगों को रोजाना इन्हें साफ करना पड़ता है। जिन किसानों के प्रकरण तैयार किए जा रहे हैं, उन्हें अर्थदंड चुकाना होगा। यह राशि समर्थन मूल्य पर गेहूं की बिक्री के समय ली जाएगी। किसानों को जो भुगतान किया जाएगा, उसमें यह राशि कम कर दी जाती है। ऐसे प्रकरणों में एफआइआर दर्ज करने का प्रावधान तक है, लेकिन यह कार्रवाई नहीं की जाती।

> पराली जलाने से होने वाले नुकसान के सम्बंध में लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है। फिर भी घटनाएं सामने आ रही हैं। सेटेलाइट से उसकी मॉनिटरिंग हो रही है। अर्थदंड के लिए 187 पंचनामा बनाए गए हैं। इन्हें एसडीएम कोर्ट में प्रस्तुत किया जा रहा है।
> **रवि आम्रवंशी,** परियोजना सहायक संचालक, कृषि

| विकासखंड | घटनाएं |
| --- | --- |
| मझौली | 162 |
| सिहोरा | 101 |
| जबलपुर | 80 |
| पाटन | 70 |
| पनागर | 50 |
| शहपुरा | 41 |
| कुंडम | 17 |
| आधारताल | 02 |
| रांझी | 01 |
| गोरखपुर | 01 |

(आंकडे अप्रैल तक के हैं)

## हेलमेट न पहनने वालों पर सख्ती

**जबलपुर.** सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों के प्रति जनता को जागरूक करने के लिए जबलपुर पुलिस 26 अप्रेल से 10 मई तक जागरुकता अभियान चला रही है। एसपी सम्पत उपाध्याय, एएसपी ट्रेफिक अंजना तिवारी के निर्देशन में यातायात पुलिस की टीमें अभियान के तहत पीओएस मशीन के जरिए चालानी कार्रवाई कर रही हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन के लिए परिवहन विभाग को भेजे जा रहे हैं। जागरूकता कार्यशालाएं हो रही हैं। लाइफ लाइन ग्लोबल फाउंडेशन में थाना प्रभारी शशि धुर्वे ने 300 छात्राओं को नियमों व महिला सुरक्षा हेल्पलाइन की जानकारी दी।

## अमर शहीद मेले में शीश महल और भूलभुलैया का रोमांच

**जबलपुर@पत्रिका.** गोलबाजार स्थित अमर शहीद स्मृति मेले में पहली बार शीश महल भूलभुलैया का अनुभव मिल रहा है। इस अनोखी भूलभुलैया में प्रवेश करते ही अनेक प्रतिबिंब दिखाई देते हैं, जिससे आगे बढ़ने पर गिरने का भ्रम होता है। जबकि, व्यक्ति अपने स्थान पर ही खड़ा रहता है। आयोजकों ने बताया कि मेले में एक और खास आकर्षण मूल हेलीकॉप्टर के साथ सेल्फी लेने का मौका है। बच्चे, युवक और बुजुर्ग सभी हेलीकॉप्टर के साथ तस्वीरें लेने को उत्सुक दिख रहे हैं। लोगों को पहली बार इतने करीब से असली हेलीकॉप्टर देखने का मौका मिला है। आयोजन समिति ने नगरवासियों से इसका लाभ उठाने की बात कही।

# विकास कार्य के लिए पार्षद मद रिलीज करें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

**जबलपुर.** शहर के वार्डों में सड़क, नाली समेत अन्य विकास कार्यों को गति देने के लिए पार्षदों को वित्तीय वर्ष 2026-27 के पार्षद मद की राशि 90 लाख रुपए जल्द रिलीज की जाए। महापौर, निगम अध्यक्ष व निगमायुक्त को पत्र लिखकर नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने ये मांग की है। उन्होंने कहा कि सालभर बाद नगर निगम के चुनाव हैं, ऐसे में जरूरी है कि पार्षद रिलीज की जाए, जिससे विकास के काम हो सकें।

**फ्लाईओवर के ऊपर के हिस्से में करें सुरक्षा उपाय**-मदन महल-दमोहनाका फ्लाईओवर के ऊपर के हिस्से में सुरक्षा के आवश्यक उपाय किए जाएं। कांग्रेस पार्षदों ने ये मांग की है। वे अपनी मांग को लेकर गुरुवार को लेकर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री शिवेंद्र सिंह से मिलेंगे। नेता प्रतिपक्ष अमरीश ने बताया कि प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओवर को चालू हुए अभी सालभर भी नहीं हुआ और मदन महल के पास के हिस्से में कॉन्क्रीट मटेरियल नीचे गिर गया। इससे कुछ लोग बाल-बाल बचे। फ्लाईओवर के उपर के हिस्से में सुरक्षा के उपाय भी नहीं किए गए हैं। फ्लाईओवर से एक घर में पेट्रोल बम फेंकने की घटना भी हो चुकी है।

## किस कानूनी प्रावधान के तहत दुकान को किया गया सील?

**जबलपुर@पत्रिका.** हाईकोर्ट ने आबकारी सहायक आयुक्त संजीव कुमार दुबे एवं जबलपुर एसपी से पूछा है कि किस कानूनी प्रावधान के तहत कछपुरा ब्रिज के सामने, स्नेह नगर स्थित दुकान को सील कर दिया गया? जस्टिस दीपक खोत की सिंगल बेंच ने दोनों अधिकारियों को हलफनामे पर जवाब पेश करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि दुकान तत्काल खोलें। अगली सुनवाई 11 मई को होगी।

जबलपुर निवासी विवेक त्रिपाठी की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने बताया कि एक शिकायत पर स्थानीय पुलिस की मदद से आबकारी अधिकारियों ने याचिकाकर्ता की दुकान सील कर दी। कार्रवाई के पहले नोटिस नहीं दिया गया। याचिकाकर्ता ने इस सम्बंध में सीसीटीवी फुटेज पेश किए। कोर्ट के निर्देश पर आबकारी उप-निरीक्षक रवि शंकर मरावी ने उपस्थित होकर बताया कि सहायक आयुक्त आबकारी के मौखिक आदेश पर सीलिंग की कार्रवाई की गई।

कोर्ट के पूछने पर शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि आबकारी अधिनियम या बीएनएसएस के अंतर्गत परिसर सील करने का कोई प्रावधान नहीं है। बताया गया कि आबकारी अधिकारियों को सूचना मिली थी कि दुकान एक शराब लाइसेंसी को दी जा रही है, इसलिए कानून-व्यवस्था भंग होने की आशंका के कारण दुकान को सील कर दिया गया। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए उक्त अधिकारियों को शपथ पत्र पर जवाब पेश करने के निर्देश दिए।

### शोध गतिविधियां बढ़ाने के दिए गए निर्देश

# पशु चिकित्सा महाविद्यालय का निरीक्षण, सुविधाएं जांची

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

**जबलपुर.** वेटरनरी काउंसिल ऑफ इंडिया (वीसीआई) के उपाध्यक्ष डॉ. संदीप इंगले ने बुधवार को पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, आधारभूत संरचना और विभिन्न सुविधाओं का वीसीआई के निर्धारित मानकों के अनुरूप मूल्यांकन किया गया।

### विभिन्न विभागों का किया निरीक्षण

डॉ. इंगले ने निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक विभागों, शिक्षण फार्म, पशु चिकित्सा क्लिनिक, प्रयोगशालाओं,

पुस्तकालय, छात्रावास, एनसीसी इकाई और सभागार का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।उन्होंने विभागाध्यक्षों और संकाय सदस्यों के साथ चर्चा कर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कक्षाओं का नियमित संचालन और पाठ्यक्रम अकादमिक कैलेंडर के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान डॉ. इंगले ने शिक्षण पशु फार्म और पशु चिकित्सा क्लिनिक की कार्यप्रणाली तथा उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने कुलपति प्रो. मनदीप शर्मा के साथ संस्थान में संचालित गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की।

### शैक्षणिक गतिविधियों की दी जानकारी

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. राखी वैश्य ने उपाध्यक्ष को विभिन्न विभागों में संचालित शैक्षणिक और व्यावहारिक गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं कुलसचिव डॉ. एसएस तोमर ने बताया कि वीसीआई के मापदंडों की पूर्ति के लिए आवश्यक प्रस्ताव परिषद को भेजे जा चुके हैं। इस अवसर पर डॉ. मधु स्वामी, डॉ. अपरा शाही, डॉ. डीके गुप्ता, डॉ. देवेंद्र पोढाडे, डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. आकांक्षा सिंह सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

## चौकी में सो रहे होमगार्ड सैनिक का वीडियो वायरल, लाइन हाजिर

**जबलपुर @ पत्रिका.** गौरीघाट में होमगार्ड सैनिक की अनुशासनहीनता का मामला सामने आया है। ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने पर उसे लाइन हाजिर कर दिया गया है। गौरीघाट में नर्मदा तटों पर सुरक्षा और श्रद्धालुओं की निगरानी के लिए तैनात होमगार्ड सैनिक छित्तूराम का एक वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें वह वर्दी उतारकर चौकी के अंदर आराम करता नजर आ रहा था। स्थानीय लोगों की शिकायत और वीडियो के आधार पर यह भी आरोप लगा है कि वह ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में था। वीडियो गौरीघाट का होने पर मामले की प्राथमिक जांच करते हुए छित्तूराम को लाइनहाजिर किया गया।

# खरीदी में आ रही अड़चनें, सिंचाई के लिए भी किसान हो रहे परेशान, समस्या दूर करने मांग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

**जबलपुर.** समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया गया कि किसान बाजार अव्यवस्था, समर्थन मूल्य खरीदी में अड़चनें, सिंचाई-बिजली अनियमितता, खाद-बीज कमी और राजस्व प्रक्रियाओं की जटिलता से जूझ रहे हैं। ज्ञापन में कृषि उपज मंडी में किसानों से दुर्व्यवहार करने वाले व्यापारी का लाइसेंस निरस्त करने, गेहूं खरीदी में स्लॉट बुकिंग, बिलिंग,

फिंगरप्रिंट, तुलाई और भुगतान संबंधी समस्याओं को जल्द दूर करने की भी मांग की गई। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष रोहित यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

### पांच कॉलेजों के 20 पदों के लिए चली चयन प्रक्रिया

# कॉलेजों में टीचिंग एसोसिएट भर्ती के लिए इंटरव्यू आयोजित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

**जबलपुर.** वेटरनरी डिप्लोमा कॉलेजों में टीचिंग एसोसिएट पदों पर भर्ती के लिए बुधवार को वेटरनरी विश्वविद्यालय में साक्षात्कार प्रक्रिया आयोजित की गई। जिसमें मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

पांच कॉलेजों के लिए हो रही भर्ती भर्ती प्रक्रिया जबलपुर, रीवा, भोपाल, मुरैना और महू स्थित वेटरनरी डिप्लोमा कॉलेजों के लिए आयोजित की गई। इन कॉलेजों में कुल 20 पदों पर नियुक्ति की जानी है। सीधे साक्षात्कार के माध्यम से हो रही इस चयन प्रक्रिया में करीब 50 उम्मीदवार शामिल हुए। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार भर्ती प्रक्रिया में मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों ने भी अपनी दावेदारी पेश की। पूरी भर्ती प्रक्रिया की निगरानी कुलपति की अध्यक्षता में गठित सात सदस्यीय समिति द्वारा की जा रही है।

## मॉक ड्रिल : भिटौनी में रेल हादसे की सूचना मिलने से मचा हड़कम्प

**जबलपुर.** मुख्य रेलवे स्टेशन पर बुधवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक खतरे के सायरन बजने लगे। लगातार गूंजती सायरन की आवाज सुनकर रेलवे कर्मचारियों, अधिकारियों और यात्रियों में दहशत फैल गई। कुछ देर के लिए लोगों को किसी बड़े रेल हादसे की आशंका सताने लगी।

**सायरन बजते ही सक्रिय हुआ रेलवे प्रशासन**-जानकारी के अनुसार शाम करीब 5:05 बजे स्टेशन पर खतरे का सायरन रुक-रुक कर पांच बार बजा। इसी दौरान रेलवे अधिकारियों को सूचना मिली कि भिटौनी के पास डिपो साइडिंग क्षेत्र में एक टैंक वैगन में आग लग गई है। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन हरकत में आ गया। रेल सुरक्षा बल, रेल पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम तत्काल भिटौनी साइडिंग स्थित इंडियन ऑयल डिपो के लिए रवाना की गई।

जबलपुर रेलवे स्टेशन से दुर्घटना राहत ट्रेन को भी तुरंत तैयार कर मौके के लिए रवाना किया गया। इसके साथ ही चिकित्सा टीम और अन्य आपातकालीन स्टाफ को भी घटनास्थल के लिए भेजा गया।रेलवे स्टेशन पर बढ़ी गतिविधियों को देखकर यात्रियों और आम लोगों में चिंता का माहौल बन गया था। रेलवे की टीमें मौके पर पहुंचीं तो पता चला कि यह मॉकड्रिल थी।

### कार्रवाई | पाशियाना में अवैध केबल हटाने पहुंची टीम को लोगों ने घेरा, तनावपूर्ण स्थिति निर्मित

# घर में घुसने नहीं दिया, खम्भे से काटनी पड़ी लाइन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

**जबलपुर.** पाशियाना क्षेत्र में बुधवार को बिजली कंपनी के अधिकारियों को अवैध बिजली लाइन अतिक्रमण की जांच करने से रोका गया। लोगों ने टीम को घर के अंदर नहीं जाने दिया, जिससे क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बन गई।

बताया गया कि एक परिवार ने एलटी लाइन केबल को दीवार के अंदर दबाकर अवैध रूप से कमरे का निर्माण कर लिया था, जिससे आसपास के घरों के लिए खतरा था। विभाग ने कई बार नोटिस जारी किए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बुधवार को बिजली विभाग का अमला नगर निगम की टीम के साथ पहुंचा। स्थिति तनावपूर्ण होती देख कार्यपालन अभियंता अभिषेक विश्वकर्मा (कार्यवाही के संयोजक) के निर्देश पर एलटी लाइन की मुख्य केबल को खम्भे से काट दिया गया। यह घटना मुख्य अभियंता एसके गिरिया के निर्देश पर शहर में चलाए जा रहे सघन जांच अभियान का हिस्सा है। अधीक्षण अभियंता संजय अरोरा के नेतृत्व में 35 टीमों ने शहर भर में ट्रांसफार्मरों, विद्युत लाइनों और खंभों के पास असुरक्षित दूरी तक किए गए अतिक्रमणों की जांच की। इस अभियान में नगर निगम की 4 अतिक्रमण विरोधी टीमें भी शामिल हैं। ललपुर क्षेत्र में लगे हुए विद्युत पोल से सटाकर बनाए गए मकान से करंट की आशंका को देखते हुए नगर निगम दस्ते ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। संबंधित व्यक्ति ने 4 दिन की मोहलत मांगी, जिसे बिजली कंपनी ने इस चेतावनी के साथ दिया कि किसी भी घटना की जिम्मेदारी स्वयं व्यक्ति की होगी। अधीक्षण अभियंता संजय अरोरा ने कहा कि सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जल्द ही प्रशासन की मदद से दोबारा कार्रवाई कर अतिक्रमण पूरी तरह हटाया जाएगा। उन्होंने लोगों को ऐसे अनाधिकृत निर्माण स्वयं हटाने की चेतावनी भी दी।

प्रार्थना सभा

श्रीमती ऊषा देवी पोरवाल

वाराणसी निवासी, मातृश्री श्रीमती ऊषा देवी पोरवाल, वर्ष 78 का निधन 05.05.2026 को जबलपुर में हुआ, जिनकी प्रार्थना सभा 07.05.2026 को श्री गुजराती मंडल, मढ़ाताल में शाम 5 से 5 :30 रखी गई है।

शोकाकुल परिवार : श्रीमती नीलिमा सेठ (पुत्री), नीरज कुमार पोरवाल (पुत्र)

संपर्क नंबर : 97138 10436 साउथ सिविल लाईन, जी. एस. कॉलेज के सामने, जबलपुर

पेज@सिनेवेब

ट्रेंड नहीं, मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस: सई मांजरेकर

**क्रिएटिविटी:** गवर्नमेंट होमसाइंस कॉलेज में स्टूडेंट्स ने दिखाया इनोवेशन

# रेजिस्ट प्रिंटिंग से तैयार किए साड़ी व सूट

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

**जबलपुर.** गवर्नमेंट होमसाइंस कॉलेज में वस्त्र एवं तंतु विज्ञान विभाग की एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं ने साड़ी पर रेजिस्ट प्रिंटिंग कर क्रिएटिविटी दिखाई। गतिविधि का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को वस्त्र सज्जा की पारंपरिक एवं आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था। प्रक्रिया में सबसे पहले सफेद कपड़े को चयनित डिजाइन के अनुसार तैयार किया गया। जिन भागों को सफेद रखना था, उन्हें धागे की सहायता से विभिन्न आकृतियों में बांधकर टाई किया गया। इसके पश्चात साड़ी को रंग में डुबोकर रंगाई की गई। रंगाई पूर्ण होने के बाद बंधे हुए धागों को खोल दिया गया, जिससे उन भागों पर रंग नहीं चढ़ा और शेष भागों पर आकर्षक रंग दिखाई दिया। इस प्रकार अवरोधक छपाई तकनीक के माध्यम से साड़ी पर सुंदर एवं विविध प्रकार के नमूने तैयार किए गए।

## स्क्रीन प्रिंटिंग के दिखाए नमूने

इसके अतिरिक्त स्टूडेंट्स ने स्क्रीन प्रिंटिंग, स्टैंसिल प्रिंटिंग तथा ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीकों का उपयोग कर बेडशीट्स को भी आकर्षक डिजाइन से सजाया। इसके साथ ही बंधेज शैली में दुपट्टों का निर्माण कार्य किया। निकिता दीवान, ऋषिता जैन, शुभि पटेल ने इस कला में नवाचार दिखाया। आयोजन में प्राचार्य डॉ. समीर कुमार शुक्ल, विभागाध्यक्ष डॉ. भावना शर्मा, मंजु बरखाने, डॉ. रीना भैरम, डॉ. रचना अग्रवाल का सहयोग रहा।

**एनसीसी कैम्प:** 2एमपी गर्ल्स बटालियन का एनुअल ट्रेनिंग कैम्प

# 'एक दुश्मन-एक गोली' का लक्ष्य बनाकर साध रहे निशाना

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

**जबलपुर.** सेना की तर्ज पर एनसीसी कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वे जहां कैम्प में अनुशासन का पाठ सीख रहे हैं, वहीं खुद को फिजिकल तौर पर अग्निवीर और अन्य योजनाओं से जुड़ने के लिए तैयार कर रहे हैं। 2एमपी गर्ल्स बटालियन का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर संचालित किया जा रहा है। बुधवार को कैम्प कमाण्डेंट कर्नल दिनेश कुमार जायसवाल के निर्देशन में कैडेट्स ने पीटी, परेड से दिन की शुरुआत की। इसके साथ ही फायरिंग का प्रशिक्षण भी दिया गया।

## कड़ी धूप में नहीं कम हुआ उत्साह

कैम्प के दौरान कडी धूप भी कैडेट्स का उत्साह कम नहीं हुआ। कैडेटो ने परेड, मेप रीडिंग, एवं अन्य सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। कैडेट्स को चार कम्पनी में बांटा गया। उनके बीच खेलकूद, चित्रकला, वाद-विवाद और स्लोगन कॉम्पीटिशन हुआ। प्रतियोगिता में विजेताओं को शिविर समापन में पुरस्कृत किया जाएगा। शाम को चारों कम्पनियों के बीच रस्साकसी की प्रतियोगिता हुई। कैम्प में डिप्टी कैम्प कमांडेट मेजर कनकलता चौरे, जीसीआई प्रिया मसीह, पुष्पलता ठाकुर, सुबेदार मेजर मेध सिंह एवं अन्य मौजूद थे।

**पत्रिका पक्षी मित्र अभियान**

# पक्षी मित्र बनने का बढ़ रहा सफर

बेलखाडू स्वास्थ्य केंद परिसर में पक्षियों को पानी के लिए सकोरे बांधे गए। इस मौके पर डॉ. पीयूष द्विवेदी, डॉ. निशमा सिद्दीकी, इन्द्र सिंह राजपूत, अजय चौबे, राकेश वर्मा, शिखा शुक्ला, प्रेमलता पटेल, वर्षा कुर्मी, राधा ठाकुर, पूजा सेन, नीलम विश्वकर्मा, मुकेश रजक मौजूद थे।

पत्रिका पक्षी मित्र अभियान

**जबलपुर.** पत्रिका का पक्षी मित्र अभियान लोगों को सरोकार की दिशा दे रहा है। शहरवासियों का कहना है कि परिंदों के लिए सोचना सभी का कर्तव्य होना चाहिए, ताकि उन्हें भीषण गर्मी में राहत का मिल सके। इसी बात को ध्यान में रखकर हर वर्ष पक्षी मित्र अभियान चलाया जाता है। अभियान से जुड़कर बुधवार को भी लोगों ने सकोरे लगाए।

महक-शिवांश चुनरकर

कौशिक, कृतिका, अमय, आद्या नामदेव

वेद सैन

अंशिका ठाकुर

माही पटेल

तेजस्वनी चौहान

एंजिल साहू

## आप भी जुड़ें इस सरोकार से

पत्रिका के इस सालाना अभियान से आप भी जुड़कर परिंदों के लिए मिट्टी के सकोरे में पानी भरकर रख सकते हैं। इस अभियान का हिस्सा बनने के लिए आपको अपने आसपास के क्षेत्र में सकोरे लगाकर उसमें पानी की व्यवस्था करनी है। वहीं अपनी तस्वीर, नाम और क्षेत्र **9329892776** नंबर पर वॉट्सएप करना है।

**कॉलेज कॉर्नर:** डिग्री कॉलेजों में चल रहा एडमिशन, समय की मांग के अनुसार बदली कोर्स की डिमांड

# एडमिशन में कन्फ्यूजन को मिल रही काउंसलिंग की राह, स्ट्रीम वाइज स्टूडेंट्स समझ रहे कॅरियर स्कोप

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

**जबलपुर.** डिग्री कॉलेजों में मिशन एडमिशन की दौड़ शुरू हो चुकी है। रेस में शामिल होने वाले कई युवाओं में अभी को टार्गेट को लेकर भटकाव है, वहीं कॅरियर के गोल भी सेट नहीं है। वे ऐसी पढ़ाई चाहते हैं, जिसमें कॉलेज कम्पलीट होते-होते जॉब उनके हाथ में हो। ऐसे में सही विषय और कोर्स की जानकारी के लिए वे काउंसलिंग की राह चुन रहे हैं। इसमें उनकी मदद ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में मिलने वाली काउंसलिंग कर रही है।

**40 काउंसलर की टीम है गठित:** संभाग स्तरीय सेंटर का संचालन स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाइडेंस योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। इसमें 40 काउंसलर्स की टीम गठित की गई है। सेंटर में आने वाले युवाओं में सबसे ज्यादा विषय चयन और कॅरियर अवसर से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं, वहीं काउंसलर्स युवाओं की मानसिक समस्याओं और तनाव करे कम करने का प्रबंधन भी सिखा रहे हैं।

**कन्फ्यूजन हो रहा दूर:** संभाग स्तर पर की गई शुरुआत में युवाओं को प्रवेश संबंधित जानकारी दी जा रही है। रोजाना सेंटर में दस से अधिक और ऑनलाइन माध्यम से तकरीबन तीस से अधिक युवा कॅरियर मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे हैं।

## काउंसलिंग में ऐसे सवाल

**Q मैंने कॉमर्स से पढ़ाई की है, लेकिन अब मैं आर्ट्स में जुड़ना चाहती हूं। बदलाव करने से क्या परेशानियां होंगी।**

A कॉलेज स्तर पर विषय बदलने में दिक्कत नहीं है, लेकिन पढ़ाई के दौरान बेसिक समझने में दिक्कत हो सकती है। मेहनत से पढ़ाई हो तो कॉन्सेप्ट क्लीयर हो जाएंगे।

**Q कौशल शिक्षा का दौर है। कौन से स्किल कोर्स कर सकते हैं। नई शिक्षा नीति के बाद यह फायदा मिल रहा है।**

A न्यू एजुकेशन पॉलिसी के बाद स्किल कोर्स की डिमांड खास हो चुकी है। आर्ट एंड क्रॉफ्ट, फैब्रिक आर्ट एंड पेंटिंग वर्क के कोर्स भी डिग्री के साथ किए जा सकते हैं।

**Q विषय चयन को लेकर कन्फ्यूज हूं। इलेक्टिव और वोकेशनल सब्जेक्ट के कैसे चुनाव बेहतर रहेंगे?**

A माइनर और मेजर सब्जेक्ट को स्वयं के इंटरेस्ट के अनुसार चुनें, वहीं इलेक्टिव में एनसीसी, एनएसएस, स्टार्टअप, एंटरप्रिन्योरशिप से जुड़े कोर्स कर सकते हैं।

## इस तरह करें प्लानिंग

**साइंस स्ट्रीम:** बीएससी कंप्यूटर साइंस, बीटेक और बीएससी में एआइ और मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा, बायोटेक्नोलॉजी, जेनेटिक इंजीनियरिंग।

**कॉमर्स स्ट्रीम:** पारंपरिक बीकॉम के अलावा स्पेशलाइज्ड प्रोग्राम्स जैसे ऑनर और डेटा एनालिसिस्ट, फाइनेंस, बीबीए, फाइनेंस और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, डिजिटल मार्केटिंग।

**आर्ट्स और ह्यूमैनिटीज:** आर्ट्स के छात्र अब केवल सिविल सर्विसेज ही नहीं, बल्कि बीए मनोविज्ञान, डेटा एनालिटिक्स, जनसंचार और पत्रकारिता, कॉर्पोरेट और साइबर लॉ।

## सहायता केंद्र का किया निरीक्षण

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस महाकोशल में बनाए गए प्रवेश सहायता केन्द्र का निरीक्षण अतिरिक्त संचालक डॉ. पंजाबराव चंदेलकर ने किया। उन्होंने केन्द्र में पंजीयन के लिए कम्प्यूटर, इंटरनेट एवं कम्प्यूटर ऑपरेटिंग की व्यवस्था देखी। प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, कॉलेज चलो अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि कॉलेज में दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक मोबाइल एवं ईमेल के जरिए नि:शुल्क काउंसलिंग की जा रही है। आयोजन में डॉ. अजय गुप्ता ओएसडी, प्रवेश समन्वयक डॉ. रामेश्वर झारिया, डॉ. शैलेन्द्र भवदीया, डॉ. नीलिमा मौजूद रहीं।

## ये जुटा रहे जानकारी

- प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरण
- मेजर, माइनर, ओपन, इलेक्टिव और वोकेशनल कोर्स का विस्तार
- विषय को लेकर योग्यता और चयन
- स्किल कोर्सेज की उपयोगिता

## इनकी रहेगी टॉप डिमांड

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग
- डेटा साइंस और एनालिटिक्स
- डिजिटल मार्केटिंग
- साइबर सिक्योरिटी
- एप डिजाइनिंग

# साहित्य से समाज को मिलती दिशा

**जबलपुर.** मिलन संस्था के तत्वावधान में संकल्प सभा आयोजित की गई। इस दौरान साहित्य और समाज को नई दिशा देने के लिए रचनाकारों के योगदान पर चर्चा की गई। इस दौरान में यह निर्णय लिया गया कि हर वर्ष विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मोहनशशि की स्मृति में हीरक जयंती मनाई जाएगी।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि हीरक जयंती के अवसर पर 75 कार्यक्रम होंगे। सितंबर माह में बड़ा आयोजन होगा[र जिसमें मोहनशशि के जीवन पर आधारित मैग्जीन और मिलन की 75 वर्ष की यात्रा का समावेश होगा।

सभा में प्रमुख संरक्षक आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे, वरिष्ठ हास्य कलाकार केके नायकर, इरफान झांस्वी, जगदीश पटेल, एड. ईश्वर सिंह ठाकुर, हास्य कलाकार बलराम वर्मा, मृगेन्द्र नारायण, डॉ. गीता गीत, डॉ. शोभा सिंह, राकेश खम्परिया, रीता दास, काजल मानेक, मौसमी चौधरी, सन्नी शर्मा, अज्ञेय शशि, अमिय शशि, चितवन शशि, रीता शशि, चितवन शशि मौजूद रहीं।

# स्टूडेंट्स तैयार कर रहे एथनिक वियर

**जबलपुर.** रानी दुर्गावती विवि के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान में खादी के वस्त्र, एथनिक वियर, रीसाइक्लिग के अंतर्गत सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू हुआ। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की कला सिखाई जा रही है। संस्थान निदेशक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, संयोजक डॉ. अजय मिश्रा ने बताया कि पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। प्रशिक्षण फैकल्टी जोफिशा मंसब अंसारी, डॉ. सोनिका सिंह दे रहीं हैं।

# कैम्प में सीखा हुनर, लगाई एग्जीबिशन

**जबलपुर.** श्री विद्यासागर संस्कार वाटिका शिवनगर में तीन दिवसीय आर्ट वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक सुरभि जैन ने बताया कि कैम्प में बच्चों को टाई एंड डाई, लोटस पोंड आर्ट, टिक-टैंक-टो गेम बनाना सिखाया गया। कार्यशाला में बताई जा रही नई तकनीक को बच्चे भी बेहद उत्साह से सीखा। कार्यशाला के समापन में प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें प्रतिभागियों की तैयार की गई सुंदर कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया। उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। आयोजन में संचालिका सारिका जैन, रितु दीदी, पल्लवी जैन, पारुल जैन, एवं विभा जैन का भी विशेष योगदान रहा। सुरभि ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों में इस प्रकार की कार्यशालाओं के माध्यम से बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रहकर अपनी कला का प्रदर्शन करने का एक बेहतरीन अवसर मिला।

**सिटी कलाकार:** आइपीएस अधिकारी की फिल्म 'द नर्मदा स्टोरी' का पोस्टर कर रहा ट्रेंड

# वर्दी में कर्तव्य, कैमरे पर संदेश: महिला सुरक्षा की कहानी में प्रभावशाली अभिनय

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

**जबलपुर.** कई दिग्गज कलाकारों और मशहूर निर्देशक के साथ आने वाली फिल्म द नर्मदा स्टोरी का पोस्टर इन दिनों ट्रेंड कर रहा है। मूवी भी इस माह रीलिज होने वाली है। फिल्म में कलाकार मुकेश तिवारी जगीरा, रघुवीर यादव, शरद सिंह, अंजली पाटिल, इश्तेहाक खान भी हैं। फिल्म में मुख्य किरदार आइपीएस सिमाला का है, जिन्होंने पुलिस अफसर नर्मदा रैकवार का किरदार निभाया है। फिल्म आदिवासी महिला की बेटी से जुड़ी है, जो सत्यघटना पर आधारित है। पैशन और प्रोफेशन को बरकरार रखते हुए बहुत कम लोग होते हैं, जो दुनिया में अपनी पहचान बना पाते हैं। अदाकारी में ऐसा ही नाम आइपीएस सिमाला प्रसाद का भी है।

## एक्टिंग ने पहचान बना चुकी हैं आइपीएस

इंटरनेशनल अवॉर्ड सर्कल में काफी सराही गई साल 2017 में आई फिल्म अलिफ में सिमाला प्रसाद रोल निभा चुकी हैं। साल 2010 में बिना किसी कोचिंग के यूपीएससी पास करने के बाद बचपन के सपने एक्टिंग को जारी रखा। द नर्मदा स्टोरी में भी अभिनय को संवेदनशीलता से निभाया है।

## फिल्मी सफर का नया पड़ाव होगा

आइपीएस के अनुसार द नर्मदा स्टोरी उनकी फिल्मी सफर का नया पड़ाव होगा। यह फिल्म सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि समाज के उन अंधेरे कोनों में उतरने की कोशिश है जहां अक्सर देखने से बचते हैं। इस फिल्म में मप्र से कलाकार मुकेश तिवारी व शरद सिंह भी हैं। यह फिल्म उन लड़कियों की कहानी कहती है, जो अचानक गायब हो जाती हैं। उनकी किताब शी गॉस मिसिंग भी इसी सोच से जुड़ी है। उनका मानना है कि उनके लिए वर्दी और अभिनय दो अलग-अलग रास्ते नहीं, बल्कि एक ही मकसद की ओर जाने वाले दो माध्यम हैं, जिससे समाज को जागरुक किया जा सकता है।


South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

| | |
|---|---|
| KRISHNAVATARAM PART 1 (HINDI) | 09:50 PM |
| RAJA SHIVAJI (HINDI) | RUBY 10:15 AM<br>11:30 AM, 3:00 PM, 6:30 PM & 9:45 PM |
| EK DIN (HINDI) | RUBY 1:40 PM & 4:00 PM |
| THE DEVIL WEARS PRADA 2 (ENG) | RUBY 8:00 PM |
| MICHAEL (ENG) | RUBY 10:00 AM, 3:00 PM, 5:25 PM & 10:20 PM |
| BHOOTH BANGLA (HINDI) | 9:20 AM, 12:30 PM, 3:45 PM, 7:00 PM & 10:15 PM<br>RUBY 6:20 PM & 9:15 PM |
| LEE CRONIN'S THE MUMMY (HINDI) | RUBY 12:30 PM \| 10:45 AM |
| DHURANDHAR THE REVENGE (HINDI) | 1:30 PM & 5:45 PM |

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC NOW WITH 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

# हेयरकट से लौटा रहीं कैंसर पेशेंट्स की मुस्कान

नमिशा गांधी (बीच में) अपने साथियों के साथ

पत्रिका विजया सैनी
patrika.com

*कैंसर से जूझ रहे मरीजों के लिए लड़ाई शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक और भावनात्मक भी होती है। खासतौर पर कीमोथैरेपी के दौरान जब उनके बाल झड़ने लगते हैं। वे अपनी पहचान और आत्मविश्वास खोने लगते हैं। ऐसे कठिन समय में अपने बाल दान करने के एक छोटे से प्रयास से इन मरीजों के चेहरे पर खुशी ला रही हैं गुजरात की कुछ महिलाएं। नमिशा गांधी ने एडलाइफ फाउंडेशन के जरिए वर्ष 2016 में कैंसर पीड़ितों के लिए काम करना शुरू किया। मरीजों के बाल खोने के दर्द को समझते हुए वर्ष 2017 में उन्होंने 'इवन अ कट कैन हील' पहल शुरू की। जिसमें कैंसर पीड़ितों के लिए आप अपने बाल दान कर सकते हैं।*

## बढ़ा रहे हैं मरीजों का हौसला

उनके साथ आज 250 से अधिक रजिस्टर्ड हेयर डोनर जुड़ चुके हैं। वे बताती हैं कि अपने बाल दान करने वालों में चार वर्ष की बच्ची से लेकर 60 वर्ष तक की महिलाएं भी शामिल हैं। इनमें से किसी ने अपनी दादी और मां की तकलीफ को देखकर तो किसी ने अपने चाचा की याद में बाल दान किए। किसी ने टीचर की हिम्मत बढ़ाने तो किसी ने मरीजों के चेहरे पर खुशी लाने के लिए बाल दान किए हैं। कैंसर की जंग जीत चुके कई मरीज इस अभियान से जुड़कर दूसरों को प्रेरित कर रहे हैं।

## फूड रेसिपी के लिए भी देते हैं मार्गदर्शन

वे बताती हैं कि हेयर डोनेट करने के लिए डोनर को कुछ नियमों का पालन करते हुए रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है। साथ ही संस्था की ओर से मरीजों के खाने-पीने की परेशानी को हल करने के लिए केयरगिवर्स को ईट-टू-बीट कैंसर पहल से पेशेंट की स्थिति के अनुसार फूड रेसिपी के लिए गाइडलाइन देते हैं। इस बीमारी के कठिन शब्दों को समझने के लिए स्तन कैंसर और कैंसर शब्दकोष पर पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

किचन हैक्स

# स्वाद ही नहीं ठंडक भी देंगी हेल्दी और स्वादिष्ट चटनियां

*गर्मी के मौसम में आपने पुदीना, धनिया और टमाटर की चटनी तो कई बार खाई होगी, लेकिन क्या कभी ककड़ी, खीरा और लौकी की चटनी ट्राई की हैं? ये चटनियां न सिर्फ स्वादिष्ट होती हैं बल्कि शरीर को ठंडक भी प्रदान करती हैं।*

### ककड़ी की ठंडी चटनी

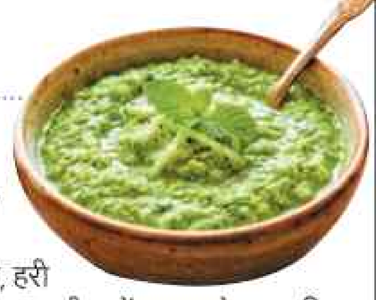

**सामग्री:** 1 कप कद्दूकस की हुई ककड़ी, 1/2 कप दही, 1 हरी मिर्च, 1 चम्मच भुना जीरा, नमक स्वादानुसार, थोड़ा हरा धनिया
**विधि:** ककड़ी को हल्का निचोड़ लें ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए। अब इसे दही, हरी मिर्च, जीरा और नमक के साथ मिक्सी में हल्का पीस लें। ऊपर से हरा धनिया डालकर सर्व करें। यह चटनी रायते जैसी ठंडी और स्वादिष्ट लगती है।

### खीरे की ताजगीभरी चटनी

**सामग्री:** 1 बड़ा खीरा (छिला हुआ), 2 चम्मच पुदीना पत्ते, 1 हरी मिर्च, 1 चम्मच नींबू रस, नमक, थोड़ा सा काला नमक
**विधि:** खीरे को टुकड़ों में काटें और पुदीना, मिर्च के साथ पीस लें। इसमें नींबू का रस और नमक मिलाएं। ठंडी-ठंडी चटनी स्नैक्स के साथ खाएं।

### लौकी की हैल्दी चटनी

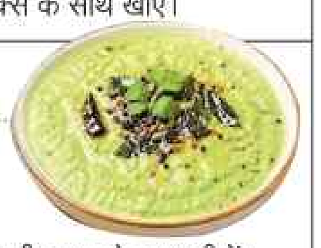

**सामग्री:** 1 कप उबली हुई लौकी, 2 लहसुन की कलियां, 1 हरी मिर्च, 1 चम्मच दही, नमक, 1/2 चम्मच सरसों के दाने, 1 चम्मच तेल
**विधि:** लौकी का पानी निकालकर लहसुन, मिर्च, दही-नमक के साथ पीसें। एक पैन में तेल गर्म कर सरसों डालें और तड़का लगाकर चटनी में मिलाएं।

*__लो कैलोरी__ और हाई-फाइबरयुक्त ये चटनियां जलन और एसिडिटी कम करती हैं। पाचन सुधारने के साथ यह वजन नियंत्रण में भी सहायक होती हैं। यह शरीर से टॉक्सिन पदार्थ बाहर निकालने में मददगार हैं।*

काम की बात

# त्वचा निखारने के साथ शरीर को भी ठंडक देता है गुलाब

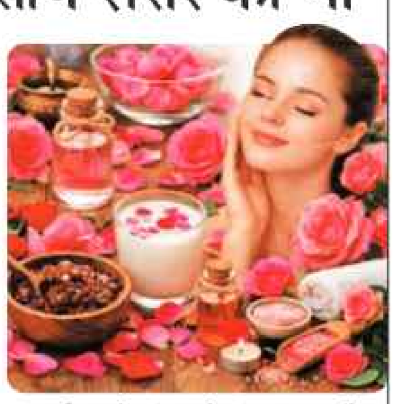

*__गुलाब__ जल जहां त्वचा के पोर्स को टाइट कर चमक प्रदान करता है वहीं इसे स्कैल्प में लगाने से बालों को पोषण मिलता है। आंखों की जलन कम करने के लिए डॉक्टर की सलाह से गुलाब जल का उपयोग कर सकते हैं।*

गुलाब सिर्फ त्वचा के लिए नहीं बल्कि यह सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसकी पंखुड़ियों में विटामिन ए, सी, ई, आयरन, कैल्शियम व एंटीऑक्सीडेंट यौगिक पाए जाते हैं। गर्मियों में इसका उपयोग लाभकारी होता है, क्योंकि यह शरीर को अंदर से ठंडा रखता है और त्वचा को निखारता है। गुलकंद या गुलाब की पंखुड़ियों से बनी चाय पाचन सुधार कर पेट को ठंडक प्रदान करती है और कब्ज की समस्या में आराम दिलाती है। यह शरीर के विषैले तत्त्वों को बाहर निकालता है।

साइबर अलर्ट

# सावधान रहें, सिस्टम का डाटा तो नहीं देख रहा अनचाहा सॉफ्टवेयर

**क्या करें ...?**

अगर ऐसा है तो सिस्टम में टास्क मैनेजर या स्टार्टअप प्रोग्राम चेक करें। कोई अनचाहा सॉफ्टवेयर या ऑटो-स्टार्ट दिख रहा है तो उसे तुरंत बंद करें। एंटीवायरस स्कैन करें।

आप सिस्टम में कुछ टाइप कर रही हैं और कीबोर्ड से अक्षर टाइप होने देरी हो रही है तो आपको सिस्टम में डाउनलोड सॉफ्टवेयर की जांच करनी होगी। हैकर फेक लिंक, फर्जी ईमेल अटैचमेंट या संक्रमित पेन ड्राइव से आपके पास कीलॉगर भेज देते हैं। यह एक सॉफ्टवेयर है जो आपके सिस्टम के लिए जासूस की तरह काम करता है, आप जो भी टाइप करती हैं, वह हैकर को साफ-साफ नजर आता है।

**किचन** में कार्य करते समय खाना बनाने से लेकर उसकी साफ-सफाई तक में काफी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके पास कुछ किचन सॉल्यूशन हों तो आपके नाम व अपनी फोटो सहित हमें वॉट्सऐप नंबर **9057531584** पर भेजें। शी न्यूज पेज पर इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।

पत्रिका शी न्यूज
हमसे जुड़ें

जिला वॉलीबॉल संघ और खेल व युवा कल्याण विभाग का आयोजन

# अनुभवी कोच तराशेंगे हुनर, बच्चे बनेंगे वॉलीबॉल के स्टार

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

**जबलपुर.** शहर के बच्चों के शारीरिक-मानसिक विकास और उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए जबलपुर जिला वॉलीबॉल संघ एवं मध्य प्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। यह शिविर शहर के चार प्रमुख केंद्रों श्रीराम मंदिर जीसीएफ, सतपुला, रानीताल और सदर कैंट में एक साथ आयोजित किया जा रहा है।

संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ठाकुर की उपस्थिति में शिविर का शुभारम्भ हुआ। संघ की सचिव नीलम चंसोरिया ने बताया कि मुख्य आयोजन जीसीएफ राम मंदिर ग्राउंड में हुआ। वहां 100 से अधिक बालक-बालिकाएं नियमित अभ्यास कर रही हैं। शिविर में 10 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों को शामिल किया गया है। ताकि, छोटी उम्र से ही उनमें खेल भावना, अनुशासन और फिटनेस के प्रति जागरुकता पैदा की जा सके।

## सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ी दे रहे प्रशिक्षण

शिविर की खास बात यह है कि खेल की बारीकियां सिखाने के लिए जिले के अनुभवी और सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये विशेषज्ञ सुबह-शाम बच्चों को न सिर्फ वॉलीबॉल की तकनीक सिखा रहे हैं, बल्कि उनके फिजिकल फिटनेस और जनरल नॉलेज कॉन्सेप्ट को भी मजबूत कर रहे हैं। शिविर में मोहन चंदेल, एडवर्ड जोसफ, कमलजीत सिंह सैनी, लल्ला श्रीवास, जितेंद्र ठाकुर, नरेश रजक, राज विश्वकर्मा, अमर चंदेल, अनिल चंदेल, प्रेम कुशवाहा, मानसी और दृष्टि जैसी राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल खिलाड़ी नवोदितों को तैयार कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण शिविर 15 जून तक जारी रहेगा।

## शहर के खिलाड़ी छाए, नेशनल टीम में बनाई जगह

**जबलपुर।** सम्भाग में आयोजित 55वीं केवीएस संभागीय खेल-कूद प्रतियोगिता 2026-27 का समापन कई उपलब्धियों के साथ हुआ। केवी-1 एसटीसी में आयोजित इस प्रतियोगिता में जबलपुर के युवा खिलाड़ियों ने तकनीक और शक्ति का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर के लिए क्वालीफाई किया।

प्रतियोगिता के अंडर-14 वर्ग में अक्षत सोनकर (-30 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-17 वर्ग में अमन विश्वकर्मा (-40 किग्रा), विनम्र विश्वकर्मा (-45 किग्रा), आर्यवीर नागवंशी (-60 किग्रा), समृद्धि सिगोटिया (-44 किग्रा) और अनामिका (-52 किग्रा) ने जीत हासिल कर नेशनल टीम में जगह बनाई। अंडर-19 वर्ग में सम्राट सिंह और लावण्या (-44 किग्रा) ने भी उत्कृष्ट खेल के दम पर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। खिलाड़ियों की सफलता के पीछे जबलपुर जूडो संघ के सचिव व वरिष्ठ कोच आबिद हुसैन का मार्गदर्शन है।

अंडर-12 इंटर एकेडमी फुटबॉल प्रतियोगिता

# इस्माइल की हैट्रिक, मदन महाराज भोपाल 3-0 से जीता

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

**जबलपुर.** मप्र फुटबॉल संघ के तत्वावधान में पाटन रोड के कॉलेज ग्राउंड पर खेली जा रही अंडर-12 इंटर एकेडमी फुटबॉल प्रतियोगिता में बुधवार को मदन महाराज भोपाल और सांची वॉरियर्स रायसेन के बीच खेला गया। इसमें भोपाल की टीम ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 3-0 से जीत दर्ज की।

मप्र फुटबॉल संघ के सचिव अमित रंजन देव ने बताया कि मदन महाराज भोपाल के खिलाड़ी इस्माइल शेर खान प्रतियोगिता की पहली हैट्रिक अपने नाम की। खेल के 16वें मिनट में इस्माइल शेर खान ने पहला फील्ड गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद खेल के 32वें मिनट में भोपाल के खिलाड़ियों ने सांची वॉरियर्स के डिफेंस को भेदते हुए दूसरा गोल दाग दिया। मध्यांतर तक भोपाल की टीम 2-0 से आगे थी।

मध्यांतर के बाद रायसेन की टीम ने वापसी के कई प्रयास किए, लेकिन खिलाड़ियों के बीच गलत तालमेल के कारण वे असफल रहे। खेल के 69वें मिनट में इस्माइल शेर खान ने अपना तीसरा गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी की और भोपाल को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

इस जीत के साथ मदन महाराज भोपाल ने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। मैच में मुख्य निर्णायक की भूमिका भानू सोनी, कुलदीप सिंह, वंश गुप्ता, रोहित थापा और उत्तम कुमार ने निभाई। मैच कमिश्नर के रूप में चंद्रा मलिक मौजूद थे।

# टेनिस बॉल क्रिकेट के रोमांचक मुकाबलों में नर्मदा बॉयज, वीएफजे-11 और लेजेंड-11 जीते

## डे-नाइट आरएस त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता

**जबलपुर @ पत्रिका.** सुरक्षा कर्मचारी यूनियन इंटक खमरिया के तत्वावधान में आयोजित आरएस त्रिपाठी डे-नाइट टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबले खेले गए। तीन मैच में नर्मदा बॉयज, वीएफजे-11 और लेजेंड-11 की टीमों ने जीत दर्ज की।

**एकतरफा जीत**-दिन का पहला मुकाबला नर्मदा बॉयज बनाम सनराइज-11 के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नर्मदा बॉयज ने निर्धारित 10 ओवर में 84 रन बनाए। इसमें अनिकेत ने 11 गेंदों पर 24 रन बनाए। जवाब में सनराइज-11 की टीम 10 ओवर में नौ विकेट खोकर 41 रन ही बना सकी। नर्मदा बॉयज के अनिकेत ने गेंदबाजी में भी कमाल करते हुए दो ओवर में 10 रन देकर तीन विकेट चटकाए। टीम को 43 रन से जीत दिलाई।

**पांच विकेट से हराया**-दूसरा मैच निदान बॉयज और वीएफजे-11 के बीच हुआ। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी निदान बॉयज की टीम 9.4 ओवर में 63 रन पर ऑलआउट हो गई। वीएफजे-11 के प्रहलाद ने 22 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी में भी प्रहलाद ने 15 गेंद पर 23 रन की पारी खेली। इसकी बदौलत वीएफजे-11 ने 7.5 ओवरों में पांच विकेट खोकर 65 रन बनाते हुए पांच विकेट से मैच जीत लिया।

मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में इंटक यूनियन खमरिया के महेंद्र रजक, प्रमोद पाली, मुकेश मैंडी, कमलेश तिवारी, भूपेंद्र गोंटिया और निखिल यादव मौजूद थे। अम्पायरिंग की भूमिका भूपेंद्र गोंटिया, निखिल यादव, मुकेश मैंडी, कमलेश तिवारी, दिनेश दास और अनुपम भौमिक ने निभाई।

### आठ विकेट से शिकस्त

तीसरे मैच में अहीर-11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में आठ विकेट पर 77 रन बनाए। लेजेंड-11 के नौशाद ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लेजेंड-11 की टीम ने नौशाद की 25 गेंदों में 49 रनों की आतिशी पारी के दम पर महज 7.3 ओवर में दो विकेट खोकर 78 रन बना लिए। आठ विकेट से एकतरफा जीत हासिल की। तीनों मैचों में शानदार ऑलराउंड खेल दिखाने वाले अनिकेत, प्रहलाद और नौशाद को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

# ब्रेन पावर
BRAIN POWER

## विजुअल एक्सरसाइज

यहां दी गई तस्वीर में कई वस्तुएं छिपी हुई हैं, इन्हें खोजिए।

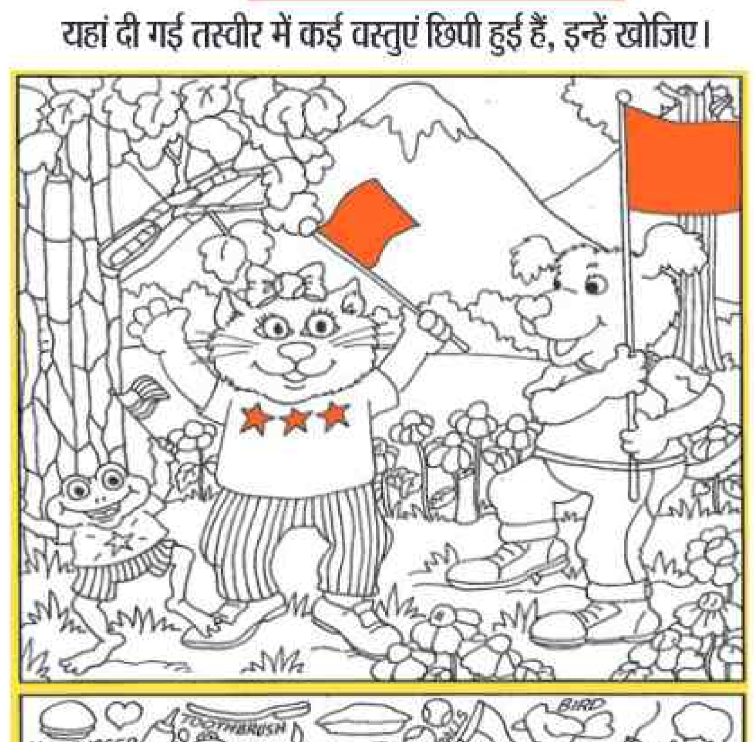


## मूवी रिव्यू

### विश ड्रैगन

विश ड्रैगन एक प्यारी और दिल छू लेने वाली एनिमेटेड फिल्म है, जिसमें एक साधारण लड़का डिन और एक जादुई गुलाबी ड्रैगन लॉन्ग की कहानी दिखाई गई है। ड्रैगन तीन इच्छाएं पूरी कर सकता है, लेकिन असली मजा तब आता है, जब डिन समझता है कि सच्ची खुशी पैसे या जादू से नहीं, बल्कि दोस्ती और प्यार से मिलती है। फिल्म में रंगीन शहर, मजेदार ड्रैगन और दिल को छू लेने वाले पल हैं जो बच्चों को सिखाते हैं कि इच्छाएं तो बहुत होती हैं, पर सबसे बड़ी इच्छा होती है अच्छा दिल रखना और अपनी दोस्ती निभाना।

## नॉलेज अपडेट

### हथेली पर पिघलने वाला 'जादुई' लोहा

क्या आपने कभी सोचा है कि कोई धातु ऐसी भी होती है, जो बर्फ की तरह पिघल सकती है? यह अनोखी धातु है गैलियम। इसे पिघलाने के लिए आग की जरूरत नहीं होती। जैसे ही आप इसे हथेली पर रखते हैं, यह शरीर की गर्मी से मोम की तरह पिघलने लगता है। कुछ ही देर में यह चमकदार चांदी जैसे तरल में बदल जाता है। यह छोटा-सा साइंस प्रयोग सच में जादू जैसा लगता है और हर किसी को हैरान कर देता है।

## क्रॉसवर्ड

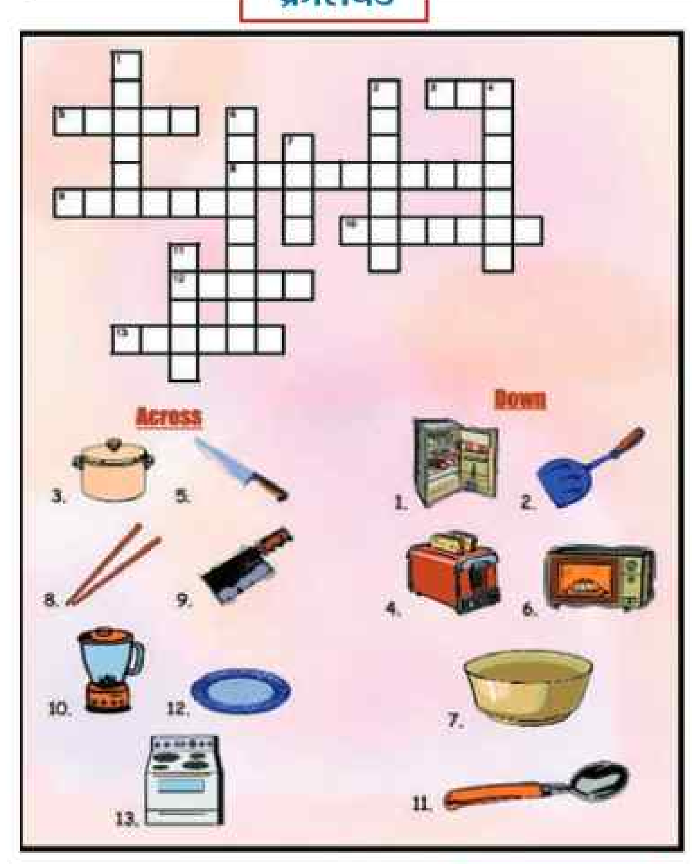


## अनोखी जानकारी

### सॉफ्ट ड्रिंक का हर देश में अलग नाम

दुनियाभर में लोग ठंडी और फिजी ड्रिंक पीना पसंद करते हैं। मजेदार बात यह है कि हर देश में इसे अलग नाम से बुलाया जाता है। अमरीका में इसे 'सोडा' कहा जाता है, जबकि इंग्लैंड में लोग इसे 'फिजी ड्रिंक' कहते हैं, क्योंकि इसमें बुलबुले होते हैं। ऑस्ट्रेलिया में इसे 'सॉफ्ट ड्रिंक' कहा जाता है और भारत में बच्चे-बड़े सभी इसे प्यार से 'कोल्ड ड्रिंक' कहते हैं। यह ठंडी ड्रिंक गर्मी में सबको ताजगी और मजा देती है।

## MAZE CRAZE

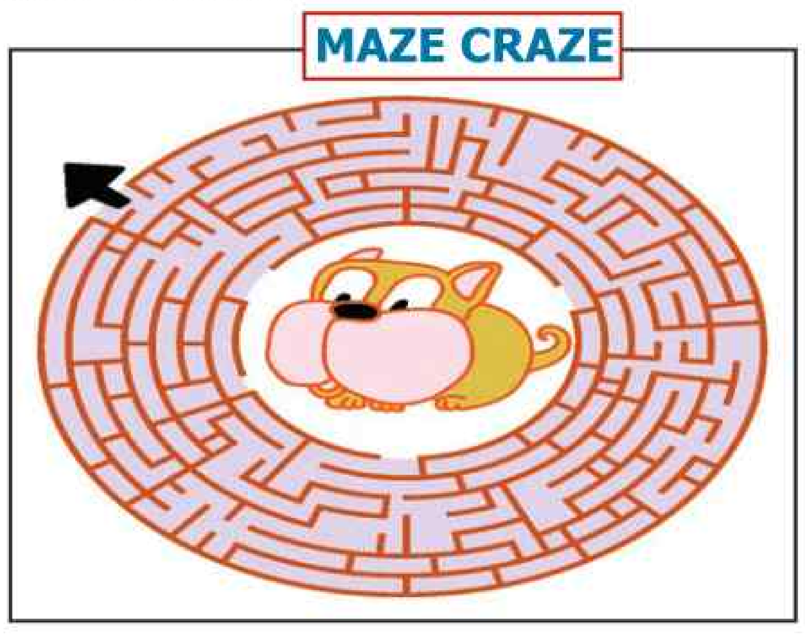

## रंग भरो

## आर्ट एंड क्राफ्ट

### जिक-जैक बटरफ्लाई

***इनकी जरूरत होगी:*** रंगीन ड्राइंग शीट, कैंची, ग्लू, स्केच पेन, आईस्क्रीम स्टिक, गूगल आई और डबल साइडेड टेप।

***ऐसे बनाएं:*** ड्राइंग शीट को फोल्ड करके दोनों तरफ से गोलाई में काट लें। शीट को खेलकर जिक जैक मोड़ लें। आईस्क्रीम स्टिक पर स्केच पेन से डिजाइन बनाकर जिक जैक शीट के बीच में चिपका दीजिए। इन बटरफ्लाई के पीछे डबल साइड टेप लगाकर दीवार पर लगा दीजिए। इस प्रकार आप मनचाहे पेपर टॉय बना सकते हैं।

## कहानी

### संन्यासी का संदेश

राजा समर सिंह को अपनी प्रजा से अधिक प्रिय धन-सम्पत्ति एकत्र करना था। उन्होंने अपनी अधिकतर संपत्ति को महल की सुंदरता बढ़वाने में लगवाया था। जो भी आता वह उनके महल की प्रशंसा किए बिना नहीं रहता था। राजा समर सिंह का मंत्री चतुर सिंह बेहद समझदार था। वह राजा की इस आदत से परेशान था। एक दिन उसने सुना कि उनके नगर में एक युवा संन्यासी आया हुआ है। वह हर किसी की मुसीबत का समाधान कर देता है। मंत्री भी युवा संन्यासी से मिलने पहुंचा और बोला, 'महाराज, हमारे राजा अपने नगर को मजबूत बनाने के बजाय महल के रखरखाव पर अधिक धन खर्च करते हैं। उन्हें प्रजा की सुरक्षा से कोई लेना नहीं है। ऐसे में शत्रु भी अवसर देखकर आक्रमण करने को तैयार रहते हैं। कृपया राजा का इस प्रकार से मार्गदर्शन करें कि उन्हें सही-गलत की पहचान हो जाए और वह अपनी प्रजा की समुचित देखभाल करते हुए देश की संपत्ति को महल के रखरखाव पर खर्च करने के बजाय जरूरी कार्यों पर खर्च करें।' संन्यासी ने मंत्री को आश्वासन दिया और कहा कि वह स्वयं महल में आएगा और राजा से बात करेगा। मंत्री वहां से चला आया। अगले दिन नियत समय पर संन्यासी महल में आगमन हुआ। उसका खूब स्वागत किया गया। राजा ने संन्यासी को पूरा मान दिया। किंतु उसे बार-बार एक बात खलती रही कि संन्यासी ने एक बार भी उसके महल की तारीफ नहीं की। अभी तक उसे अपने जीवन में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला था। जिसने उसके महल की मुक्त हृदय से प्रशंसा न की हो।

## टैलेंट विंडो

**अमन झा**
12 वर्ष
ग्वालियर, मध्यप्रदेश

**दृष्टि शर्मा**
13 वर्ष
भोपाल, मध्यप्रदेश

**यहां भेजें:** अगर आपमें किसी भी प्रकार का टैलेंट है, जैसे- कविता, कहानी, पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट व अन्य रचनाएं ईमेल पर भेजें।
- 
- 
- 

MOVIES • TV • OTT

CINEWEB & CELEBS

जबलपुर, गुरुवार | सिनेवेब एंड सेलेब्स | 07 मई 2026

### इस तरह रच सकते हैं इतिहास

जब सफलता की ख्वाहिश आपको सोने ना दे, जब मेहनत के अलावा और कुछ अच्छा ना लगे, जब लगातार काम करने के बाद थकावट ना हो समझ लेना सफलता का नया इतिहास रचने वाला है।

- **नीरज चोपड़ा,** एथलीट

### जीवन में लगातार सीखते रहें

यदि आपको लगता है कि आप पहले से ही परिपूर्ण हैं, तो आप कभी भी परिपूर्ण नहीं होंगे।

- **क्रिस्टियानो रोनाल्डो,** फुटबॉलर

## हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना है

# ट्रेंड नहीं, मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस: सई मांजरेकर

**चर्चित सेलेब**

मनोरंजन की दुनिया में देखा जाता है कि कलाकार जल्दी सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन सई मांजरेकर इससे उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर होता है, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे।

'अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम पूरे मन से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'

### काम के प्रति ईमानदारी जरूरी:

सई ने कहा,'मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ती हूं। मेरे लिए कॅरियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।'

**'इंडिया हाउस' में खास किरदार:** बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आजादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को हिंदी और तेलुगू दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

## बाल कलाकार से लेकर तमिलनाडु की राजनीति के 'जन नायक'

# थलापति का 'मास्टर स्ट्रोक': एक्टिंग छोड़ी राजनीति में पकड़ी रफ्तार

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

तमिल सिनेमा के 'थलापति' विजय आज न केवल अभिनय की दुनिया के बेताज बादशाह हैं, बल्कि राजनीति के मैदान में भी एक सशक्त जननायक बनकर उभरे हैं। 18 साल की उम्र में बतौर लीड एक्टर कॅरियर शुरू करने वाले जोसेफ विजय चंद्रशेखर ने 'लियो' और 'द गोट' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के जरिए सफलता के शिखर को छुआ है। फिल्मों के लिए रिकॉर्ड तोड़ फीस लेने के बावजूद, विजय का सादा जीवन और उनकी राजनीतिक पार्टी 'टीवीके' के प्रति जनता का अपार समर्थन उन्हें अन्य सितारों से अलग खड़ा करता है।

### थलापति विजय बने

विजय के पिता एस.ए. चंद्रशेखर निर्देशक हैं। वहीं मां शोभा चंद्रशेखर प्लेबैक सिंगर हैं। 22 जून 1974 को जन्मे विजय का असली नाम जोसेफ विजय चंद्रशेखर है। उन्होंने बतौर बाल कलाकार अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। लीड एक्टर के तौर विजय की पहली फिल्म 'नालया थीरपू' थी। यह फिल्म विजय ने 18 साल की उम्र में साइन की थी। अब तक वह 69 फिल्में अपने कॅरियर में कर चुके हैं। विजय को गायकी का भी शौक है।

### सफलता के शिखर पर

विजय ने 'थेरी, 'राजविन परवैयिले','मिन्सरा कन्ना', 'बीस्ट', 'शाहजहां' जैसी हिट फिल्में की हैं। साल 2023 में उनकी फिल्म 'लियो' ने कमाई के कई रेकॉर्ड तोड़ दिए थे। इसके अलावा 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में भी उनके अभिनय को सराहा था। तमिलनाडु की राजनीति में कदम रखने से पहले विजय थलापति ने एक फिल्म 'जन नायकन' की थी। यह उनकी आखिरी फिल्म कही जा रही थी। लेकिन रिलीज से पहले ही यह विवाद में फंस गई।

### फीस लेने में आगे!

विजय तमिल सिनेमा में सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर्स में भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो विजय एक फिल्म के लिए 65 करोड़ रुपये से अधिक चार्ज करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में विजय की नेट वर्थ 500 करोड़ रुपए से अधिक बताई जाती है। एक्टर सिर्फ अपनी फिल्मों और राजनीति में आने के फैसले को लेकर ही चर्चा में नहीं रहे। विजय ने यूके की रहने वाली अपनी एक फैन से शादी की थी।

### कई फिल्में विवाद में...

विजय थलापति की फिल्म 'जन नायकन' पहले सेंसर से हरी झड़ी पाने का इंतजार में है। हाल ही यह ऑनलाइन भी लीक हो गई। 'जन नायकन' से पहले भी उनकी कुछ फिल्में विवाद में रह चुकी हैं। जैसे साल 2013 में रिलीज हुई 'थलाइवा' को लेकर खूब हंगामा हुआ। इसी तरह साल 2018 में आई फिल्म 'सरकार' भी चर्चा में रही। इस फिल्म पर आरोप लगा कि इसमें सरकारी योजनाओं को गलत रूप से पेश किया गया है।

**भविष्य पर टिकी निगाहें** तमिल सिनेमा में छा जाने के बाद विजय थलापति अब तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा नाम बनकर उभरे हैं। उनकी राजनीतिक पार्टी टीवीके राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। जनता का पूरा समर्थन विजय के साथ रहा है। अभिनेता के परिवार वाले और फैंस इस बात से खुश हैं।

**कर्टेन रेजर**

## 'सिस्टम' में न्याय के लिए एकजुट

फिल्म 'सिस्टम' सामने आने वाली है, जो कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग-अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं। फिल्म 'सिस्टम' 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं।

**सोशल मीडिया**

## सेवा करती दिखीं गायिका तुलसी कुमार

गायिका तुलसी कुमार हाल ही माता वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंची। उन्होंने वहां चल रहे पारिवारिक भंडारे में खुद सेवा की। तुलसी ने एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह और उनका बेटा भक्तों को प्रसाद वितरित करते दिख रहे हैं। तुलसी ने लिखा, 'कटरा में मां वैष्णो देवी का लंगर, जिसकी शुरुआत पापा ने लगभग 43 साल पहले की थी, आज भी उसी प्यार, आस्था और निस्वार्थ भाव के साथ चल रहा है। यह परंपरा आज भी जारी है। पापा के दिखाए रास्ते पर चलते हुए, आभार...।'

**चर्चित मूवी**

## 'अगली स्टोरी' एक गहरी प्रेम कहानी

अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगू रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'अगली स्टोरी' को लेकर चर्चा में हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। अभिनेत्री ने कहा,'फर्क हमेशा इरादे में होता है। अगली स्टोरी' एक गहरी प्रेम कहानी है, जिसका लेखन और निर्देशन प्रणव स्वरूप ने किया है। 'अगली स्टोरी' 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## 'ग्लोरी' सच्ची कहानी से प्रेरित है: करण अनशुमान

निर्देशक करण अंशुमान ने ऐसी कहानियां पेश की हैं, जो मनोरंजन के साथ-साथ समाज और इंसान की सोच से जुड़े सवाल भी उठाती हैं। अब करण अपने नए प्रोजेक्ट 'ग्लोरी' के साथ एक बार फिर चर्चा में हैं, जिसमें वह हिंसा, ताकत और इंसानी स्वभाव के गहरे पहलुओं को सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं। करण अंशुमान ने नई सीरीज 'ग्लोरी' के बारे में बात करते हुए कहा,'यह सिर्फ एक साधारण कहानी नहीं है, बल्कि इसमें ऐसे सवाल उठाए गए हैं, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है। इसमें बॉक्सिंग को हमने एक प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया है, जिसके जरिए इंसान के भीतर छिपी हिंसा और उसके असर को दिखाया गया है।'

**फिल्म अलग अनुभव देगी:** करण ने आगे कहा,'ग्लोरी' की कहानी दर्शकों को एक अलग अनुभव देगी। इस सीरीज में बॉक्सिंग सिर्फ एक खेल के रूप में नहीं दिखाया गया है, बल्कि इसे एक प्रतीक के तौर पर इस्तेमाल किया गया है।'

## ...उसकी तस्वीरें देखता रहता हूं-शेखर कपूर

फिल्म निर्देशक शेखर कपूर अपनी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी बेटी को याद करते हुए भावुक नोट शेयर करते हुए लिखा,'इस तस्वीर में आपको लंबे बालों में लड़की दिख रही है, वह मेरी बेटी कावेरी है।' उन्होंने बताया कि कावेरी इस समय आयरलैंड में स्थित हेलेन वॉल्श एक्टिंग एंड ड्रामा स्कूल की छात्रा हैं। कावेरी फिलहाल वहीं अपनी ट्रेनिंग पूरी कर रही हैं।

**उससे बहुत प्यार करता हूं...** शेखर ने फैंस से सवाल पूछते हुए लिखा,'क्या हर पिता अपनी बेटी को उतना ही याद करता है, जितना मैं करता हूं? हां, बिल्कुल करता है। जब मुझे उसकी याद आती है, तो मैं बस उसकी तस्वीरें देखता रहता हूं।'

**इंस्टा रील**

### 'ड्रिडम' को हरी झंडी

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ड्रिडम' रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों के बीच काफी चर्चा थी और अब सेंसर बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद इसका इंतजार और बढ़ गया है। निर्देशन मार्टिन जोसेफ ने किया है और इसमें शेन निगम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 8मई को आएगी।

### 'भारत भाग्य विधाता'

कंगना रनौत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का ऐलान हो गया। मेकर्स ने लिखा,'भारत के असली हीरोज की अनसुनी कहानी। फिल्म 'भारत...' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' फिल्म के लेखक - निर्देशक मनोज तापड़िया ने इसे एक भावनात्मक-रोमांचक थ्रिलर बताया।

**सेलेब टॉक**

## जीवन के छोटे-छोटे पल ही असली खुशी देते हैं: मीरा राजपूत

भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत ने अपने अनुभव साझा किए। मीरा ने कहा,'अपने माता-पिता के घर पर रहना अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता।' एक्ट्रेस ने कहा,'काफी समय बाद मैं खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे अहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त के सुकून देते हैं।'

### जिम्मेदारी निभाती हैं...

मीरा ने कहा,'महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौनसा काम पहले करना है, कौनसा बाद में। जब कुछ समय के लिए कोई उनसे कुछ नहीं पूछता, तो दिमाग को राहत मिलती है। जीवन के छोटे -छोटे पल ही असली खुशी देते हैं।

## आज भी नीतू कपूर का अंदाज चुलबुला है: दीपक दत्ता

**अभिनेता दीपक दत्ता इन दिनों आने वाली फिल्म 'दादी की शादी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उन्हें दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला।**

**दीपक दत्ता ने कहा,'मैं बचपन से ही नीतू कपूर की फिल्मों का फैन रहा हूं, इसलिए जब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो मैं थोड़ा घबरा गया था। आज भी उनका अंदाज चुलबुला है।'**

### 8 को होगी रिलीज

फिल्म 'दादी की शादी' में नीतू कपूर के अलावा कपिल शर्मा भी अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म के जरिए नीतू कपूर और दिवंगत ऋषि कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी भी बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। यह फिल्म 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

### जाह्नवी कपूर ने मजाकिया अंदाज में वरुण को दी चुनौती

## तुम्हारे साथ तो प्यार भरी टक्कर है: वरुण

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

मनोरंजन जगत में अक्सर दो फिल्मों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है। दरअसल, 4 जून को जहां जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' रिलीज होगी, तो वरुण की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' रिलीज होगी। दोनों के बीच इस बार बॉक्स ऑफिस पर एक दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। जाह्नवी ने मजेदार अंदाज में इस बॉक्स ऑफिस क्लैश को दर्शाया। उन्होंने वरुण की फिल्म का वीडिओ ऐड किया। इस वीडियो के साथ जाह्नवी ने मजाकिया अंदाज में वरुण धवन को टैग करते हुए लिखा,'लगता है हम टकरा रहे हैं वरुण धवन।'

### 'पेड्डी' में अच्छी हो...

वरुण धवन ने जाह्नवी के वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा,'ओह माय गॉड, तुम्हारे साथ कभी कोई क्लैश नहीं होता, तुम इस वीडियो में कमाल लग रही हो।' उन्होंने दिलकश अंदाज में लिखा,'तुम्हारे साथ तो बस प्यार भरी टक्कर है जान्हवी। तुम 'पेड्डी' में बहुत अच्छी लग रही हो। अपनी दोस्त को बड़े पर्दे पर देखने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।'

**फैंस को फिल्म का इंतजार:** वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े अभिनीत एक आगामी बॉलीवुड रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन डेविड धवन ने किया है। यह फिल्म फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रह हैं।

**चर्चा में**

## रणदीप हुड्डा ने दिखाई गांव की झलक

रणदीप हुड्डा ने सोशल मीडिया पर गांव के जीवन की दिल छू लेने वाली झलक साझा करते हुए पुरानी यादों को ताजा किया। रणदीप ने लिखा, 'गाम', जिसका मतलब 'गांव' होता है। वीडियो में वह कहते सुनाई देते हैं,'गांव की अलग हवा और अलग मजा।' इसके बाद की तस्वीरें ग्रमीण जीवन को दर्शाती हैं।

**शॉर्ट रील**

## यादों के झरोखे में लौटीं सोनी राजदान

आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान मनोरंजन जगत में धीरे-धीरे वापसी कर रही हैं। लंबे समय बाद वे एक कश्मीरी पॉप गाने 'वानियो' में नजर आई हैं। उन्होंने लिखा,'इस म्यूजिक वीडियो की कहानी काफी मार्मिक है। इसमें मैंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो 25 साल बाद अपनी जन्मभूमि कश्मीर लौटती है।'

## मेरे लिए सपना सच होने जैसा: वेदांग

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। इसके गाने की रिकॉर्डिंग से जुड़ा वीडियो वेदांग ने पोस्ट करते हुए लिखा,'कुछ समय पहले तक मैं ए. आर. रहमान के बनाए गानों के कवर बना रहा था, लेकिन अब उनके साथ ही एक गाना रिकॉर्ड करने का मौका मिला। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।'

## रियलिटी शो जीतना नहीं, सीखना है मेरा मकसद: गौरव खन्ना

**सेलेब व्यू**

**अभिनेता** गौरव खन्ना रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगे। उन्होंने बताया,'एक एक्टर के तौर पर मैं लगातार लोगों को देखता रहता हूं। रियलिटी शो में भी अनजाने में ही सही, मैं सीख रहा होता हूं, देख रहा होता हूं और ऐसे अनुभव जमा कर रहा होता हूं जो भविष्य के किरदारों में मेरे काम आ सकते हैं। मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ता हूं।' अभिनेता का मानना है कि रियलिटी शो सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि सीखने और खुद को निखारने का भी बेहतरीन मंच है। एक्टर का फोकस हमेशा शो से मिलने वाले अनुभव और सीख पर रहता है, न कि सिर्फ जीत पर।

## प्रियदर्शन के काम करने का तरीका खास है: एकता कपूर

प्रोड्यूसर एकता कपूर इन दिनों 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में है। एकता ने सोशल मीडिया पर प्रियदर्शन के साथ तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा,'मैं एक ऐसे इंसान के साथ काम कर रही थी, जो अपनी 100वीं फिल्म बना रहे थे। लोगों को लगा था कि हम दोनों साथ आएंगे तो शायद टकराव होगा, लेकिन उन्होंने यह नहीं देखा कि हमारे बीच कितना गहरा सम्मान था। उनकी सोच और काम करने का तरीका बहुत खास है। वह यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रोड्यूसर सुरक्षित रहे।

**वायरल पिक्चर्स** | अभिनेत्रियों के आउटफिट्स में दिखा कॉन्फिडेंस

## बोल्ड कट्स के साथ रेड कॉर्पेट पर बिखरा ग्लैमर

*आज की बॉलीवुड अभिनेत्रियां अपनी स्टाइलिंग के जरिए केवल फैशन नहीं, बल्कि अपनी पर्सनैलिटी और मूड भी व्यक्त करती हैं। उनकी आउटफिट चॉइस में मॉडर्न ट्रेंड्स और ट्रेडिशनल एलिगेंस का बेहतरीन संतुलन देखने को मिलता है।*

***कश्मिरा परदेशी** ने व्हाइट बेस पर हल्के ब्लू फ्लोरल प्रिंट वाला फिटेड गाउन कैरी किया है। यह आउटफिट सॉफ्ट, फेमिनिन और बेहद ग्रेसफुल लग रहा है।*

***जन्नत जुबैर** ने ब्लैक बॉडी-हगिंग ड्रेस पहनी है जिसमें साइड कट-आउट डिजाइन इसे बेहद बोल्ड और स्टाइलिश बना रहा है।*

***ईशा गुप्ता** गोल्डन सिल्क साड़ी में नजर आ रही हैं, जो क्लास और रॉयल्टी का शानदार मिश्रण है।*

***सायानी गुप्ता** ने ब्लैक ट्रेडिशनल आउटफिट पहना है, जिसमें मिनिमल डिजाइन के बावजूद एक स्ट्रॉन्ग और क्लासी वाइब है।*

## शबाना आजमी ने शेयर की विक्की कौशल की तस्वीर

अभिनेत्री शबाना आजमी ने अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें उनके साथ अभिनेता विक्की कौशल नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों हल्के-फुल्के और मजेदार अंदाज में बातचीत करते दिख रहे हैं। शबाना कुछ ऐसा कहती नजर आ रही हैं, जिसे सुनकर विक्की शरमा जाते हैं और मुस्कुराने लगते हैं। तस्वीर में शबाना आजमी गुलाबी रंग की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने बालों में फूल भी लगाया हुआ है। वहीं, विक्की कौशल टक्सीडो पहनकर बेहद स्मार्ट दिख रहे हैं। शबाना ने मजाकिया अंदाज में लिखा,'मैं ऐसा क्या कह रही थी कि तुम इतने शरमा गए?'

**आप भी जुड़ें... सिनेवेब-सेलेब्स से**

*आप सिनेवेब-सेलेब्स पेज पर **किस तरह का कंटेंट पढ़ना चाहते हैं,** इस पर अपनी अमूल्य राय दे सकते हैं। इसके अलावा पाठक फिल्मों से संबंधित **लेख, किस्से, हाल में देखी गई फिल्मों व वेबसीरीज की समीक्षा** भी हमसे साझा कर सकते हैं। इसे आप वॉट्सऐप नंबर...*

**9057531584 पर भेजें।**

विजय नगर, धनवंतरी नगर, संजीवनी नगर, दमोहनाका, माढ़ोताल, शिवनगर, उखरी चौराहा, रानीताल, यादव कॉलोनी, सदर

सदर में कब्जों की होड़: तंग गलियों में दम तोड़ती केंट की व्यवस्था, हादसे को दे रहीं न्योता

# हर गली को बना दिया कमर्शियल हब, दुकान और शो-रूम खुलने के चलते बिगड़ रही स्थिति

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

**जबलपुर.** प्रमुख व्यापारिक केंद्र सदर बाजार में इन दिनों नियमों को ताक पर रखकर कब्जों की होड़ मची हुई है।सदर की सभी तंग गलियां अब पूरी तरह से व्यावसायिक रूप ले चुकी हैं, जिससे आम जनता का पैदल चलना भी दूभर हो गया है।

बाजार में दुकानदारों ने अपनी सीमाओं से बाहर निकलकर नालियों तक पर पक्के और अस्थायी कब्जे कर लिए हैं।

इसके चलते केंट की कई अंदरूनी सड़कें इतनी संकरी हो चुकी हैं कि किसी आपातकाल स्थिति में वहां से फायर ब्रिगेड वाहनों का गुजरना मुश्किल हो जाएगा। रामलीला मैदान के ठीक सामने की तो स्थिति और भी भयावह है, जहां सड़क पर वाहन रेंगते से रहते हैं। सामने पड़ी पार्किंग की जगह पर कब्जा हो चुका है।

### पार्किंग नदारद

सदर बाजार में लगातार नई दुकानें और बड़े-बड़े आलीशान शोरूम खुल रहे हैं। विडंबना यह है कि इन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के पास अपने ग्राहकों के लिए पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। नतीजतन, खरीदारी करने आने वाले लोग अपने वाहन मुख्य सड़क और गलियों में ही पार्क कर देते हैं, जिससे पूरे सदर बाजार में दिनभर रेंगता हुआ लंबा जाम लगा रहता है।

### केंट प्रशासन मौन, सिर्फ राजस्व पर ध्यान

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि केंट प्रशासन इस गंभीर समस्या को नजरंदाज कर रहा है। नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है, लेकिन केंट बोर्ड अतिक्रमणकारियों पर कोई ठोस दंडात्मक कार्रवाई नहीं कर रहा है। केंट प्रशासन का पूरा ध्यान केवल राजस्व वसूली तक ही सीमित रह गया है।

प्रवेश शुल्क वसूली जारी, लेकिन पर्यटकों को मिल रहीं अव्यवस्थाएं

# जलकुम्भी, गंदगी और बंद फाउंटेन से बिगड़ी गुलौआ ताल की तस्वीर

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

**जबलपुर.** स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहर के तालाबों को संवारने के दावे किए गए थे, लेकिन गुलौआ ताल की मौजूदा स्थिति इन दावों की हकीकत बयां कर रही है। यहां आने वाले लोगों से प्रवेश शुल्क तो लिया जा रहा है, लेकिन परिसर में मूलभूत सुविधाएं बदहाल हैं। तालाब का मुख्य आकर्षण म्यूजिकल फाउंटेन लंबे समय से बंद पड़ा है। अन्य फुहारों में से भी अधिकांश बंद हैं। पाथ-वे की लाइटें खराब हैं, कुर्सियां टूट रही हैं और पेड़-पौधे पानी के अभाव में सूखने लगे हैं।

### बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं

तालाब के चारों ओर मॉर्निंग वॉक के लिए बनाए गए पाथ-वे के किनारे लगी लोहे की कुर्सियां टूट रही हैं। आने वाले लोगों की संख्या की तुलना में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था भी नहीं है। विजय चक्रवर्ती ने बताया कि बुजुर्गों और बच्चों के लिए सुरक्षित और पर्याप्त बैठने की जगह का अभाव है। वहीं, क्षेत्र के राजेश सिंह का कहना है कि ग्रीन जबलपुर के दावों के बीच लगाए गए पौधे और छायादार पेड़ पानी नहीं मिलने से सूख रहे हैं। गुलौआ ताल का पानी अब गंदगी और कचरे से प्रभावित नजर आने लगा है। तालाब के बड़े हिस्से में जलकुंभी फैल गई है, जिससे जलीय जीवन पर भी खतरा मंडरा रहा है। पानी के स्थिर रहने और कचरा जमा होने से दुर्गंध फैल रही है, जिससे लोगों का वहां बैठना मुश्किल हो गया है। स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि जब सुविधाएं सुचारू नहीं हैं तो प्रवेश शुल्क क्यों लिया जा रहा है। धनंजय बाजपेई ने कहा कि तालाब किनारे व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाना चाहिए। वहीं, राकेश चक्रवर्ती का आरोप है कि नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रशासन केवल राजस्व वसूली पर ध्यान दे रहा है, जबकि जनसुविधाओं की अनदेखी की जा रही है।

### शो-पीस बनकर रह गया म्यूजिकल फाउंटेन

गुलौआ ताल में लाखों रुपए खर्च कर म्यूजिकल फाउंटेन लगाया गया था, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र माना जाता था। वर्तमान में यह पूरी तरह बंद पड़ा है। तालाब की सुंदरता बढ़ाने के लिए लगाए गए तीन अन्य फाउंटेन में से भी दो बंद हो चुके हैं। पाइप लाइनों में जंग लगने लगी है और रखरखाव के अभाव में मशीनरी खराब हो रही है। क्षेत्रीय निवासी बसंत करोसिया ने बताया कि पुनरुद्धार के बाद म्यूजिकल फाउंटेन मुश्किल से एक-दो महीने ही चल पाया, इसके बाद से लगातार बंद है।

## नशा मुक्ति जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

**जबलपुर.** बाल संप्रेक्षण गृह गोकलपुर में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता और नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बुधवार को आयोजन किया गया। प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड जबलपुर रुचि गोलस सगर की उपस्थिति में शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य एवं दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के तत्वावधान में कार्यक्रम हुआ।

मुख्य वक्ता क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट मुकेश कुमार सेन ने बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशा मनुष्य को मानसिक और शारीरिक रूप से बीमार कर व्यक्तित्व को नष्ट कर देता है। सामूहिक परामर्श के माध्यम से बच्चों का बिहेवियर मॉडिफिकेशन किया गया। उन्हें महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। तनाव कम करने और मन को शांत करने के लिए बच्चों को सांसों के प्रति सचेत रहने की वैज्ञानिक बौद्ध ध्यान तकनीक का अभ्यास कराया गया।

अधूरी सड़क, जानलेवा धूल

# करौंदा नाला-इमलिया मार्ग पर अधूरा पड़ा डामरीकरण, पत्थरों से हादसे का खतरा

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

**जबलपुर.** शहर के महाराजपुर इलाके में महाराजपुर करौंदा नाला और इमलिया मार्ग का अधूरा डामरीकरण लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। लगभग 200 मीटर लंबा यह मार्ग, जिसमें इमलिया मार्ग पर सौ मीटर और करौंदा नाला मार्ग पर भी सौ मीटर का हिस्सा शामिल है, अब भी कच्चा और पथरीला है। इस आधी-अधूरी सड़क के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है, जिससे वाहन चालक और राहगीर दोनों परेशान हैं।

पूरे मार्ग पर गिट्टियां और नुकीले पत्थर बिखरे हुए हैं, जिससे वाहनों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही है। इस मार्ग पर वाहनों का अत्यधिक दबाव रहता है, और कच्चे हिस्से से गुजरते समय धूल के बड़े गुब्बारे उड़ते हैं। इससे दृश्यता इतनी कम हो जाती है कि दिन के समय भी वाहनों को हेडलाइट जलानी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पत्थरों के कारण वाहन अक्सर फिसलते हैं और पंक्चर हो जाते हैं। उछलते पत्थरों से कई लोग घायल भी हो चुके हैं।

यह सड़क महाराजपुर करौंदा नाला से पनागर के परियट तक जाती है। इस मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा परियट नाला में नए पुल का निर्माण और फोर लेन सड़क का कार्य भी चल रहा है। स्थानीय निवासियों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कई बार इस अधूरी सड़क के डामरीकरण के लिए अवगत कराया है, ताकि आवागमन सुचारू हो सके। हालांकि, विभाग इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश है। लोगों ने जल्द सड़क को पूरा करने की मांग की है।

पत्रिका XPOSE अच्छा-बुरा... सब उजागर

महाराजपुर-विजय नगर सहित कई इलाकों में नो एंट्री के नियम दरकिनार

# नो एंट्री का उल्लंघन कर रहे भारी वाहन, बढ़ा रहे दुर्घटना का खतरा

XPOSE रिपोर्टर
xpose.jabalpur@epatrika.com

**जबलपुर.** शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए नगर निगम, यातायात प्रशासन और जिला प्रशासन के लगातार प्रयासों के बावजूद नो एंट्री के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। सुबह छह बजे से रात नौ बजे तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक है, लेकिन इसके बावजूद ये वाहन नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। इससे यातायात व्यवस्था चरमरा रही है, सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा है और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ रही है।

महाराजपुर-व्हीकल मोड़ चौराहे पर लगे नो एंट्री बोर्ड और बैरिकेडिंग के बावजूद सुबह छह से रात 11 बजे तक यहां भारी लोडेड ट्रक और डंपर बेधड़क प्रवेश कर रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहले यहां पुलिसकर्मी तैनात रहते थे, लेकिन कुछ माह से वे भी नदारद हैं। पुलिस की ढिलाई से नियमों का उल्लंघन बढ़ रहा है। विजय नगर के दीनदयाल चौक, उखरी रोड और अंदरूनी इलाकों से भी भारी वाहनों की आवाजाही थम नहीं रही है। नो एंट्री का समय सुबह छह से रात नौ बजे तक निर्धारित है, लेकिन इस नियम की अनदेखी हो रही है।

नागरिकों के अनुसार दीनदयाल मार्ग और आईएसबीटी जैसे व्यस्त मार्गों पर भारी वाहनों के निकलने से यातायात और अधिक अराजक हो जाता है। वे नियमों के उल्लंघन पर कड़ाई से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

इस संबंध में आरटीओ अधिकारी रिंकू शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन में नए प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। जानकारी के अनुसार उन्हें नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाएंगे।

## शराब के लिए पैसे नहीं देने पर युवक को पीटा

**जबलपुर.** मदन महल थाना क्षेत्र के राइट टाउन स्थित शौकी होटल के पास शराब के लिए एक हजार रुपए नहीं देने पर युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार गोहलपुर निवासी इरफान को उसके दोस्त वरुण उपाध्याय ने पारिवारिक मामले में बातचीत के लिए पांच मई की रात 9:30 बजे शौकी होटल बुलाया था। इरफान होटल के गेट पर पहुंचा, तो वहां वरुण का चाचा पप्पू उपाध्याय मिल गया। उसने इरफान से शराब के लिए 1000 रुपए मांगे। इरफान ने पैसे देने से मना किया, तो पप्पू उसकी पिटाई करने लगा।

## 22 अवैध वेंडरों के खिलाफ केस दर्ज

**जबलपुर.** रेलवे स्टेशन परिसर में अवैध रूप से खाद्य सामग्री और पेय पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ रेल सुरक्षा बल ने कार्रवाई की। उप निरीक्षक योगेंद्र सिंह, आरक्षक पंकज सिंह एवं वाणिज्य विभाग के एसएमसी संजय जायसवाल की टीम ने स्टेशन एरिया, आउटर और यार्ड में चेकिंग की। इस दौरान 15 वेंडर बिना वैध अनुमति के खाद्य सामग्री बेचते पाए गए। प्लेटफॉर्म 6 और 1 के बाहर सर्कुलेटिंग एरिया में सात वेंडर बिना लाइसेंस ठेला लगाकर व्यापार करते मिले।

छह नम्बर प्लेटफॉर्म के गेट पर सौ से अधिक ऑटो घेर लेते हैं मुख्य मार्ग

# बेतरतीब पार्किंग से बिगड़ी स्टेशन की सूरत

XPOSE रिपोर्टर
xpose.jabalpur@epatrika.com

**जबलपुर.** मुख्य रेलवे स्टेशन के छह नम्बर प्लेटफॉर्म के गेट पर बेतरतीब पार्किंग और ऑटो-रिक्शा चालकों की मनमानी से अव्यवस्था का आलम है। इस कारण स्टेशन की सुंदरता बिगड़ने के साथ ही यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सौ से अधिक ऑटो रिक्शे सवारी लेकर आते-जाते हैं, लेकिन सवारी भरने की होड़ में चालक मुख्य मार्ग तक घेर लेते हैं। इससे आने-जाने वाले यात्रियों के लिए रास्ता बेहद संकरा हो जाता है। कई बार यात्रियों को अपने सामान के साथ भीड़ के बीच से निकलने में खासी मशक्कत करनी पड़ती है। इससे दुर्घटना की आशंका भी रहती है।

गौरतलब है कि ऑटो-रिक्शा के लिए मालगोदाम चौराहा और शंकरशाह रघुनाथ शाह स्मारक के पास पार्किंग चिह्नित है।

### नियमों की अनदेखी

चालक नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रहे हैं। मालगोदाम क्षेत्र से लेकर मुख्य स्टेशन परिसर तक अराजक हालात बने हुए हैं, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई नजर आती है। यह समस्या नगर निगम, रेलवे और यातायात विभाग तीनों से जुड़ी हुई है, लेकिन इनके बीच समन्वय की कमी साफ दिखाई देती है। किसी भी विभाग से सख्त कार्रवाई नहीं होने से हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

# गैस सिलेंडर के दाम में वृद्धि का विरोध

XPOSE रिपोर्टर
xpose.jabalpur@epatrika.com

**जबलपुर .** गैस सिलेंडर के दामों में की गई वृद्धि के विरोध में आम आदमी पार्टी ने बुधवार को भारत माता चौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान आरोप लगाया गया कि महंगाई से आम आदमी और छोटे व्यापारी प्रभावित हो रहे हैं। गैस सिलेंडर की कीमतों में इतनी बड़ी वृद्धि से होटल, ढाबा और रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों पर सीधा असर पड़ेगा। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रितेश सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण में विफल रही है। आम जनता की परेशानियों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन में प्रदेश संगठन मंत्री राम किशोर शिवहरे, प्रदेश सचिव पंकज पाठक और ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंद्रमणि वर्मा सहित कार्यकर्ता शामिल हुए।

# 'स्वच्छता संवाद' कार्यक्रम में शहर स्वच्छ रखने का लिया संकल्प

**जबलपुर @पत्रिका.** स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर को अग्रणी बनाने के लिए नगर निगम के साथ अब प्रबुद्ध वर्ग भी जुटा है। उक्त बातें कलेक्टर ने बुधवार को 'स्वच्छता संवाद' कार्यक्रम में कहीं। इसमें इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सैकड़ों पदाधिकारी सहित अन्य शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन नगर निगम ने किया।इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता सकारात्मक फीडबैक देने वाले नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण होगा।

HELPLINE

जबलपुर का सबसे भरोसेमंद सोलर पार्टनर
Mr. Solar
कोई झूठा वादा नहीं, सिर्फ सच
Pls call us on
6267100743
9644555001
कम बिजली बनने पर क्षतिपूर्ति हम करेंगे
विक्रय पश्चात् सर्वोत्तम वाशिंग एवं मेंटेनेंस सर्विस
सबसे तेज सब्सिडी प्रोसेसिंग
सर्टिफाइड प्रोडक्ट
Office - Mr. Solar & Co. 402, 4th Floor, Kaushalya Vihar Apartment, Near Bhanwartal Garden, Napier Town, Jabalpur

कार्डिया डायबिटिक एण्ड चेस्ट क्लीनिक
डॉ. पंकज क्षत्रिय
एम.डी. (मेडीसिन)
फोन : 0761-4923387, 9300949292
नेशनल हॉस्पिटल में 9.30 से 12.00 बजे तक मिलते हैं
शॉप नं. 10, सिद्धी विनायक प्लाजा, जबलपुर हॉस्पिटल के सामने (पुरानी बिल्डिंग), नेपियर टाउन, रसल चौक, जबलपुर
● बार-बार घबराहट बेचैनी होना। ● उच्च रक्त चाप रहना। ● सीने में भारीपन आना। ● पेट में सूजन रहना। ● सीने में दर्द रहना। ● जिनकी उम्र 45 वर्ष से अधिक है। ● मोटापा (ओबेसिटी)। ● जो हृदय रोग, ब्लड प्रेशर एवं डायबिटीज के मरीज हैं। ● पैरों में सूजन आना। ● यदि आपको बार बार पेशाब आती हो ● लम्बे समय से मधुमेह (शुगर) से पीड़ित होना। ● यदि आपको बार-बार पेशाब आती हो। ● सीढ़ियां चढ़ने में सांस फूलना। ● यदि आपको अधिक प्यास लगती हो एवं धुंधला दिखाई देता हो।

SPARK CONVENT SCHOOL
Kanchanpur (Nahar Ke Paas), Jabalpur
Vatsala Hill, Sainik Society, Shakti Nagar, Jabalpur
Free health check-up for all students every year
ADMISSION OPEN
MLM CONVENT English Medium School
Mahakaushal Nagar, Adhartal, Jabalpur
Required English Medium Staff
Mob. 9425868370, 9301133265

पहलगाम के गुनहगारों को आज ही मिली थी सजा: कई राजनेता और फौजी अधिकारी विदेश भागने की ढूंढने लगे थे जुगत

# जयहिंद की सेना... 'बिल' में छिपने की सोचने लगे थे पाकिस्तानी राष्ट्रपति

ऑपरेशन सिंदूर कुछ बात है हममें... भाग-4

**आनंद मणि त्रिपाठी@पत्रिका**
**नई दिल्ली.** भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' की धमक इतनी तेज थी कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी भी बंकर में छिपने पर विचार करने लगे थे। कई अधिकारी विदेश भागने की जुगत में थेलगे। भारतीय सेना ने जिन हथियारों का इस्तेमाल किया, आइए उनसे रूबरू होते हैं...

**ब्रह्मोस**
दुनिया की सबसे तेज सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइल, जिसकी मारक क्षमता अचूक है। सुखोई-30 से दागी गई इस मिसाइल ने पाकिस्तान के अंदर स्थित नूर खान एयरबेस सहित छह एयरबेस को निशाना बनाया। यह अपनी गति के कारण रडार की नजरों से ओझल रहने में सक्षम है।

**स्कैल्प मिसाइल**
यह एक सटीक लॉन्ग रेंज क्रूज मिसाइल है जिसने कई आतंकी बंकरों को नष्ट किया। यह इतनी सटीक है कि हमला करने से पहले लक्ष्य के फोटो का मिलान करती है।

**मिराज**
वायुसेना का यह पुराना लेकिन अत्यंत घातक योद्धा है। जीपीएस और लेजर गाइडेड बम सिस्टम से लैस यह जेट 60 किमी की दूरी से दुश्मन को तबाह करने की क्षमता रखता है।

**एल-70**
जबलपुर गन फैक्ट्री में तैयार इस ऑटोमैटिक एंटी-एयरक्राफ्ट गन ने कई हवाई हमलों को विफल किया। नाइट विजन लेंस से लैस यह गन एक मिनट में 300 गोलियां और एक सेकंड में पांच गोले दाग सकती है और 12 किमी तक प्रभावी है।

**राफेल**
**बालाकोट** संघर्ष के दौरान जिसकी कमी खली थी, इस बार के सैन्य संघर्ष में उसका जमकर प्रयोग किया गया। फ्रांस से खरीदे गए ये 36 जेट न केवल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं, बल्कि पाकिस्तानी जेएफ-17, जे-10 और एफ-16 इनके सामने कहीं नहीं ठहरते।

**एस-400 (सुदर्शन)**
10 मई 2025 को पाकिस्तान द्वारा पंजाब और राजस्थान के एयरबेस पर किए गए मिसाइल हमलों को इसी सिस्टम ने नाकाम किया। यह 300 किमी के दायरे में एक साथ कई लक्ष्यों को पहचान कर नष्ट कर सकता है।

**हैमर मिसाइल**
**बहावलपुर** जैसे मजबूत किलाबंद इलाकों को नष्ट करने के लिए यह बेहतरीन विकल्प साबित हुआ है। एक करोड़ की लागत वाली लेजर गाइडेंस सिस्टम से लैस यह मिसाइल 70 किमी की मारक क्षमता रखती है। यह 1000 किलो तक बम ले जाने में सक्षम है।

**आकाशतीर**
**इस** स्वदेशी स्वचालित वायु रक्षा प्रणाली ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में अहम भूमिका निभाई। यह सी4आइएसआर फ्रेमवर्क का हिस्सा है, जो दुश्मन के विमानों-ड्रोन का पता लगाकर दुनिया के किसी भी अन्य सिस्टम की तुलना में अधिक तेजी से कार्रवाई करता है।

**सुखोई-30**
यह वायु सेना का शक्तिशाली मल्टीरोल फाइटर जेट है। यह 3,000 किमी से अधिक की दूरी तक मिशन को अंजाम दे सकता है। पाकिस्तानी एयरबेसों पर तबाही मचाने वाली ब्रह्मोस मिसाइल को इसी जेट से दागा गया था।

**स्पाइस 2000 बम**
**इजरायली** तकनीक वाला यह बम अत्यंत तीव्र है। जीपीएस और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल गाइडेड सिस्टम की मदद से यह इन्फ्रारेड और विजिबल लाइट सेंसर के जरिए लक्ष्य को पहचान कर उसे पलक झपकते ही नष्ट कर देता है। वहीं, हैरोप ड्रोन ने पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को चकमा देकर सटीक स्ट्राइक की।

---

**उद्बोधन:** गीता के दर्शन से स्त्री-पुरुष संतुलन और आत्मा के स्वरूप पर दिया जोर

## स्त्री केवल शरीर नहीं, सृजन की दिव्य चेतना: कोठारी

फिक्की फ्लो की ओर से जयपुर में हुआ कार्यक्रम

**जयपुर.** कांस्टीट्यूशनल क्लब में हुए कार्यक्रम में उद्बोधन देते हुए गुलाब कोठारी और उपस्थित महिलाएं।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जयपुर.** पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने कहा कि स्त्री को केवल शरीर के रूप में समझना भारतीय दर्शन के मूल भाव के विपरीत है। उन्होंने कहा कि स्त्री सृजन की दिव्य चेतना है और उसके बिना देश, संस्कृति और मानवता का निर्माण संभव नहीं है। समाज को स्त्री की दिव्यता और उसके वास्तविक स्वरूप को पहचानना होगा, तभी सृजन और संतुलन संभव होगा।

कांस्टीट्यूशनल क्लब में बुधवार को फिक्की फ्लो की ओर से 'स्त्री संवेदना, सृजन, संशोधन और स्वाभिमान' विषय पर उद्बोधन देते हुए कोठारी ने कहा कि जब हम भगवद्गीता को पढ़ते हैं तो लगता है कि यह हमारे लिए ही लिखी गई है, लेकिन इसे जीवन में उतारना सबसे बड़ी चुनौती है। इससे पहले संस्थापक अध्यक्ष नीता बूचरा (जैन) ने फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर की गतिविधियों की जानकारी दी। संचालन सचिव स्वाति छाबड़ा ने किया।

### आज भी स्त्रियों की स्वतंत्रता सीमित

कोठारी ने सामाजिक संरचना पर भी चिंता जताते हुए कहा कि असंतुलन की जड़ हमारे घरों से शुरू होती है। भारतीय परिवारों में आज भी स्त्रियों की स्वतंत्रता सीमित है, जो समाज के संतुलन को प्रभावित करती है। कोठारी ने कहा कि जब तक हम स्वयं को शरीर के बजाय आत्मा के रूप में नहीं समझेंगे, तब तक गीता और जीवन के वास्तविक अर्थ को नहीं समझ पाएंगे।

### महिलाओं को मिले सवालों के जवाब

**Q** ***प्रियंका जोधावत (आरएएस): आपके विचारों में गहरी स्त्री-संवेदना व मातृत्व का भाव दिखाई देता है, इसकी प्रेरणा क्या है?***
**कोठारी:** मेरा पूरा चिंतन भारतीय दर्शन और भगवद्गीता से प्रेरित है। किसी भी ग्रंथ को समझने के लिए उसकी मूल भावना को अपने जीवन में उतारना जरूरी है। केवल व्याख्याओं पर निर्भर रहने से उसका वास्तविक अर्थ नहीं समझा जा सकता।

**Q** ***शकुंतला रावत (पूर्व मंत्री): समाज में सादगी, मर्यादा और संस्कारों का क्षरण हो रहा है। इसे फिर से कैसे स्थापित किया जा सकता है?***
**कोठारी:** इसके लिए सबसे पहले हमें जीवन को शरीर से परे समझना होगा। 'माया' वही शक्ति है, जो आत्मा को एक शरीर से दूसरे शरीर में ले जाती है और सृष्टि को संचालित करती है। हमें जीवन, विवाह और संबंधों को नए दृष्टिकोण से समझाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास करने होंगे।

**Q** ***सौम्या गुर्जर (पूर्व मेयर): समाज और परिवार के बीच संतुलन बनाते हुए बच्चों की उपेक्षा हो जाती है। ऐसे में क्या किया जाए?***
**कोठारी:** बच्चे हमारी संपत्ति नहीं हैं, वे अपनी इच्छा से हमारे जीवन में आते हैं। हमें उन्हें अपनी सोच के अनुसार ढालने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। माता-पिता के पास न तो पर्याप्त समय है और न ही धैर्य, जिससे वे बच्चों को सही संस्कार दे सकें। यदि माता अपने भीतर सच्चे मातृत्व भाव को जागृत कर ले, तो अधिकांश समस्याओं का समाधान स्वत: हो जाएगा।

---

**बंगाल का खेला:** वोट बंटने से हुआ नुकसान

## 82 सीटों पर नंबर-3 को जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिले

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**कोलकाता.** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजों में एक दिलचस्प ट्रेंड सामने रखा है। राज्य की कम से कम 82 सीटों पर तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों को जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिले। इसका मतलब यह है कि दूसरे और तीसरे स्थान के उम्मीदवारों के बीच वोटों का बंटवारा हुआ, जिसका सीधा फायदा जीतने वाले उम्मीदवार को मिला।

कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी बेहरमपुर सीट पर भाजपा से 17,548 वोटों से हार गए। यहां टीएमसी के उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें 49,586 वोट मिले। ये वोट जीत के अंतर से लगभग तीन गुना थे। कांग्रेस-टीएमसी के बीच वोट बंटने से भाजपा को फायदा हुआ। टीएमसी नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य दमदम नॉर्थ सीट पर जीत सकती थीं, अगर सीपीएम ने 38,428 वोट लेकर तीसरा स्थान न पाया होता। भाजपा ने यह सीट 26,404 वोटों से जीती। इसी तरह अरूप बिस्वास टॉलीगंज सीट पर भाजपा की पापिया अधिकारी को हरा सकते थे, लेकिन सीपीएम के 30,335 वोटों ने समीकरण बदल दिया। काशीपुर-बेलगाछिया सीट पर टीएमसी के अतिन घोष सिर्फ 1,651 वोटों से भाजपा के रितेश तिवारी से हारे, जबकि सीपीएम को यहां 11,151 वोट मिले। हालांकि, कुछ सीटों पर यही वोट बंटवारा टीएमसी के पक्ष में भी गया।

**इतिहास रचा** 
### पार्टी हारी, लेकिन 10वीं बार बने विधायक

**कोलकाता@पत्रिका.** भले ही पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस चुनाव में हार गई, लेकिन उसके 82 वर्षीय उम्मीदवार शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने बालीगंज सीट जीतकर इतिहास रच दिया। वह बंगाल के ऐसे एकमात्र विधायक बन गए हैं, जिन्होंने लगातार 10 बार विधानसभा चुनाव जीता है। शोभनदेब टीएमसी की स्थापना के समय से ही पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के करीबी सहयोगियों में से रहे।

---

**वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट 2026:** अमरीका में भारतीय प्रवासियों का दबदबा

## सबसे ज्यादा यूएई फिर यूएस जा रहे

### पैसा लाने में भारतीय अव्वल

**नई दिल्ली@पत्रिका.** दुनियभार में प्रवासन लगातार बढ़ रहा है और इसमें भारत की भूमिका बेहद अहम बनी हुई है। चाहे वह श्रमिकों के रूप में हो, छात्रों के रूप में या उच्च कौशल वाले पेशेवरों के रूप में, भारतीयों की पहुंच हर कहीं हैं। वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट 2026 के अनुसार, भारत के लोग सबसे ज्यादा संयुक्त अरब अमीरता (यूएई) और उसके बाद अमरीका में जाकर बस रहे हैं। भारत से जुड़े ये दो बड़े माइग्रेशन कॉरिडोर दुनिया के टॉप 10 में शामिल रहे...

### यूएई में 30 लाख से ज्यादा भारतीय

**भारत** से यूएई जाना दुनिया के पांचवां सबसे बड़ा माइग्रेशन है। यहां मुख्य रूप से प्रवासी श्रमिक जाते हैं। यूएई में 80 लाख से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रवासी रहते हैं, जो देश की आबादी का 74% हैं। इनमें भारतीयों की संख्या 30 लाख से अधिक है, जो सबसे बड़ी प्रवासी आबादी हैं।

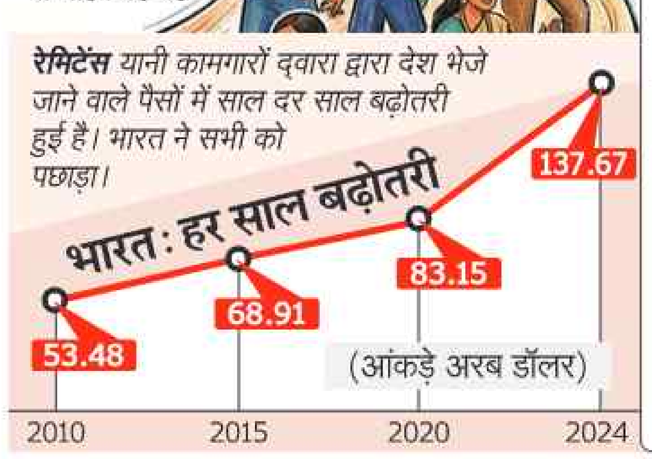


वैश्विक आबादी में अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों की हिस्सेदारी 1990 में **2.9%** से बढ़कर 2024 में **3.7%** हुई।

### दुनिया के सबसे बड़े माइग्रेशन कॉरिडोर

1. मेक्सिको से अमरीका: **करीब 1.1 करोड़ लोग**
2. अफगानिस्तान से ईरान: **37 लाख से अधिक संख्या**
3. सीरिया से तुर्किये: **35 लाख से अधिक**

### अमरीका में 32 लाख भारतीय प्रवासी

**भारत** और अमरीका माइग्रेशन कॉरिडोर दुनिया में छठे स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अमरीका में लगभग 32 लाख भारतीय प्रवासी रह रहे थे, जो वहां का दूसरा सबसे बड़ा विदेशी मूल का समूह है। पहले स्थान पर मेक्सिको के लोग हैं। हालांकि, अन्य एजेंसियों के अनुमान के मुताबिक, अमरीका में भारतीय मूल के लोगों की कुल संख्या करीब 50 लाख तक मानी जाती है। भारतीय समुदाय राजनीतिक रूप से भी सक्रिय भूमिका में है।

---

**रोबोट भी बुद्ध की शरण में:** दक्षिण कोरिया में पहले रोबोट भिक्षु ने ली दीक्षा

**सोल.** इंसान ही नहीं, रोबोट भी भगवान बुद्ध की शरण में पहुंच रहे हैं। दक्षिण कोरिया के पहले रोबोट भिक्षु ने बुद्ध जयंती से पहले सोल के एक बौद्ध मंदिर में भिक्षुओं के सामने खड़े होकर बौद्ध धर्म के प्रति स्वयं को समर्पित करने की प्रतिज्ञा ली। 130 सेंटीमीटर का रोबोट गाबी पारंपरिक वस्त्र पहनकर पहुंचा था।

### नीट-यूजी 2026: प्रोविजनल आसंर-की जारी

**कोटा @ पत्रिका.** मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 की प्रोविजनल उत्तरतालिकाएं (आंसर-की) बुधवार को जारी कर दी गई। प्रारंभिक विश्लेषण के अनुसार, किसी भी प्रश्न को बोनस नहीं दिया गया है और न ही किसी प्रश्न के एक से अधिक सही विकल्प पाए गए हैं।

---

### जैकेट के शेष...

**जस्टिस...**
इनके और भी कई विवाद हैं। दोनों अलग-अलग मामलों में विवादों में घिरे रहे हैं। गोयनका पर पूर्व में कोलकाता पुलिस छापेमारी कर चुकी है। आयकर छापों में भी नाम आया था। उनकी कंपनी निसर्ग इस्पात में कथित रूप से वित्तीय अनियमितता के आरोप लगे थे। पाठक भी एक अन्य केस में विवादों में रहे हैं। पाठक आरोप लगाते रहे हैं कि गोयनका उनके कर्मचारी थे। बाद में भरोसे का फायदा उठाकर कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए उनके परिवार के स्वामित्व वाली कई कंपनियों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। गोयनका ने पाठक पर साजिश रचने, हेराफेरी के आरोप लगाए हैं।

**हंस...**
**ज्यादातर नोट पुराने:** पुलिस के मुताबिक जब्त ज्यादातर नोट पुराने हैं। राशि का दावेदार अब तक सामने नहीं आया है। दूसरी ओर पुलिस का दावा है कि फिलहाल हवाला की रकम होने का लिंक नहीं मिला है।
**डीआरआइ को मिली थी सूचना:** राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआइ) ने तस्करी की सूचना पर छापेमारी की। मामले को जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जाता है कि इंदौर स्थित मुख्यालय से नोटों से सूचना मिली थी। नोट असली होने और कोलकाता से दिल्ली ले जाने की जानकारी मिलने पर टीम लौट गई।

**पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी खमरिया, जबलपुर**
P.M. SHRI KENDRIYA VIDYALAYA, ORDNANCE FACTORY, KHAMARIA, JABALPUR-482005(MP)
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त निकाय)
AN AUTONOMOUS BODY UNDER MINISTRY OF EDUCATION, GOVT. OF INDIA
Web Address: https://khamariaof.kvs.ac.in
E-mail: khamariajbp@kvsrojabalpur.in, ofkhamariakv@gmail.com
Phone (Off.) 0761.2337853, 2743746
CBSE Affiliation No. 1000020, School No. 54097
K.V. Code-1563, Station Code-300, Region Code-12, DISE CODE-23390224523
एफ.01/केवि/आनिख(जबल)/2025-26/ दिनांक : 06/05/2026
**प्रवेश सूचना (सत्र- 2026-27), (कक्षा- 11वीं)**
कक्षा 11वीं में वाणिज्य संकाय में कुछ रिक्तियां शेष हैं प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी (प्रथम 10th बोर्ड परीक्षा परिणाम -2026 के आधार पर) के.वि. संगठन प्रवेश मार्गदर्शिका 2026-27 के अनुसार पंजीकरण फॉर्म विद्यालय में दिनांक 07.05.2026 से 11.05.2026 तक प्रातः 09 बजे से 01 बजे तक विद्यालय के कार्य दिवस में उपस्थित होकर एक ऑप्शन फॉर्म (OPTION FORM) के साथ विद्यालय से प्राप्त कर इसे भरकर जमा करें। प्रवेश सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए विद्यालय के वेबसाइट https://khamariaof.kvs.ac.in पर संपर्क करें।
नोट : प्रवेश पूर्णतः केंद्रीय विद्यालय संगठन की प्रवेश मार्गदर्शिका 2026-27 के नियमों के तहत किया जायेगा।
दिनांक : 06/05/2026 अमित श्रीवास्तव, प्राचार्य

**राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.)**
RAJA SHANKAR SHAH UNIVERSITY, CHHINDWARA (M.P)
क्रं.1868 दिनांक : 06/05/2026
**// प्रवेश सूचना //**
राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.) द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
1. पीएच-डी. पाठ्यक्रम (सत्र 2025-26) विषय (वनस्पतिशास्त्र, प्राणीशास्त्र, भौतिकशास्त्र, जैवप्रौद्योगिकी, गणित, रसायनशास्त्र, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, राजनीति शास्त्र, हिन्दी, अर्थशास्त्र, इतिहास, वाणिज्य)
2. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27) एल. एल. एम (Constitution and Legal Order, Criminal Law), एम.ए. योगा
3. स्नातक पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27) - बी.एससी. बी.ए., बी.फार्मा, बी.टेक. इन एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, बी. टेक इन कम्प्यूटर साइंस, बी.ए.एल.एल.बी. ऑनर्स, बी.एससी./बी.कॉम/बी.ए. एविएशन
उपरोक्त सभी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन फॉर्म एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuc.ac.in) पर उपलब्ध है। ऑनलाईन आवेदन दिनांक 11/05/2026 से दिनांक 30/05/2026 तक भरे जा सकते है।
**नोट** - बी. फॉर्मा, बी.ए. एलएल. बी. ऑनर्स एवं बी.एससी./बी.कॉम/बी.ए. एविएशन पाठ्यक्रमों मे प्रवेश नियामक संस्था से मान्यता प्राप्त होने पर किये जा सकेंगें।
कुलसचिव

---

**समझौते की ओर:** होर्मुज पर यूएन से मांगी मदद

## ऑपरेशन एपिक फ्यूरी खत्म, लेकिन ट्रंप ने फिर दी धमकी

**वाशिंगटन/ तेहरान.** अमरीका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले के साथ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी की शुरुआत की थी। अब अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि ईरान के खिलाफ यह ऑपरेशन खत्म हो गया है। हम नहीं चाहते जंग की स्थिति दोबारा बने। हमने जो लक्ष्य तय किए थे वो पूरे हो गए हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रूबियो ने कहा कि ईरानी शासन को यह तय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती कि इस अहम जलमार्ग का इस्तेमाल कौन करेगा।

**राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय**
NAAC A++ | nirf | Category-I University | QS ASIA 2026
**संविदात्मक पद**
1. परियोजना प्रबंधक* -1
2. चिकित्सा अधिकारी (पुरूष एवं महिला) - प्रत्येक पद -1
3. दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के लिए सहायक आचार्य -3
4. DACE कार्यक्रम के लिए संकाय-1
अधिक जानकारी के लिए **www.curaj.ac.in** देखें।
*परियोजना पूर्णता तक।
कुलसचिव

**सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया**
**Central Bank of India**
क्षेत्रीय कार्यालय- शहडोल
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित (CBI-SUAPS) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया सामाजिक उत्थान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित वित्तीय साक्षरता सलहकार केंद्र FLCC शहडोल, अनूपपुर एवं डिंडोरी क्षेत्र में निम्न पदो पर संविदा आधार पर एक वर्ष के लिए आवेदन पत्र निम्नानुसार आमंत्रित किये जाते हैं -

| क्र. स. | पदों पर नियुक्ति | पदों की संख्या | आवेदक |
|---|---|---|---|
| 1. | परामर्शदाता, वित्तीय साक्षरता केंद्र (FLC) - जिला अनूपपुर | FLCC ANUPPUR 01 | मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो |
| 2. | परामर्शदाता, वित्तीय साक्षरता केंद्र (FLC) - जिला डिंडोरी | FLCC DINDORI 01 | मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो |
| 3. | परामर्शदाता, वित्तीय साक्षरता केंद्र (FLC) - जिला शहडोल | FLCC SHAHDOL 01 | मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो |
| | Total | 03 | |

आवेदन के प्रारूप, परिलिब्धियाँ, आयु, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव की विस्तृत जानकारी के लिए बैंक की वेबसाइट https://www.centralbank.bank.in का अवलोकन करें। आवेदन पत्र बैंक की वैबसाइट से डाउन लोड किया जा सकता है पूर्णतया भरे हुये आवेदन हमारे कार्यालय के निम्न पते में प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख दिनांक 22/05/2026, 05:00PM है.
पता: क्षेत्रीय प्रमुख सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल लक्ष्मी टावर द्वितीय फ्लोर नया बस स्टैंड रोड शहडोल. PIN 484001
आवेदन देने की अन्तिम तिथि 22/05/2026 सांय 5.00 बजे तक है।
मुख्य प्रबंधक - सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल
Date - 07/05/2026

**100+ PROGRAMS OFFERED**
- BBA (Hons.) | B. Com. (Hons.) MBA
- B. Tech. | M. Tech. BCA | MCA
- B.A. LL. B. (Hons.) B.B.A. LL. B. (Hons.) LL. B. | LL. M.
- BA (Hons.) | B. Sc. (Hons.) BFA | MA | M. Sc.
- B. Des.
- MPA

Ph. D. & Postdoctoral Programs

Also for Integrated Deep Tech School
**Alliance University - Quantum AI School for Advanced Research (AU-QUASAR)**
**B. Tech.** in CSE (Quantum Computing & Technologies)
**B. Tech.** in Robotics & Artificial Intelligence
**B. Tech.** in Cyber-Physical Systems
**B. Tech.** in AI & Machine Learning
AU-QUASAR
Electronics City Phase 1, Bengaluru
Powered by Quantum Computer | NVIDIA. GPUs
₹22 Crores Worth Scholarships | Student Start-Up Grant ₹10 Crores

Graduate and join a family of **32,000+** Alliance alumni recruited by Fortune Global 500 and other top-notch companies such as: **Amazon, ANZ, Bosch, Capgemini, Cavinkare, Deloitte, Goldman Sachs, Hewlett Packard Enterprise, McAfee Software, Microsoft Corporation, Morgan Stanley, Oracle, Philips, Saint Gobain, Tata Consultancy Services, and many more.**

75+ High End Labs and Centres of Excellence | 100+ Partnerships with Foreign Institutes for Student Mobility | 400+ Corporate Mentors from Leading Enterprises | 1,000+ Recruitment and Internship Partners | ₹60.1 LPA Highest Package

**Alliance University**, Chandapura - Anekal Main Road
Bengaluru - 562106, Karnataka, India
+91 96200 09825 / 99002 29974 / +91 80 4619 9000-9100
enquiry@alliance.edu.in @allianceuniofcl
APPLY NOW

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर



पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

# अदालतों में लंबित मामलों के निपटारे की हो तय सीमा

केंद्रीय कैबिनेट की ओर से सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का निर्णय न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम कहा जाएगा। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआइ) सहित जजों की कुल संख्या 33 से बढ़ाकर 38 किए जाने से लंबे समय से लंबित मामलों के बोझ को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। देश की सर्वोच्च अदालत में हजारों मुकदमे लंबित हैं, जिनकी समय पर सुनवाई और निपटारा न्याय की मूल भावना के लिए आवश्यक है। पिछले साल के अंत में ही लोकसभा में सरकार ने एक सवाल के जवाब में बताया था कि सुप्रीम कोर्ट व राज्यों के उच्च न्यायालयों में दस साल से ज्यादा अवधि के मामले भी बड़ी संख्या में लंबित चल रहे हैं।

भारतीय न्याय प्रणाली लंबे समय से न्याय में देरी, न्याय से वंचित करना जैसी आलोचनाओं का सामना करती रही है। अदालतों में बढ़ते मामलों का दबाव न केवल जजों पर अतिरिक्त बोझ डालता है, बल्कि इससे आम नागरिकों को भी वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। यह बात भी सही है कि केवल सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। देश की न्याय व्यवस्था की जड़ें निचली अदालतों में हैं, जहां सबसे अधिक मामले लंबित रहते हैं। जिला और अधीनस्थ अदालतों में बड़ी संख्या में जजों के पद खाली हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। यदि इन पदों को शीघ्रता से भरा जाए, तो निचले स्तर पर ही मामलों का निपटारा तेजी से हो सकेगा और उच्च अदालतों पर दबाव भी कम होगा। इसके अलावा न्यायिक व्यवस्था में तकनीक का समुचित उपयोग भी समय की मांग है। ई-कोर्ट, वर्चुअल सुनवाई, डिजिटल फाइलिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों का प्रभावी इस्तेमाल न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और सुलभ बना सकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान वर्चुअल कोर्ट की सफलता ने यह साबित किया है कि तकनीक न्याय प्रणाली को आधुनिक और सक्षम बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह एक ऐसा मुद्दा है, जो सीधे तौर पर नागरिकों के अधिकारों और विश्वास से जुड़ा हुआ है। न्यायपालिका में सुधार के लिए सरकार, न्यायालय और संबंधित संस्थाओं को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे। इसके लिए केवल नीतिगत घोषणाएं ही नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है।

न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल व कम जटिल बनाने की दिशा में भी ठोस प्रयास करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का निर्णय स्वागतयोग्य है, लेकिन इसे व्यापक न्यायिक सुधारों की दिशा में एक शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि निचली अदालतों में रिक्त पदों को भरा जाए और तकनीकी सुधारों को तेजी से लागू किया जाए, तो देश की अदालतों और जजों का बोझ कम हो सकता है।

**चुनाव परिणाम:** तीन राज्यों में सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक संदेश ज्यादा दूरगामी

# जनादेश का बदलता संदेश, राजनीति के नए संकेत

राजकुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक
@patrika.com

*2021 में दिया 200 पार का नारा भाजपा ने इस बार वाकई सच कर दिखाया और ममता बनर्जी को उनकी परंपरागत सीट भवानीपुर से हराते हुए तृणमूल को मात्र 81 सीटों पर समेट दिया। बेशक बंगाल की जीत भाजपा के लिए ऐतिहासिक है, लेकिन असम में सत्ता की हैट्रिक भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है।*

चुनाव सत्ता के दावेदारों की हार-जीत तय करता है, तो कुछ राजनीतिक संदेश भी देता है। हाल में संपन्न एक केंद्रशासित प्रदेश समेत पांच राज्यों के चुनाव परिणामों ने तीन राज्यों में सत्ता परिवर्तन कर दिया, लेकिन राजनीतिक संदेश ज्यादा दूरगामी है। पांच राज्यों का जनादेश जहां दक्षिणपंथी भाजपा के विस्तार का संकेत दे रहा है, वहीं वामपंथी राजनीति की सत्ता से विदाई पर भी मुहर लगा रहा है। मध्यमार्गी राजनीति की प्रासंगिकता के संघर्ष का संदेश भी इसमें पढ़ा जा सकता है।

इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के माने जा रहे थे, जहां 15 साल से तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी मुख्यमंत्री थीं। 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को उखाड़कर सत्ता हासिल करने वाली ममता अजेय नजर आने लगी थीं। बेशक पिछले चुनाव में लगभग 38 प्रतिशत मतों के साथ 77 सीटें जीतकर भाजपा ने कड़ी चुनौती पेश की थी, लेकिन तृणमूल को इस बार इस तरह सत्ता से बेदखल कर देगी, इसकी उम्मीद शायद ही किसी को रही होगी। अपने पितृपुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गृह राज्य में 75 साल लंबे इंतजार के बाद सत्ता का सपना साकार होना भाजपा के लिए एक बड़ी चुनावी सफलता है।

इस सफलता में 15 साल के ममता शासन के विरुद्ध सत्ताविरोधी भावना और भाजपा की जमीनी मेहनत निर्णायक बनी या एसआइआर की विवादित प्रक्रिया, यह बहस लंबी है। एसआइआर और चुनाव प्रक्रिया में केंद्रीय सुरक्षा बलों की अभूतपूर्व भूमिका से चुनाव चोरी का आरोप लगाते हुए ममता द्वारा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार से उत्पन्न जटिल स्थिति का समाधान तो राज्यपाल आर. एन. रवि को करना है, जिन्हें विधानसभा चुनाव से कुछ ही पहले तमिलनाडु से वहां भेजा गया, लेकिन विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख के लिए यह शुभ संकेत नहीं। 2021 में दिया 200 पार का नारा भाजपा ने इस बार वाकई सच कर दिखाया और ममता बनर्जी को उनकी परंपरागत सीट भवानीपुर से हराते हुए तृणमूल को मात्र 81 सीटों पर समेट दिया।

बेशक बंगाल की जीत भाजपा के लिए ऐतिहासिक है, लेकिन असम में सत्ता की हैट्रिक भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। भाजपा मत प्रतिशत और सीटों दोनों में बढ़त बनाने में सफल रही है जबकि कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ा। बंगाल और असम के चुनाव परिणाम इसलिए खास हैं कि दोनों ही राज्यों में मुस्लिम आबादी भाजपा विरोधी दलों के पक्ष में मतदान करने के लिए जानी जाती है। भाजपा ने तीसरी जीत पुदुचेरी में हासिल की है। पुदुचेरी की जीत राष्ट्रीय समीकरण की दृष्टि से इन चुनाव परिणामों के स्कोर को 3-1 से राजग के पक्ष में झुका देती है, जो पहले विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के पक्ष में 3-2 से झुका हुआ था।

बेशक हर चुनाव में सरकार बदल देने की परंपरा केरल ने 2021 में तोड़ दी थी, जब मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के नेतृत्व में वामपंथी एलडीएफ ने और भी ज्यादा सीटें जीतते हुए सत्ता बरकरार रखी, लेकिन इस बार कांग्रेसनीत यूडीएफ की जीत के संकेत मिल रहे थे। फिर भी ऐसे प्रचंड बहुमत की उम्मीद खुद यूडीएफ ने भी नहीं की होगी। कांग्रेस ही इस बार 42 सीटें ज्यादा जीत गई। केरल का यह जनादेश एक दशक बाद सत्ता परिवर्तन से भी ज्यादा अहम इसलिए है कि भारत की सत्ता राजनीति में वामपंथ का अंतिम दुर्ग भी ढह गया है।

पश्चिम बंगाल के बाद सबसे चौंकाने वाले चुनाव परिणाम तमिलनाडु ने दिए हैं, जहां थलापति विजय की लहर ने द्रविड़ राजनीति के छह दशक पुराने दुर्ग को ध्वस्त कर दिया। बेशक तमिलनाडु में फिल्मी सितारों की राजनीति की परंपरा रही है। अन्नाद्रमुक के एमजी रामचंद्रन और जयललिता का जादू तो सिर चढ़ कर बोला। विजय की नई नवेली पार्टी टीवीके का पहले ही चुनाव में विधानसभा की 234 में से 108 सीटें जीत जाना उनकी 'जन नायक' की छवि पर मुहर लगाता है। विजय के मुख्यमंत्री बनने में तो कोई संदेह नहीं, पर बहुमत के लिए जरूरी 118 का आंकड़ा पाने के लिए किसका समर्थन लेंगे, यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा। कांग्रेस समेत छोटे दलों के समर्थन से भी यह आंकड़ा जुटाया जा सकता है, लेकिन सरकार पर दबाव और अस्थिरता की तलवार लटकी रहेगी।

जनादेश के बाद अब राजनीतिक दलों के नेतृत्व की परीक्षा होगी कि वे किसे मुख्यमंत्री या नेता प्रतिपक्ष चुनते हैं। बंगाल में तृणमूल से आए सुवेंदु अधिकारी ही ममता को आक्रामक चुनौती देते दिखे, लेकिन भाजपा अप्रत्याशित चयन के लिए ज्यादा जानी जाती है। असम में हिमंता को दूसरी पारी मिलने में संदेह का कोई कारण नहीं दिखता। पुदुचेरी में रंगासामी ही राजग के नेता हैं। हां, केरल में कांग्रेस के लिए नए मुख्यमंत्री का चयन आसान नहीं होगा। कम-से-कम तीन दावेदार हैं रमेश चेन्निथला, के सी वेणुगोपाल और वी डी सतीशन। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केरल में नेता प्रतिपक्ष और गृह मंत्री भी रह चुके चेन्निथला सबसे अनुभवी हैं। इस चुनाव में भी अभियान समिति के अध्यक्ष वही थे। दूसरी ओर निवर्तमान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सतीशन 2011 से लगातार विधायक हैं, जबकि मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय ऊर्जा और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री रह चुके वेणुगोपाल की राहुल गांधी से निकटता किसी से छिपी नहीं है।

**बुक इनसाइट**

## एज ऑफ वॉइस

एज ऑफ वाइस लेखिका दीप्ति कपूर का ऐसा उपन्यास है, जो शुरुआत से ही पाठकों को अपनी गिरफ्त में ले लेता है। कहानी की शुरुआत दिल्ली की सड़क पर हुए एक भयानक हादसे से होती है, जहां तेज रफ्तार मर्सिडीज पांच लोगों को कुचल देती है। इस घटना के बाद कहानी धीरे-धीरे भारत के एक ताकतवर अपराधी परिवार की खतरनाक दुनिया का पर्दा खोलती है। यह सिर्फ एक क्राइम थ्रिलर नहीं बल्कि सत्ता, पैसा, लालच, राजनीति और सामाजिक असमानता की गहरी पड़ताल भी है। यह किताब हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि पैसा और ताकत इंसान को कितना बदल सकते हैं।

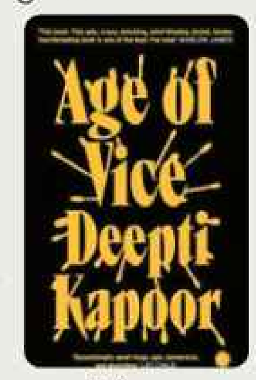


**प्रसंगवश**

## कंधे पर शव, सिस्टम की संवेदनहीनता

**प्रदेश में शव ढोने की घटनाएं व्यवस्था की विफलता उजागर कर रही हैं। योजनाओं के बावजूद जवाबदेही तय नहीं हो पा रही है।**

मध्यप्रदेश में मौत अब सिर्फ जीवन का अंत नहीं रह गई है, बल्कि यह व्यवस्था की विफलताओं का सबसे निर्मम प्रदर्शन बनती जा रही है। जिन कंधों पर किसी इंसान की अंतिम यात्रा की गरिमा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है, वही पार्थिव देह की बेकद्री देखने के आदी होते जा रहे हैं। तस्वीरें बार-बार सामने आती हैं कि कोई अपनों के शव को चादर में लपेटकर ले जा रहे हैं, तो कहीं किसी गरीब परिवार को खटिया या बाइक पर शव ढोने को मजबूर होना पड़ रहा है। सवाल यह नहीं कि ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं, सवाल यह है कि आखिर कब तक होती रहेंगी? सरकार ने कागजों में संवेदनशीलता दिखाई। शव वाहन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, योजनाएं बनीं, बजट स्वीकृत हुए और फाइलों में सब कुछ दुरुस्त भी दिखता है। लेकिन जमीनी सच्चाई उन कागजों का मजाक उड़ा रही है। यदि निर्देश दिए गए थे, तो वे लागू क्यों नहीं हुए? अगर वाहन उपलब्ध हैं, तो मौके पर क्यों नहीं पहुंचते? और अगर नहीं हैं, तो जिम्मेदार कौन है? असल समस्या सिर्फ संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी के अभाव की है। सरकारी तंत्र में जवाबदेही का जो ढांचा होना चाहिए, वह या तो ढह चुका है या जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है। हर घटना के बाद औपचारिक जांच, बयानबाजी और आश्वासन यही अंतिम सत्य है, कार्रवाई किसी पर नहीं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस तरह की घटनाएं धीरे-धीरे सामान्य बनती जा रही हैं। यह संवेदनहीनता का सबसे खतरनाक चरण होता है, जब समाज और सिस्टम दोनों ही इन दृश्यों को देखकर चुप रहना सीख लेते हैं। लेकिन क्या हम सचमुच इतने असंवेदनशील हो चुके हैं कि किसी की अंतिम यात्रा की बेकद्री भी हमें विचलित नहीं करती? स्पष्ट निर्देश हैं कि हर जिला अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र में शव वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जरूरत पड़ने पर निजी संसाधनों का भी उपयोग किया जा सकता है। लेकिन नियमों का यह पाठ शायद सिर्फ दिखाने के लिए है, क्योंकि जमीनी स्तर पर उनका पालन न के बराबर है। इसका सीधा अर्थ है या तो प्रशासन को इन नियमों की परवाह नहीं, या फिर वह जानबूझकर आंखें मूंदे हुए है। अब वक्त आ गया है कि इस संवेदनहीनता पर कठोर प्रहार हो। हर घटना पर जिम्मेदारी तय हो, दोषियों पर कार्रवाई हो।

-राजेंद्र गहरवार

**जयंती आज**

## भारतीय नवजागरण के महाकवि टैगोर

वेदव्यास

सांस्कृतिक पुनर्जागरण के महाकवि रवींद्रनाथ टैगोर पुनर्जागरण के ऐसे घोषणा-पत्र हैं, जिन्हें कभी समय, समाज और मनुष्य के विकास से अलग करके देखना नितांत असंभव है। जिस तरह सूर, कबीर, तुलसी को भारत की आत्मा का कवि मानकर गाया गया है, उसी प्रकार रवींद्रनाथ टैगोर को भी आज केवल बांग्लाभाषी लोग अपनी जीवन-संस्कृति का उदयगान समझकर जन्म से मृत्यु तक घर-घर में गाते-सुनते हैं। 7 मई 1861 को अविभाजित बंगाल में रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म एक जागीरदार परिवार में हुआ था। 80 वर्ष की जीवनधारा में रवींद्रनाथ टैगोर ज्ञान और मानव विकास के ऐसे प्रेरणा स्रोत हैं कि पूरी मानवता आज उन्हें विश्वकवि और विश्व मानवता की प्रेरणा के रूप में जानती है।

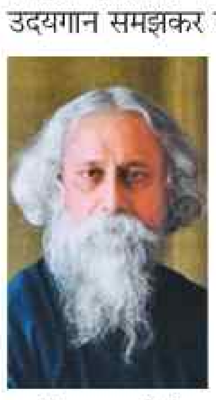

रवींद्रनाथ टैगोर

विस्तृत आलेख पढ़ने के लिए **क्यूआर कोड स्कैन करें**

जिस तरह अंग्रेजी में शेक्सपियर दुनिया का सबसे पठित और अनूदित रचनाकार है, उसी तरह भारतीय भाषाओं के रचनाकारों में रवींद्रनाथ टैगोर दिग-दिगंत के गायक हैं। राजस्थानी में जो स्थान गौरव मीरा बाई को, मराठी में तुकाराम, खड़ी बोली में कबीर और तुलसी को तथा दक्षिण भारत में तिरुवल्लुवर और त्यागराजा को प्राप्त है, वही महत्त्व बांग्लाभाषा में आज भी कविवर रवींद्रनाथ टैगोर को हासिल है।

रवींद्रनाथ टैगोर भले ही किसी जागीरदार के घर में पैदा हुए हों तथा संपन्न हों, लेकिन उनका पूरा मन, वचन और कर्म मनुष्य और प्रकृति को समर्पित था। वह विश्व मानवता की खोज के पथ-प्रदर्शक समझे जाते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर ने ही भारत की खोज की तरह मनुष्य में मानवता की खोज का काम किया था। यह वह समय था जब दुनिया में दो विश्वयुद्ध नहीं हुए थे और औद्योगिकीकरण का युग नहीं आया था। इस दौर में भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार रवींद्रनाथ टैगोर की कविता ही थी, जो अध्यात्म, प्रकृति और मनुष्य के बीच लोक-परलोक की दिशा बनाती थीं। 1913 में साहित्य के लिए पहला नोबेल पुरस्कार रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी कृति 'गीतांजलि' पर मिला था। बंगाल के लिए रवीन्द्रनाथ एक कविंद्र हैं और रवींद्र संगीत आज वहां के घर-घर में आत्मगौरव और पहचान की अनिवार्यता है।

**क्रॉनिकल्स ऑफ जॉर्जिया:** विशाल स्मारक पर उकेरी इतिहास की गाथा

*__जॉर्जिया__ की राजधानी त्बिलिसी में क्रॉनिकल्स ऑफ जॉर्जिया एक ऐसा स्थान है जो देखने में ऐसा लगता है कि मानो किसी काल्पनिक या पौराणिक दुनिया से निकला हो। यह एक विशाल स्मारक है, जिसे 1985 में प्रसिद्ध जॉर्जियाई मूर्तिकार जुराब त्सेरेतेली ने बनाया था। इसमें ऊंचे-ऊंचे स्तंभ हैं, जिन पर जॉर्जिया का इतिहास, राजाओं, योद्धाओं और धार्मिक कथाओं को उकेरा गया है। स्मारक के ऊपरी हिस्से में जॉर्जिया के राजाओं और ऐतिहासिक घटनाओं को दर्शाया गया है, जबकि निचले हिस्से में ईसाई धर्म से जुड़ी कहानियां दिखाई गई हैं। यह जगह त्बिलिसी समुद्र के पास स्थित है, जहां से आसपास का दृश्य बेहद खूबसूरत दिखाई देता है और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।*

**दृष्टिकोण** हमारे देश में 26.7 करोड़ लोग करते हैं तंबाकू का सेवन

# स्वास्थ्य के साथ आर्थिक नुकसान भी दे रहा तंबाकू

रोहित कौशिक
स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार
@patrika.com

भारत में तंबाकू खाने के कारण लोग न केवल गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं, बल्कि परिवारों की आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो रही है। हाल ही में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च और मुंबई के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के शोधकर्ताओं ने भारत में तंबाकू सेवन के आर्थिक प्रभावों पर एक शोध किया है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित इस शोध के अनुसार, भारत में तंबाकू सेवन करने वाले 80 प्रतिशत लोग निम्न और मध्यम आय वर्ग से हैं।

हमारे देश में 26.7 करोड़ लोग तंबाकू खाते हैं। सबसे गरीब परिवार तंबाकू पर अपनी मासिक आय का 6.4 फीसदी हिस्सा खर्च कर देते हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति पर असर पड़ता है और घर का बजट बिगड़ जाता है। गांव में रहने वाले लोगों का तंबाकू पर खर्च 7 फीसदी है। अगर ये लोग तंबाकू खाना छोड़ दें, तो देश के कुल परिवारों में से 10.6 प्रतिशत परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है और इससे बचने वाले धन से देश के 2.04 करोड़ परिवारों की आर्थिक हालत सुधर सकती है।

दरअसल, तंबाकू के पैकेटों पर यह चेतावनी लिखी होती है कि तंबाकू खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अक्सर सरकार द्वारा सिनेमा हॉल में विज्ञापनों के माध्यम से यह बताया जाता है कि तंबाकू से कैंसर हो सकता है। इसके बावजूद लोग धड़ल्ले से इसका सेवन करते हैं। हालांकि स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है लेकिन निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोग अभी भी पूरी तरह जागरूक नहीं हैं।

सवाल यह है कि तंबाकू खाने की लत कैसे लगती है? शुरू में दोस्तों के कहने पर या शौक में तंबाकू खाया जाता है। धीरे-धीरे इसकी आदत बन जाती है। इस प्रक्रिया के पीछे शारीरिक कारणों से अधिक मनोवैज्ञानिक कारण होते हैं। कई बार उच्च आय वर्ग के पढ़े-लिखे लोग भी इस लत की गिरफ्त में आ जाते हैं। उन्हें लगता है कि तंबाकू सेवन से वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। जब शरीर को तंबाकू की आदत हो जाती है, तो शरीर भी इसके प्रति संवेदनशील हो जाता है।

निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोग अपने संघर्षों में इस कदर उलझे रहते हैं कि उन्हें तात्कालिक तौर पर शरीर की समस्याएं समझ में नहीं आतीं। यही कारण है कि वे तंबाकू खाकर अपने तनाव से लड़ने का भ्रम पाल लेते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि इससे उनके संघर्ष कम नहीं होते, बल्कि और बढ़ जाते हैं। भारत में हर साल तंबाकू के कारण होने वाली बीमारियों से लगभग 13.5 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। तंबाकू शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है, जिससे परिवार पर मानसिक और आर्थिक प्रभाव पड़ता है। यह लत गरीब परिवारों के लिए अभिशाप बन जाती है, क्योंकि आय का हिस्सा इलाज में खर्च होता है।

विदेशों में इस समस्या पर सख्ती बरती जा रही है। ब्रिटेन में नया कानून लाकर नई पीढ़ी को धूम्रपान से दूर रखने का प्रयास किया गया है, जिसके तहत 1 जनवरी 2009 के बाद जन्मे लोगों को तंबाकू उत्पाद नहीं बेचे जाएंगे। अब जरूरत है कि भारत में भी तंबाकू और धूम्रपान पर सख्त नियम लागू किए जाएं, ताकि नई पीढ़ी को भी शारीरिक और आर्थिक समस्याओ से मुक्ति मिल सके।

**फैक्ट फ्रंट**

## कॉर्क ओक ट्री

कुछ पेड़ ऐसे होते हैं जो सिर्फ छाया या लकड़ी ही नहीं देते बल्कि अपने खास गुणों से लोगों को चौंका भी देते हैं। ऐसा ही एक पेड़ है 'कॉर्क ओक ट्री'। जो मुख्य रूप से स्पेन, पुर्तगाल और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी मोटी और मुलायम छाल से कॉर्क बनाया जाता है। यह कार्बन डाई आक्साइड को सोख कर वातावरण को स्वच्छ बनाने में मदद करता है। यह हल्का, पानीरोधी और आग से सुरक्षित माना जाता है।

**आपकी बात**

### राइट टू स्किल हो लागू

**वर्तमान** समय कौशल विकास का है। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सरकार को युवाओं की कौशल के प्रति रुचि जानने तथा उनकी दक्षता का आकलन करने के लिए स्किल सेंसस कराना चाहिए, ताकि उनकी रुचि के अनुरूप कौशल विकसित कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही राइट टू स्किल को लागू किया जाना चाहिए। **अमित दीवान**, भोपाल

### अपनाएं वर्षा जल संचयन के उपाय

**जल** का अत्यधिक दोहन होने के कारण पानी की किल्लत लगातार बढ़ती जा रही है। भूजल स्तर तेजी से नीचे गिर रहा है और कई क्षेत्रों में जल संकट गंभीर रूप ले चुका है। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में जल संकट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि हम वर्षा जल संचयन के उपाय अपनाएं। साथ ही समझें कि जल ही जीवन है। **प्रियव्रत चारण**, जोधपुर

**समसामयिक विषयों पर पाठकों के विचार आमंत्रित है। चुनिंदा विचार प्रकाशित किए जाएंगे।**
ईमेल करें: edit@epatrika.com

**ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ आज** पीएम मोदी ने कहा था, जवाबी कार्रवाई को केवल स्थगित किया है

# पाकिस्तान का दोहरा खेल और भारत को सतर्कता की जरूरत

अरुण जोशी
दक्षिण एशियाई कूटनीतिक मामलों के जानकार
@patrika.com

देश ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस सैन्य अभियान ने 7 मई 2025 की तड़के शुरुआत के महज 22 मिनट के भीतर पाकिस्तान के आतंकवादियों और उनके आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया था। एक वर्ष बाद, ऑपरेशन सिंदूर केवल सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों की अद्‌भुत वीरता और रणनीतिक विजय का प्रतीक भर नहीं रह गया है, बल्कि यह आतंकवाद के पीड़ितों को न्याय दिलाने और प्रतिशोध लेने की भारतीय शैली का घोष बन चुका है। फिर भी, बीते एक वर्ष में केवल पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के संदर्भ में भी कई नई चुनौतियां उभरकर सामने आई हैं।

कुछ समय पहले तक यह धारणा थी कि ऑपरेशन सिंदूर केवल पहलगाम के निकट बैसरन घाटी में हुए भीषण आतंकी हमले की प्रतिक्रिया थी। हालांकि यह सच भी है, क्योंकि दक्षिण कश्मीर के इस विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल के पास हुए हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। लेकिन पीछे मुड़कर घटनाओं पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि यह एक बहुआयामी अभियान था। इसका उद्देश्य पाकिस्तान और उसके आतंकी नेटवर्क को उस दुस्साहस का सबक सिखाना था, जो उन्होंने कश्मीर में 26 नागरिकों की हत्या करके किया था। मारे गए लोगों में ज्यादातर पर्यटक थे, जिन्हें उनके धर्म के आधार पर मारा गया। छब्बीसवां पीड़ित एक कश्मीरी मुस्लिम था, जिसने इन उन्मादी आतंकवादियों का मुकाबला किया और उनसे भिड़ गया। कश्मीर पिछले 36 वर्षों से आतंकवाद का शिकार रहा है। अनेक अवसरों पर आतंकवादियों ने जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत को पूरा करने के उद्देश्य से लोगों की हत्याएं कीं। लेकिन पहलगाम नरसंहार के मायने अलग थे। यह उस समय हुआ, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में कश्मीर आतंक की छाया से निकलकर सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा था। अनुच्छेद 370 और 35-ए की समाप्ति तथा जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन से सामान्य हालात लौटने लगे थे। उस समय कश्मीर में अशांति फैल सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि लोगों को विश्वास था कि देश में एक दृढ़ और साहसी नेतृत्व मौजूद है।

इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। उसने इस गलतफहमी में पहलगाम नरसंहार को अंजाम दिया कि वह बच निकलेगा और कश्मीर के लोग इसका विरोध नहीं करेंगे। लेकिन कश्मीरियों ने पाकिस्तान को गलत साबित कर दिया। वे आतंकी हमले के खिलाफ सड़कों पर उतर आए, गुस्से और पीड़ा के साथ प्रदर्शन किए। आतंकवादियों और उनके संरक्षकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। यह पाकिस्तान की हरकतों के खिलाफ जनाक्रोश था। नरसंहार के तुरंत बाद यह स्पष्ट हो गया था कि भारत सरकार आतंकवादियों और सीमा पार बैठे उनके आकाओं को कड़ी सजा देगी, साथ ही कश्मीर में हुए आतंकवाद विरोधी प्रदर्शनों ने घाटी को ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में खड़ा कर दिया। कश्मीर ने दिखा दिया कि वह पाकिस्तान के दुष्प्रभाव से मुक्त हो चुका है। देश जब इस अभियान की वर्षगांठ मना रहा है, कुछ बातें बिल्कुल स्पष्ट हैं। भारत अब आतंकवाद का कोई भी रूप बर्दाश्त नहीं करेगा। 7 मई 2025 की सुबह भारत ने आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य सहिष्णुता की नीति को वास्तविकता में बदलते हुए मात्र 22 मिनट में लक्ष्य प्राप्त कर लिया। इसके बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा से सटे जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ क्षेत्रों में गोलाबारी शुरू की, जिसमें स्कूली बच्चों सहित कई नागरिक मारे गए। भारत ने इसका करारा जवाब दिया और पाकिस्तान को गंभीर परिणाम भुगतने पड़े। अंततः उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई।

भारत ने पाकिस्तान की गुहार को स्वीकार करते हुए सैन्य कार्रवाई पर विराम लगाया, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया कि अभियान समाप्त नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, 'हमने अपनी जवाबी कार्रवाई को केवल स्थगित किया है।' इसका अर्थ था कि जरूरत पड़ने पर कार्रवाई फिर शुरू की जा सकती है। यह भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान भारत, विशेषकर जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने की अपनी हरकतें लगातार जारी रखे हुए है। वह यह नैरेटिव भी फैलाता रहता है कि कश्मीर मुद्दा अनसुलझा है, जबकि यह उसका भ्रम है। पहलगाम नरसंहार के बाद उसकी आतंकी गतिविधियां निंदा के दायरे में आ गई हैं। अब पाकिस्तान अमरीका और ईरान के बीच मध्यस्थ बनने का प्रयास कर रहा है, इसके पीछे उसके भारत-विरोधी इरादे छिपे हैं। उसके सेना प्रमुख आसीम मुनीर की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'शांतिदूत' की छवि बनाने की कोशिश की जा रही है, जबकि वास्तविकता इससे अलग है। यह स्थिति दक्षिण एशिया में नए खतरों के संकेत दे रही है।

### डीएचएल इन्फ्राबुल के डायरेक्टरों की दादागीरी, निवेशकों ने सार्वजनिक बैठक में बनाई रणनीति

# 132 एकड़ के आवासीय प्रोजेक्ट में निवेशकों से फर्जीवाड़ा; आवाज दबाने भेज दिया नोटिस, प्लॉट मालिक बोले- भू-माफिया के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**भोपाल.** अपने घर का सपना देखने वाले राजधानी भोपाल सहित आसपास के जिलों के सैकड़ों निवेशकों के साथ 132 एकड़ के आवासीय प्रोजेक्ट के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले डीएचएल इन्फ्राबुल की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। क्योंकि सीहोर जिले के चांदी ग्राम में प्लॉट खरीदने वाले मालिकों ने कंपनी के डायरेक्टरों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

#### लड़ाई लड़ने का फैसला

प्लॉट मालिकों का कहना है कि फर्जी ब्रॉशर में डीएचएल के डायरेक्टरों ने 32 सुविधाओं का दावा किया था। लेकिन 14 साल बाद भी वो नहीं हुए। जब हमारे द्वारा यह मुद्दा उठाया गया तो हमें डराने के लिए लीगल नोटिस भेज दिया। जिसे लेकर सार्वजनिक बैठक बुलाई है। जिसमें ऐसे जमीन माफियाओं के खिलाफ अंतिम दम तक लड़ाई लड़ने का फैसला किया है।

#### ईओडब्ल्यू पहले से कर रही इंदौर में किए फर्जीवाड़े की जांच

इंदौर में मॉडगेज प्रॉपर्टी को अवैध रूप से बेचने के मामले में डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टरों संतोष कुमार सिंह, संजीव जायसवाल और अनिरूद्ध देव को ईओडब्ल्यू ने आरोपी बनाया था। ईओडब्ल्यू की जांच में खुलासा हुआ है कि कंपनी के संचालकों ने सरकार के आधिपत्य में बंधक रखे भूखंडों को गलत तरीके से बेचकर खुद को फायदा और सरकारी खजाने को हानि पहुंचाई है। ईओडब्ल्यू की जांच में पाया गया कि आईकॉनस लैंडमार्क एक और आईकॉनस लैंडमार्क दो प्रोजेक्ट के कुल 249 भूखंड विकास के बदले कॉलोनी सेल, इंदौर में सरकार के पक्ष में बंधक रखे गए थे। नियमों के मुताबिक इन भूखंडों का स्वामित्व कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र प्राप्त होने तक सरकार के पास ही रहता है और बगैर अनुमति इनके विक्रय पर प्रतिबंध होता है। लेकिन कंपनी के डायरेक्टरों ने कायदों को धता बताते हुए 15 भूखंडों को बेच दिया।

#### 3 डायरेक्टरों पर लगाए आरोप

छोटे-छोटे निवेशकों के समूह द्वारा बीते एक साल में ईओडब्ल्यू, ईडी और मानवाधिकार आयोग सहित कई जगहों पर डीएचएल के फर्जीवाड़े की शिकायतें की गई हैं।

### एसडीएम कार्यालय में बाबू घूस लेते पकड़ाया

**शहडोल.** लोकायुक्त संभाग रीवा की टीम ने बुधवार को ब्यौहारी एसडीएम कार्यालय में पदस्थ बाबू वीर सिंह जाटव को 15,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। आरोपी ने एक जमीन विवाद के फैसले की कॉपी देने के बदले रिश्वत की मांग की थी। ग्राम निपानिया निवासी आवेदक सुरेश कुमार जायसवाल की शिकायत पर कार्रवाई की गई।


## कार्यालय नगरपालिका परिषद, सिवनी (म.प्र.)

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना**

क्रमांक/905/न.पा.प./2026 सिवनी, दिनांक 04/05/2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु केंद्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण बेबसाईट https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

| क्र. | टेंडर क्रमांक जारी दिनांक | प्रस्तावित निर्माण कार्य का नाम | कार्य की समयावधि एवं लागत | निविदा प्रपत्र शुल्क EMD | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | 2026_UAD_ 504783 | कस्तूरबा वार्ड में श्रीमति शशि बघेल के मकान से रामभरोस श्रीवास के मकान तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य | 45 दिवस 570017 | 2000 5700 | 22/05/2026 |
| 2 | 2026_UAD_ 504784 | किदवई वार्ड पुराना फिल्टर प्लांट स्थित नगर पालिका अधिनस्थ क्वाटर नं. 1 में गार्डन किनारे बाउन्ड्रीवाल गार्डन पाथवे, कार पार्किंग स्थल में पेवर ब्लाक एवं शेड निर्माण कार्य | 45 दिवस 418160 | 2000 4200 | 22/05/2026 |
| 3 | 2026_UAD_ 504785 | पृथ्वीराज चौहान वार्ड में भैरोगंज स्थित नगर पालिका काम्पलेक्स का छत मरम्मत कार्य | 45 दिवस 470350 | 2000 4700 | 22/05/2026 |

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संसोधन का प्रकाशन ऑनलाईन www.mptenders.gov.in/ बेबसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, सिवनी


### पुलिस की पकड़ कमज़ोर... महादेव, श्रीराम बीके, लोटस 360 जैसे ऐप्स पर सट्टा

# ग्वालियर 'सट्टा किंग'

- रोजाना 5 करोड़ के दांव, 4800 साइट बंद फिर भी बुकी के नेटवर्क पर युवा
- दुबई-हांगकांग से ऑपरेट हो रहा धंधा, 10 करोड़ का रोज का टर्नओवर, ई-वॉलेट और क्रिप्टो के जरिए हवाला
- ऑनलाइन सट्टे में 20 लाख का कर्ज लेकर युवक ने दी जान

पुनीत श्रीवास्तव
patrika.com

**ग्वालियर.** सरकार द्वारा 4800 सट्टा और ऑनलाइन कैसीनो साइटों और ऐप्स को बंद करने के बावजूद, ग्वालियर में ऑनलाइन सट्टे का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। डिजिटल दांव का यह धंधा अब उद्योग का रूप ले चुका है। लोकल लिंक ब्लॉक होने पर सटोरिए सरहद पार (दुबई और हांगकांग) के नेटवर्क से इसका संचालन कर रहे हैं, जिससे ग्वालियर भी ऑनलाइन सट्टे की एक बड़ी मंडी बनता जा रहा है।

शहर में रोज करीब 5 करोड़ का सट्टा लग रहा है, जो आइपीएल सीजन में 10 करोड़ रुपए प्रतिदिन तक पहुंच जाता है। पुलिस का मानना है कि सट्टा सिंडीकेट की जड़े शहर से लेकर देहात तक जमी हुई हैं। आइपीएल की आड़ में सटोरिए लोटस 360, टाइगरएक्सच-247, 99एक्सच.कॉम, लेजर247.कॉम, महादेव ऐप और श्रीराम बीके जैसे ऐप्स के जरिए सट्टे का कारोबार चला रहे हैं। हाल ही में पिंटो पार्क और मुरार की बंशीपुरा से पकड़े गए बुकी ने खुलासा किया है कि शहर में उनकी तरह सट्टा खिलाने वालों का एक बड़ा जाल फैला हुआ है।

#### इंदौर में पकड़ाया ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा

पुलिस ने बुधवार को अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र के अपार्टमेंट में अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़े 7 आरोपियों को पकड़ा, जो लंबे समय से क्रिकेट और कैसिनो सट्टे का ऑनलाइन संचालन कर रहे थे।

#### सट्टे का खेल युवाओं को कर रहा बर्बाद

**केस 1:** सिकंदर कंपू निवासी रवि चौहान ने ऑनलाइन सट्टे में 20 लाख रुपए का कर्ज होने पर हताश होकर फांसी लगा ली। सुसाइड नोट में उसने दो लोगों को मौत का जिम्मेदार बताया।

**केस 2:** हुरावली निवासी मनीष पुत्र सोबरन सिंह ने भी सट्टे में पैसा गंवाने से तंग आकर आत्महत्या कर ली। सट्टा खिलाने वाले ने उसे सूदखोरों से मोटा ब्याज पर पैसा दिलाया और सट्टे में लगवा दिया।

#### पुलिस ने हाल ही में पकड़े ठिकाने

- **फरवरी 2026:** गोलाका मंदिर पर किराए के मकान से ऑनलाइन सट्टा का धंधा पकड़ा, 3 आरोपी गिरफ्तार, 4.96 लाख नकद, लैपटॉप, मोबाइल मिले।
- **मार्च 2026:** मुरार में ऑनलाइन गेमिंग ऐप से सट्टा लगवाता आरोपी पकड़ा, 45 हजार, मोबाइल, लैपटॉप मिले।
- **अगस्त 2024:** तानसेन नगर में ऑनलाइन सट्टे का अड्डा पकड़ा, जम्मू और तेलगांना के 5 आरोपी गिरफ्तार, लोटस 360 ऐप से सट्टा लगवा रहे थे।

#### हवाला का खेल

दांव लगाने वालों से पैसा ई-वॉलेट और म्यूल खातों में वसूला जाता है, जिसे हवाला और क्रिप्टो करेंसी के जरिए ठिकाने तक भेजा जाता है। आइपीएल के दौरान ग्वालियर के सट्टा बाजार में रोज 5 से 8 करोड़ के दांव लगना मामूली बात है।

#### ऑनलाइन सट्टे के अड्डे

पारसेन, हुरावली, मुरार, सदर बाजार मुरार, त्यागी नगर मुरार, सिंहपुर रोड मुरार, घोसीपुरा मुरार, गुलमोहर सिटी, गिरवाई, जनकगंज, कंपू, डबरा, हरिशंकरपुरम, इंदरगंज, माधौगंज, गोसपुरा नंबर 1 हजीरा, सेवानगर, सराफा बाजार लश्कर।

#### एक्सपर्ट व्यू

जुगलबंदी युवाओं को बर्बाद कर रही है। ये सिंडिकेट बड़ी चालाकी से काम करते हैं और स्थानीय एजेंटों के माध्यम से अपना नेटवर्क फैलाते हैं। पुलिस को ऐसे सिंडिकेट को तोड़ने के लिए और सक्रिय होने की जरूरत है।

-**राकेश सिन्हा,** रिटायर्ड डीएसपी,

### पुनरीक्षण याचिका दायर करने में 242 दिनों की देरी अनुचित

**जबलपुर.** मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक मामले में राज्य सरकार की ओर से एकलपीठ के फैसले के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दायर करने में 242 दिनों की भारी देरी को अनुचित करार दिया। जस्टिस आरसीएस बिसेन की सिंगल बेंच ने सरकार की याचिका निरस्त कर दी। कोर्ट ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के तहत तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से सेवानिवृत्ति के बाद वसूली नहीं की जा सकती है।दरअसल, राज्य शासन ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी कि जिसमें सेवानिवृत्त कर्मी भोलानाथ विश्वकर्मा को 6 फीसदी ब्याज के साथ एक लाख 15 हजार रुपए की राशि लौटाने सरकार को कहा गया था। भोलानाथ की ओर से अधिवक्ता सचिन पांडे ने दलील दी कि सरकार ने बहुत देरी से पुनरीक्षण याचिका दायर की है।


## कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. No./PWD/e-tendering/PRO/135 **निविदा सूचना** Date : 06/05/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है

| क्रं. | टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक | कार्य का नाम | कार्य की समयावधि एवं लागत | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2026_UAD_ 505485_1 07/05/2026 | सं.क्रं.-03 अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 अंतर्गत सी.एन.डी. प्लांट का निर्माण कार्य RRR सेंटर में मरम्मत, पुताई, पेंटिंग व अन्य कार्य। | 02 माह रू. 8.47 लाख | रू. 2,000/- रू. 8473/- | 21/05/2026 |
| 2 | 2026_UAD_ 505485_2 07/05/2026 | सं.क्रं.-03 अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर वॉल पेंटिंग, दीवार लेखन एवं चित्रकारी कार्य। | 02 माह रू. 8.47 लाख | रू. 2,000/- रू. 8472/- लाख | 21/05/2026 |
| 3 | 2026_UAD_ 505485_3 07/05/2026 | सं.क्रं.-03 अंतर्गत दादा बाबूराव परांजपे वार्ड में महेश बसाने जी के घर से राकेश बसाने एवं मुख्य सड़क तथा अन्य स्थानों पर नाली कवर्ड कर निर्माण कार्य। (महापौर मद) | 02 माह रू. 6.40 लाख | रू. 2,000/- रू. 6402/- | 21/05/2026 |
| 4 | 2026_UAD_ 505485_4 07/05/2026 | सं.क्रं.-03 अंतर्गत गिरीराज किशोर कपूर वार्ड हाट बाजार के पास बची हुई सड़क एवं बाबूराव परांजपे वार्ड में अमित अग्रवाल के सामने बची हुई सड़क निर्माण कार्य। (द्वितीय निविदा) | 03 माह रू. 11.98 लाख | रू. 2,000/- रू. 8986/- लाख | 21/05/2026 |

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री, नगर निगम, जबलपुर



## कार्यालय नगर परिषद् अमरकंटक, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

530 / ई-टेंडरिंग / अमरकंटक / 2026 **प्रथम निविदा सूचना** अमरकंटक, दिनांक :- 04.05.2026

अनुभाग

निम्नलिखित कार्यों के लिये ऑनलाइन प्रतिशत दर की निविदा पंजीकृत ठेकेदारों और पंजीकरण मानदंडों को पूरा करने वाली फर्मों से आमंत्रित की जाती है :-

| क्र. / टेण्डर क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत राशि (रूपये) लाख में | धरोहर राशि (EMD) (रूपये में) | निविदा प्रपत्र की लागत (रूपये में) | ठेकेदार की श्रेणी | आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2026_UAD_ 505288_1 | Jain mandir Vehicle parking Recovery Work at Amarkantak | 6,50,000 / - , | 6,500 / - | 2000 / - , | ठेकेदार न्यू सेंट्रलाइज्ड PWD पंजीकरण प्रणाली के माध्यम से पंजीकृत | 22/05/2026 (17:30 HRS) |

(1) इच्छुक निविदाकार बेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर एनआईटी देख सकते है।
(2) निविदा प्रपत्र 10:30 समय 06/05/2026 दिनांक से 05:30 समय 22/05/2026 तक ऑनलाइन खरीदा जा सकता है।
(3) एनआईटी में संशोधन यदि कोई हो तो केवल बेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नही।
(4) विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय में निर्माण शाखा में देखी व प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् अमरकंटक, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)


### 'भोजशाला में जो पशु चिह्न मिले, वो 24 तीर्थंकर से जुड़े... पूजा का अधिकार मिले'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**इंदौर.** भोजशाला मामले में हाई कोर्ट में बुधवार को भी सुनवाई जारी रही। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की कोर्ट में दिल्ली के सलकचंद जैन की ओर से भोजशाला को जैन गुरुकुल बताते हुए दायर की याचिका पर तर्क रखे गए। जैन की ओर से वकील दिनेश पी राजभर ने कहा कि भोजशाला में एएसआइ को कई पशुओं के चिह्न मिले हैं। जैन समाज में 24 तीर्थंकर हैं, जिनकी पूजा होती है। प्रत्येक तीर्थंकर के लिए एक पशु चिह्न है। जैसे आदिनाथ भगवान के लिए बैल और महावीर के लिए शेर है। भोजशाला के सर्वे में पशुओं के चिह्न मिले हैं। ये चिह्न जैन समाज के तीर्थंकरों के लिए पहचाने जाने वाले पशुओं के हैं, जो बताते हैं कि भोजशाला जैन गुरुकुल था। दिल्ली से वीसी के जरिए पेश वकील राजभर ने कहा कि जैन समाज भोजशाला पर दावा नहीं करता, लेकिन चाहता है कि उसे भी पूजा का अधिकार मिले।


**नाम सुधार सूचना**

मैं राकेश कुमार अग्रवाल पिता श्री गिरिराज किशोर अग्रवाल निवासी-255, सराफा बाजार, दरहाई, कोतवाली थाने के पीछे, जबलपुर यह कथन करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट संख्या N9338406 जो भोपाल मध्य प्रदेश से जारी हुआ था, मैं मेरे पिताजी का नाम गिरराज किशोर अग्रवाल (GIRRAJ KISHORE AGRAWAL) लिखा है तथा मेरे सभी अन्य शासकीय दस्तावेजों जैसे- पेन कार्ड, आधार कार्ड, आदि में मेरे पिताजी का नाम गिरिराज किशोर अग्रवाल (GIRIRAJ KISHORE AGRAWAL) दर्ज है जो सही है। अतः अब से मेरे पिताजी को इसी नाम से जाना एवं पहचाना जायें।

पिताजी का गलत नाम
(GIRRAJ KISHORE AGRAWAL)
पिताजी का सही नाम
(GIRIRAJ KISHORE AGRAWAL)



सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

**निविदा आमंत्रण सूचना**

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा सेन्ट्रल बैंक अधिकारी प्रशिक्षण महाविद्यालय (सीबीओटीसी), भोपाल में केटरिंग सेवा हेतु मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है। अंतिम तिथि 03.06.2026 विस्तृत विवरण हेतु कृपया लॉग ऑन करें। www.centralbankofindia.bank.in

प्राचार्य
सीबीओटीसी, 51, अरेरा हिल्स, गवर्मेंट प्रेस के पीछे, होशंगाबाद रोड, भोपाल



**EPCO, DEPARTMENT OF ENVIRONMENT GOVERNMENT OF MP**

**CORRIGENDUM**

The last date for online application submission for Post Graduate Diploma in Environment Management (PGDEM) Session 2026-27 (Summer Batch) has been **extended to 15th May 2026.** For details visit **www.epco.mp.gov.in** or scan the QR Code.

M.P. Madhyam/125648/2026 EXECUTIVE DIRECTOR



**मध्यप्रदेश पावर ट्रान्समिशन कंपनी लिमिटेड**
कार्यालय अधीक्षण अभियंता (अति. उच्च दाब निर्माण) वृत्त
ब्लॉक नं. 4, शक्ति भवन रामपुर, जबलपुर 482008

**निविदा आमंत्रण**

निविदा क्रमांक अधं/अउदानि/सिविल/121 दि. 05.05.2026 एवं 124 दि. 05.05.2026 (Tender Id No. :- 2026_MPPTC_504969_1 & 2026_MPPTC_505107_1)

कार्यपालन अभियंता (अउदा-निर्माण) संभाग, म.प्र.पॉ.ट्रां.कं.लि. सागर के अंतर्गत 400 के.व्ही. उपकेन्द्र बीना में नई जल टंकी एवं पुरानी पाइप लाइन का निर्माण तथा 220 के.व्ही. उपकेन्द्र ज्योति विहार कॉलोनी बीना के अंतर्गत नई जल टंकी एवं पुरानी पाइप लाइन का निर्माण हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जा रही हैं, निविदा शुल्क राशि रु. 1180/- (जी.एस.टी. सहित) पृथक-पृथक है, जिसकी निविदा प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 26.05.2026** रखी गयी है। निविदा के विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट www.mptransco.in एवं www.mptenders.gov.in का अवलोकन अथवा दूरभाष क्रमांक 0761-2702142 पर कार्यालयीन समय में संपर्क करें।

म.प्र. माध्यम/125646/2026 अधीक्षण अभियंता (अउदा:नि.)

//स्वहित एवं राष्ट्रहित में बिजली की बचत करें//



## कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

**प्रथम ई-प्रोक्योरमेंट निविदा अमंत्रण सूचना**

क्र.15/न.पा.नि./यो.प्र./2026-27 दिनांक 04/05/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत "बी" व प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| सिस्टम टेंडर नं. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रु.लाख में) | निविदा डाउनलोड/ सबमिट करने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| 190220 | कुंदन पैलेस से सहारे गली होते हुए बस स्टैंड तक आर.आर.सी. बॉक्स ड्रेन निर्माण कार्य। | 555.87 | 28 / 05 / 26 |

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.



सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
"CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

क्षेत्रीय कार्यालय, 7, सिविल लाईन, यूनीवर्सिटी रोड, सागर म0प्र0
एफएलसीसी सागर एवं नरसिंहपुर हेतु कांट्रेक्ट आधार पर आवश्यकता

**1)एफएलसीसी प्रभारी, सागर एवं नरसिंहपुर 01-01 पद (कुल पद 02)**

योग्यता - स्नातक/स्नातकोत्तर सहित ग्रामीण विकास पृष्टभूमि से सेवानिवृत्त अधिकारी जैसे कि कृषि वित्त अधिकारी/ ग्रामीण विकास अधिकारी / बैंकिंग की मुख्य धारा में परिवर्तित कृषि अधिकारी / अग्रणी जिला प्रबंधक तथा प्रशिक्षण केन्द्र/ कालेज का संकाय प्रमुख/संकाय सदस्य / भूतपूर्व या / बैंक कर्मचारियों के अलावा ( जेसे कि सरकारी विद्यालय शिक्षक जिन्हे बैंकिंग और वित्तीय ज्ञान हो, प्रासंगिक IBF प्रमाणन पाठ्यक्रम पूरा किया हुआ हो। ) वेतन 25000/- प्रतिमाह इस संबंध में अन्य आवश्यक जानकारी, पात्रता, आवेदन पत्र आदि बैंक की वेबसाईट www.centralbankofindia.co.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है। हमारे क्षेत्रीय कार्यालय सागर में डाक द्वारा आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 20.05.2026 हैं।

प्राधिकृत अधिकारी
सेंट्रल बैंक आफ इंडिया
क्षेत्रीय कार्यालय, 7, सिविल लाईन, सागर म0प्र0



**M.P. STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION (MPSEDC)**
(Under Department of Science & Technology, Government of M.P.
47-A, Arera Hills, Bhopal-462011 (M.P.)

**IT Professionals Wanted at MPSEDC**

Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation (MPSeDC), an organization under the Department of Science & Technology, is dedicated to advancing Information Technology in Madhya Pradesh.
MPSeDC is currently seeking following IT professionals for various projects in Bhopal.

| S. No. | Position Name | Min. Experience | Upper CTC Limit (in INR per Annum) |
|---|---|---|---|
| 1. | Consultant-Technology Management | 6 Years | 17 LPA |

For comprehensive details regarding available positions and to apply, please visit our website:
**https://mpsedc.mp.gov.in -> About Us -> Vacancy.**

**General Terms:**
- Candidates are advised to carefully read the instructions on the MPSEDC website before applying.
- Engagements will be for a fixed term period of upto 2 years, with potential for extension based on performance.
- Only online applications will be accepted; hard copies of CVs will not be entertained.

**IMPORTANT DATES**
- **Start Date for Applications :** 07.05.2026 from 12.00 PM Onwards
- **Last Date to Apply :** 13.05.2026

M.P. Madhyam/125659/2026



पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank

आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा, मंडल कार्यालय, 1227,शालीन हाउस, नेपियर टाउन, जबलपुर (म.प्र.)
Email - cs8243@pnb.bank.in

**अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस**

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ताओं और जमानतदारों/बंधककर्ताओं को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का प्रलक्षित/वास्तविक आधिपत्य/सांकेतिक आधिपत्य (इनमें से जो भी लागू होता हो) प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जो है", "जहाँ है","जो कुछ भी है" के आधार पर निम्नलिखित उधारकर्ताओं एवं जमानतदारों/बंधककर्ताओं से बैंक/प्रतिभूत लेनदार की निम्नलिखित रुपये की बकाया राशि की वसूली हेतु नीचे वर्णित दिनांक को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अग्रिम धनराशी निम्नलिखित है:

**ई-नीलामी दिनांक एवं समय -26.05.2026 दोपहर12:00 बजे से 05:30 बजे तक (आवश्यक होने पर सायंकल 05:30 बजे के बाद 10 मिनिट के अंतराल का विस्तार किया जाएगा ) । ईएमडी जमा करने की अंतिम दिनांक 26.05.2026 को सायंकाल 05:30 बजे तक**

निविदाकार अपने प्रस्ताव रू. 10000/- (रूपए दस हज़ार मात्र) के गुणांक में बढ़ा सकेंगे

| उधारकर्ता/जमानतदार/बंधककर्ता के नाम | अचल संपत्ति/प्रत्याभूत आस्ति का विवरण | अ) मांग सूचना दिनांक ब) आधिपत्य दिनांक स) आधिपत्य प्रकार द) बकाया राशि (मांग सूचना के अनुसार) | अ) आरक्षित मूल्य ब) धरोहर राशि स) ईएमडी जमा अंतिम दिनांक द) बिड वृद्धि राशि |
|---|---|---|---|
| **1. शाखा: मरहाताल, जबलपुर (म.प्र.)** 1. (उधारकर्ता) मेसर्स डी.पी.एग्रो इंजीनियरिंग वर्क्स प्रोप्रा. श्री दुर्गेश पटेल, पता: प्लॉट नंबर 2, औद्योगिक क्षेत्र, उमरिया डुंगरिया, फेज-II , शाहपुरा, जबलपुर (म.प्र.) 2. (उधारकर्ता एवं बंधककर्ता) श्री दुर्गेश पटेल पिता श्री मोहन लाल पटेल, पता: 2889, शिव नगर, चेरीटल वार्ड, जबलपुर (म.प्र.) - खाता संख्या : 01974011000634, 01977011002295, 01977011002301 | ग्राम- उमरिया मे स्थित प्लॉट नंबर 2, भूमि का पट्टाधिकार , तह- शाहपुरा, जिला- जबलपुर, औद्योगिक क्षेत्र उमरिया डुंगरिया, फेज - 2, क्षेत्रफल - 25मीटर X 50 मीटर = 1250 वर्ग मीटर, चतुर्सीमा - उत्तर - रोड, दक्षिण - प्लॉट नंबर 7, पूर्व - प्लॉट नंबर 3, पश्चिम - प्लॉट नंबर 1 पट्टेदार और बंधककर्ता - श्री दुर्गेश पटेल पिता श्री मोहन लाल पटेल - पट्टादाता- मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम लि. , जबलपुर, नीलामी संदर्भ संख्या: PUNB0197405 | अ) 27.04.2021 ब) 20.10.2021 स) सांकेतिक आधिपत्य द) रु. 89,02,969.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय | अ) 14,85,000.00 ब) 1,48,500.00 स) 26.05.2026 द) रु. 10000.00 |

संपत्तियों पर भार जिनकी जानकारी प्रतिभूत लेनदार को है: जानकारी उपलब्ध नहीं है

सरफेसी अधिनियम 2002 व प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) के अंतर्गत वैधानिक विक्रय सूचना

**नियम एवं शर्तें :** (1) विक्रय प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002के नियम व शर्तों के अधीन होगा तथा निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा। (2) संपत्तियों की बिकी **"जो है, "जहाँ है", "जो कुछ भी है" के आधार** पर होगी। (3) ऊपर वर्णित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी को प्राप्त जानकारी के आधार पर है।किन्तु प्राधिकृत अधिकारी किसी भी त्रुटि, गलत जानकारी, घोषणा में चूक के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। (4) विक्रय अधिकृत ऑन लाइन ई-नीलामी सेवा प्रदाता के द्वारा वेबसाइट **https://baanknet.com** पर दिये गये दिनांक व समय पर किया जाएगा। (5) संपत्ति विक्रय से संबंधित नियम एवं शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट **www.pnbindia.in, https://baanknet.com** पर विजिट करें ।

स्थान: जबलपुर, दिनांक 07.05.2026 पंजाब नेशनल बैंक प्राधिकृत अधिकारी



## कार्यालय नगर परिषद कटंगी, जिला - जबलपुर (म.प्र.)

(Phone and Fax No. : 07621 - 268627, Email : cmokataangijabalpur@mpurban.gov.in)
Website : www.npkatangijbp.com

पत्र क्र. 577 / ई-टेण्डर / 2026-27 **निविदा सूचना** कटंगी, दिनांक 05.05.26

निम्नलिखित कार्यों हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| स. क्र. | टेण्डर क्रमांक / जारी दिनांक | कार्य का नाम | कार्य की समयावधि एवं लागत | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी. | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | 2026_UAD_504832_1 06.05.2026 | वार्ड क्र. 04 एवं 05 में नवनिर्मित दुकानों के सामने सीमेन्टीकरण का कार्य। | 04 माह 3251448.00 | 5000.00 24400.00 | 11.06.2026 |
| 2 | 2026_UAD_504834_1 06.05.2026 | वार्ड क्र. 15 में सामुदायिक भवन देगवां के पीछे टीनशेड व बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य। | 04 माह 1977411.00 | 2000.00 14830.00 | 11.06.2026 |
| 3 | 2026_UAD_504835_1 06.05.2026 | वार्ड क्र. 04 एवं 05 में नवनिर्मित दुकानों के सामने आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य। | 04 माह 1406852.00 | 2000.00 10560.00 | 11.06.2026 |
| 4 | 2026_UAD_504836_1 06.05.2026 | वार्ड क्र. 09 में चंडी मोहल्ला के पीछे नाला पर पुलिया निर्माण कार्य। | 04 माह 875052.00 | 2000.00 8750.00 | 11.06.2026 |
| 5 | 2026_UAD_504838_1 06.05.2026 | वार्ड क्र. 06 में बालक स्कूल के पास रंगमंच निर्माण कार्य। | 02 माह 421146.00 | 2000.00 4220.00 | 11.06.2026 |
| 6 | 2026_UAD_504839_1 06.05.2026 | वार्ड क्र. 03 में विद्युत पोल स्थापना कार्य। | 01 माह 354679.00 | 2000.00 3550.00 | 25.05.2026 |
| 7 | 2026_UAD_504840_1 06.05.2026 | स्ट्रीट लाईट कंट्रोल प्रोग्रामेबल / टाईमर स्विच प्रदाय एवं स्थापना कार्य। | 10 माह 500000.00 | 2000.00 10000.00 | 25.05.2026 |

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद, कटंगी

**आइपीएल-2026 :** नियमों का उल्लंघन करने पर बीसीसीआइ ने उठाए कड़े कदम, स्लो ओवर रेट के मामले में लाखों रुपए का जुर्माना

# अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं, हर गलती पर सख्त कार्रवाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**नई दिल्ली.** आइपीएल 2026 में जहां एक तरफ हाई-वोल्टेज और रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर खिलाड़ियों और स्टाफ की अनुशासनहीनता भी लगातार सुर्खियों में है, लेकिन बीसीसीआइ भी इनसे निपटने के लिए सतर्क है।

एक रिपोर्ट के तहत, अब तक कई खिलाड़ी आइपीएल के इस सीजन नियमों का उल्लंघन कर चुके हैं और इसमें टीमों के सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी शामिल रहे हैं। खासतौर पर मैच के दौरान स्लो ओवर रेट कप्तानों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। स्लो ओवर को लेकर बीसीसीआइ काफी सख्त है और ऐसा करने पर कई कप्तान अब तक लाखों रुपए का जुर्माना भी भर चुके हैं।

मैच: 38 केकेआर vs लखनऊ — अंगकृष रघुवंशी

**उल्लंघन** आउट होने पर गुस्सा जताना
**जुर्माना** 20 फीसदी मैच फीस

मैच: 43 राजस्थान vs दिल्ली — जैमीसन

**उल्लंघन** खिलाड़ी को उकसाने वाला जश्न
**जुर्माना** 01 डिमेरिट अंक

## पंजाब किंग्स के कप्तान अय्यर अब तक 36 लाख रुपए जुर्माना दे चुके...

| मैच नं. | टीम | खिलाड़ी-स्टाफ | उल्लंघन | जुर्माना |
|---|---|---|---|---|
| 04 | पंजाब-गुजरात | श्रेयस अय्यर | स्लो ओवर रेट | 12 लाख रुपए |
| 06 | हैदराबाद-केकेआर | अभिषेक शर्मा | अभद्र भाषा का प्रयोग | 25% मैच फीस |
| 07 | पंजाब-चेन्नई | श्रेयस अय्यर | स्लो ओवर रेट | 24 लाख रुपए |
| 14 | गुजरात-दिल्ली | शुभमन गिल | स्लो ओवर रेट | 12 लाख रुपए |
| 16 | आरसीबी-राजस्थान | रोमी भिंडर | मोबाइल का यूज | 01 लाख रुपए |
| 18 | चेन्नई-दिल्ली | रुतुराज गायकवाड | स्लो ओवर रेट | 12 लाख रुपए |
| 18 | दिल्ली-चेन्नई | नीतीश राणा | अंपायर से बहस | 25% मैच फीस |
| 20 | मुंबई-आरसीबी | हार्दिक पांड्या | स्लो ओवर रेट | 12 लाख रुपए |
| 20 | आरसीबी-मुंबई | टिम डेविड | अंपायर से बहस | 25% मैच फीस |
| 22 | केकेआर-चेन्नई | अजिंक्य रहाणे | स्लो ओवर रेट | 12 लाख रुपए |
| 32 | राजस्थान-लखनऊ | नांद्रे बर्गर | उकसाने वाला जश्न | 10% मैच फीस |
| 40 | राजस्थान-पंजाब | रियान पराग | ड्रेसिंगरूम में स्मोकिंग | 25%मैच फीस |

**क्या होता है डिमेरिट अंक :** आइपीएल में कुछ नियम तोड़ने पर खिलाड़ी को डिमेरिट अंक मिलता है। ये अंक 24 महीने तक रेकॉर्ड में रहते हैं। चार डिमेरिट अंक मिलने पर एक मैच का बैन लगता है।

**आइपीएल प्लेऑफ :** अहमदाबाद, धर्मशाला और न्यू चंडीगढ़ को मेजबानी

# एक लाख दर्शकों के सामने फाइनल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगी खिताबी जंग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**मुंबई.** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने बुधवार को आइपीएल-2026 के प्लेऑफ मुकाबलों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसके तहत, इस सीजन का फाइनल 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि पहले ये माना जा रहा था कि फाइनल बेंगलूरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा क्योंकि ये मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) का घरेलू मैदान है, लेकिन आखिर में बीसीसीआइ ने अहमदाबाद को प्राथमिकता दी। गौरतलब है कि अहमदाबाद लगातार दूसरे और सर्वाधिक चार बार आइपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा।

### यहां खेले गए आइपीएल के सर्वाधिक खिताबी मुकाबले

| वेन्यू | फाइनल | साल |
|---|---|---|
| अहमदाबाद | 04 | 2022, 2023, 2025, 2026 |
| चेन्नई | 03 | 2011, 2012, 2024 |
| कोलकाता | 02 | 2013, 2015 |
| बेंगलूरु | 02 | 2014, 2016 |
| हैदराबाद | 02 | 2017, 2019 |
| दुबई | 02 | 2020, 2021 |
| मुंबई, डीवाई पाटील | 02 | 2008, 2010 |
| मुंबई, वानखेड़े | 01 | 2018 |
| जोहानिसबर्ग | 01 | 2009 |

### प्लेऑफ मैचों का कार्यक्रम

| तारीख | मैच | वेन्यू |
|---|---|---|
| 26 मई | क्वालीफायर-1 | धर्मशाला |
| 27 मई | एलिमिनेटर | न्यू चंडीगढ़ |
| 29 मई | क्वालीफायर-2 | न्यू चंडीगढ़ |
| 31 मई | फाइनल | अहमदाबाद |

### आज का पोल

**क्या लखनऊ की टीम मौजूदा चैंपियन आरसीबी को शिकस्त दे पाएगी?**

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। X @PatrikaNews

बुधवार का जवाब

हां 65% नहीं 35%

***पिछला सवाल:*** क्या पंजाब की टीम हैदराबाद की टीम को उसके घरेलू मैदान पर हरा पाएगी?

**2026 में आयोजन**

## कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप की मेजबानी दिल्ली को

**नई दिल्ली @ पत्रिका.** दिल्ली इस साल 27 जुलाई से 02 अगस्त 2026 तक खेले जाने वाले 22वें कॉमनवेल्थ टेबिल टेनिस चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इस चैंपियनशिप का आयोजन टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया और दिल्ली सरकार मिलकर करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मेजबानी करने की घोषणा की। भारत की ओर से इस चैंपियनशिप में सभी की नजरें स्टार महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा पर होंगी, जो भारतीय दल की अगुआई करेंगी।

**35 देश होंगे शामिल :** रिपोर्ट के तहत, इस चैंपियनशिप में 35 से ज्यादा देशों के शीर्ष खिलाड़ी चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगे। इसमें इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और न्यूजीलैंड जैसे देश शामिल हैं। इस चैंपियनशिप का आयोजन दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में होगा।

**आइपीएल मैच :** मेजबान सनराइजर्स ने घरेलू मैदान पर 33 रन से जीता मैच

# आठवीं बार 200 प्लस स्कोर... पंजाब को हटा हैदराबाद टॉप पर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**हैदराबाद.** बल्लेबाजों के धमाकेदार प्रदर्शन से मेजबान सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने यहां खेले गए आइपीएल मैच में पंजाब किंग्स को 33 रन से शिकस्त दी। पंजाब ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी करने का फैसला किया था। हैदराबाद ने चार विकेट पर 235 रन का स्कोर बनाया। इस सीजन हैदराबाद ने 11 मैचों में कुल आठवीं बार 200 प्लस का स्कोर बनाया है। जवाब में पंजाब किंग्स की टीम सात विकेट पर 202 रन ही बना सकी। इसके साथ ही, हैदराबाद ने इस सीजन पंजाब से मिली हार का बदला भी ले लिया। पंजाब ने 11 अप्रेल को अपने घरेलू मैदान पर हैदराबाद को शिकस्त दी थी।

**शीर्ष पर बनाई जगह :** इस जीत के साथ हैदराबाद की टीम पंजाब को हटाकर तालिका में पहली बार टॉप पर भी पहुंच गई। पंजाब को लगातार तीसरे मैच में हार झेलनी पड़ी।

### जीत का हीरो : क्लासेन व ईशान का अर्धशतक

**हैदराबाद** की ओर से हेनरिक क्लासेन ने 43 गेंदों में 3 चौकों और चार छक्कों के साथ 69 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं, ईशान किशन ने 32 गेंदों में दो चौकों और चार छक्कों के साथ 55 रन ठोके। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 88 रन जोड़े।

***कोनॉली का शतक बेकार गया :*** पंजाब के लिए कूपर कोनॉली ने 59 गेंदों में 107* रन की पारी खेली। उन्होंने आइपीएल का अपना पहला शतक लगाया और सात चौके व आठ छक्के लगाए। उनकी पारी भी पंजाब को जीत नहीं दिला सकी।

पंजाब के खिलाफ अर्धशतकीय साझेदारी के दौरान क्लासेन और ईशान।

### अंक तालिका

| रैंक | टीम | मैच | जीत | हार | बेनतीजा | अंक | रन रेट |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | हैदराबाद | 11 | 7 | 4 | 0 | 14 | +0.737 |
| 2. | पंजाब | 10 | 6 | 3 | 1 | 13 | +0.571 |
| 3. | बेंगलूरु | 9 | 6 | 3 | 0 | 12 | +1.420 |
| 4. | राजस्थान | 10 | 6 | 4 | 0 | 12 | +0.510 |
| 5. | गुजरात | 10 | 6 | 4 | 0 | 12 | -0.147 |
| 6. | चेन्नई | 10 | 5 | 5 | 0 | 10 | +0.151 |
| 7. | दिल्ली | 10 | 4 | 6 | 0 | 8 | -0.949 |
| 8. | कोलकाता | 9 | 3 | 5 | 1 | 7 | -0.539 |
| 9. | मुंबई | 10 | 3 | 7 | 0 | 6 | -0.649 |
| 10. | लखनऊ | 9 | 2 | 7 | 0 | 4 | -1.076 |

अंकतालिका 06 मई के मैच तक की है।

**ऑरेंज कैप**

| खिलाड़ी | टीम | रन |
|---|---|---|
| क्लासेन | हैदराबाद | 494 |
| अभिषेक | हैदराबाद | 475 |
| राहुल | दिल्ली | 445 |

**पर्पल कैप**

| खिलाड़ी | टीम | विकेट |
|---|---|---|
| भुवनेश्वर | बेंगलूरु | 17 |
| कंबोज | चेन्नई | 17 |
| रबाडा | गुजरात | 16 |

### स्कोर बोर्ड

**हैदराबाद पारी — 20 ओवर में 235/4**

| बल्लेबाज | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| अभिषेक कॉ अय्यर बो फर्ग्यूसन | 35 | 13 | 02 | 04 |
| हेड कॉ जेंसन बो चहल | 38 | 19 | 03 | 03 |
| ईशान कॉ शेडगे बो अर्शदीप | 55 | 32 | 02 | 04 |
| क्लासेन कॉ जेंसन बो विजय | 69 | 43 | 03 | 04 |
| नीतीश नाबाद | 29 | 13 | 02 | 02 |

**अतिरिक्त:** 09. **विकेट पतन:** 1-54, 2-84, 3-172, 4-235. **गेंदबाजी:** अर्शदीप 4-0-43-1, जेंसन 4-0-61-0, फर्ग्यूसन 4-0-41-1, चहल 4-0-32-1, विजयकुमार 4-0-54-1.

**पंजाब पारी — 20 ओवर में 202/7**

| बल्लेबाज | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| प्रियांश कॉ मलिंगा बो कमिंस | 01 | 03 | 00 | 00 |
| प्रभसिमरन कॉ कमिंस बो नीतीश | 03 | 04 | 00 | 00 |
| कोनॉली नाबाद | 107 | 59 | 07 | 08 |
| श्रेयस कॉ कमिंस बो मलिंगा | 05 | 05 | 01 | 00 |
| स्टॉयनिस कॉ ईशान बो शिवांग | 28 | 14 | 03 | 02 |
| शेडगे कॉ अभिषेक बो कमिंस | 25 | 17 | 01 | 02 |
| शशांक कॉ नीतीश बो साकिब | 04 | 03 | 01 | 00 |
| जेंसन कॉ दुबे बो शिवांग | 19 | 16 | 00 | 01 |
| विजयकुमार नाबाद | 01 | 01 | 00 | 00 |

**अतिरिक्त:** 09. **विकेट पतन:** 1-4, 2-4, 3-23, 4-63, 5-110, 6-119, 7-187. **गेंदबाजी:** कमिंस 4-0-34-2, नीतीश 2-0-11-1, मलिंगा 4-0-36-1, साकिब 4-0-40-1, शिवांग 4-0-45-2, दुबे 2-0-36-0.

**आज का मुकाबला**

## लखनऊ की टीम को जीत की तलाश

**लखनऊ @ पत्रिका.** ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपरजायंट्स को आइपीएल-2026 में लगातार छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में जब लखनऊ की टीम गुरुवार को मौजूदा चैंपियन आरसीबी के खिलाफ घरेलू मैदान पर उतरेगी तो उसके सामने जीत की लय हासिल करने की चुनौती होगी।

**फैसला :** खेल मंत्रालय ने सभी संस्थाओं को एडवाइजरी जारी की

# भारत आ सकते हैं पाकिस्तानी खिलाड़ी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी वहां नहीं जाएंगे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**नई दिल्ली.** पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव के बीच भारतीय खेल मंत्रालय ने बुधवार को एक एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत, मंत्रालय ने सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों, भारतीय ओलंपिक संघ और भारतीय खेल प्राधिकरण सहित अन्य सभी खेल संस्थाओं को एडवाइजरी भेजी है। इसमें खेल मंत्रालय ने साफ किया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जाएगी। इसमें क्रिकेट सहित सभी तरह के खेल शामिल हैं। खेल मंत्रालय ने ये भी कहा कि भारत में होने वाली अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों के अलावा टीम अधिकारियों को वीजा देने की प्रक्रिया भी आसान बनाई जाएगी।

### बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में साथ खेलेंगे

1. खेल मंत्रालय ने कहा, भारतीय खिलाड़ियों को दुनिया में कहीं भी होने वाले बहुराष्ट्रीय ***टूर्नामेंट और प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के साथ खेलने की अनुमति है, फिर चाहे वो व्यक्तिगत स्तर पर हो या टीम के तौर पर।***
2. इसके अलावा, भारत में होने वाली बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और टूर्नामेंट में खेलने के लिए ***पाकिस्तानी खिलाड़ियों को यहां आने की अनुमति भी होगी।***

### लेकिन भारतीय खिलाड़ी पाक नहीं जाएंगे...

- पिछले साल खेल मंत्रालय ने कहा था कि वह बहुपक्षीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में तब तक रुकावट नहीं डालेगा, जब तक मेजबान देश पाकिस्तान ना हो।
- इससे साफ है कि पाकिस्तान खिलाड़ी तो भारत में खेलने के लिए आ सकते हैं पर भारतीय खिलाड़ियों और क्रिकेटरों को पड़ोसी देश जाने की अनुमति नहीं होगी।

**फुटबॉल**

## इंडोनेशिया ने चीन को 1-0 से दी शिकस्त

**जेद्दा@ पत्रिका.** इंडोनेशिया ने एएफसी अंडर-17 एशियन फुटबॉल कप के अपने ग्रुप-बी के मुकाबले में चीन को 1-0 से शिकस्त दी। इस कड़े मुकाबले में कीनू सेनजाया ने 87वें मिनट में टीम के लिए एकमात्र गोल किया, जिसकी बदौलत उनकी टीम को तीन कीमती अंक हासिल हुए। चीन का अगला मुकाबला शनिवार को जापान से होगा। वहीं, टूर्नामेंट के एक अन्य मुकाबले में जापान ने इसी ग्रुप में कतर को 3-1 से करारी शिकस्त दी। ऐसे में चीन के लिए जापान के खिलाफ चुनौती आसान नहीं होगी।

## CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7692...

**बाएं से दाएं...** 1. कचहरी, न्यायालय (4), 5. पहर, तीन घंटे का समय (2), 6. जंगल (2), 7. प्रिय, दिल को भाने वाला (2-3), 10. देश, राष्ट्र (3), 12. माता, जननी (1), 13. टैंशन, खींचतान, द्वेष (3), 14. मुसलमान फकीरों का समुदाय, सूफीसंत (4), 17. गर्मी (3), 18. मैं का बहुवचन (2), 21. साथ (2), 22. दो पहियों वाली ऊंची घोड़ा गाड़ी (4), 24. दौड़ाक (3), 26. अच्छी व ठीक अवस्था में (4), 30. ऋण (2), 31. गृह-स्वामी (3-3)

**ऊपर से नीचे...** 1. शत्रुता, दुश्मनी (4), 2. निमंत्रण-पत्र (3-2), 3. अंधेरा (2), 4. पिता, तात (2), 5. स्मरण, स्मृति (2), 8. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (4), 9. भारत की राज्यसभा/लोकसभा का संयुक्त रूप (3), 11. नया, नूतन (2), 15. कामी, व्याभिचारी (3), 16. कुएं से पानी निकालने का डिब्बेनुमा यंत्र (3), 17. अग्नि, पावक (2), 19. स्नेह, अपनापन (3), 20. विधान संबंधी (4), 21. आफत, मुसीबत (3), 23. चित्त, दिल (2), 25. अंदेशा, डर, भय (3), 27. प्रसिद्धि, ख्याति (2), 28. ईसाई सेविका (2), 29. भौंरा (2)

**हल 7691**

**चैंपियंस लीग, फुटबॉल :** सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड को दी 2-1 से मात

# 20 साल बाद आर्सेनल फाइनल में

**लंदन @ पत्रिका.** आर्सेनल ने 20 साल के लंबे अंतराल के बाद यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार रात यहां खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे लेग में आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से शिकस्त दी। पहले लेग में दोनों टीमों के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा था। ऐसे में आर्सेनल ने कुल 2-1 के स्कोर संग फाइनल में प्रवेश कर लिया। टीम की जीत के हीरो रहे बुकाया साका ने मैच के 44वें मिनट में एकमात्र गोल दागा।

***पहले खिताब की तलाश*** आर्सेनल की नजरें अब पहली बार चैंपियंस लीग खिताब जीतने पर है। टीम इससे पहले, एकमात्र बार 2006 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन तब उसे बार्सिलोना के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

**10 मई को मुकाबला**

## हार्दिक पांड्या की होगी अगले मैच में वापसी

**मुंबई @ पत्रिका.** मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या आइपीएल-2026 के अगले मुकाबले के लिए उपलब्ध होंगे। मुंबई टीम को अगला मुकाबला 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के साथ खेलना है। एक रिपोर्ट के तहत, मुंबई के खिलाड़ियों का एक दल रायपुर पहुंच गया है। हालांकि इसमें हार्दिक पांड्या शामिल नहीं हैं, लेकिन वे जल्द टीम के साथ जुड़ जाएंगे। हार्दिक पिछले मैच में खेले नहीं थे और उन्होंने आराम लिया था।

**तीरंदाजी वर्ल्ड कप :** पदक की होड़ से बाहर हुए

# भारत की महिला और पुरुष कंपाउंड टीमों ने किया निराश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**शंघाई.** तीरंदाजी वर्ल्ड कप के स्टेज-2 में भारत की कंपाउंड पुरुष और महिला टीमों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पदक की प्रबल दावेदार मानी जा रही दोनों टीमें शंघाई में बिना मेडल के बाहर हो गईं। ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रगति और अदिति स्वामी की महिला टीम क्वार्टरफाइनल में तुर्की से 227-233 से हार गई। वहीं, पुरुष टीम भी सेमीफाइनल में पिछड़ गई। ओजस देवतले, साहिल जाधव और कुशल दलाल की भारतीय टीम को अमरीका के खिलाफ 234-235 से हार मिली। इसके बाद कांस्य पदक मुकाबले में भी भारतीय पुरुष टीम को चीन के खिलाफ शूटऑफ में हार मिली।

साहिल जाधव, भारतीय तीरंदाज।

***व्यक्तिगत राउंड में आगे बढ़े :*** हालांकि भारतीय कंपाउंड तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग के अंतिम 32 दौर में पहुंचे। अभिषेक वर्मा, जाधव, कुशल और देवतले ने अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। महिला वर्ग में ज्योति, अदिति स्वामी और प्रगति भी आगे बढ़ीं।

**टेनिस विवाद //** दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने आयोजकों को चेताया, मामला नहीं सुलझा तो हम नहीं खेलेंगे

# खिलाड़ियों की धमकी...सही इनामी राशि नहीं मिली तो ग्रैंड स्लेम का बॉयकॉट करेंगे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**पेरिस.** ग्रैंड स्लेम की इनामी राशि को लेकर टेनिस खिलाड़ियों के बीच असंतोष बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका के अलावा कई शीर्ष खिलाड़ियों ने कहा है कि यदि इनामी राशि को लेकर विवाद खत्म नहीं हुआ तो एक वक्त ऐसा भी आएगा, जब खिलाड़ी ग्रैंड स्लेम का बॉयकॉट करेंगे। दरअसल, साल का दूसरा ग्रैंड स्लेम फ्रेंच ओपन 18 मई से शुरू होगा। हालांकि आयोजकों ने इस साल इनामी राशि में 9.5 फीसदी की बढ़ोतरी की है, लेकिन इससे खिलाड़ी खुश नहीं हैं। उनका मानना है कि ये बढ़ोतरी काफी नहीं है।

**9.5** फीसदी की बढ़ोतरी हुई इस सीजन फ्रेंच ओपन की इनामी राशि में

**22** फीसदी की बढ़ोतरी चाहते हैं खिलाड़ी इनामी राशि में

### अपने अधिकारों के लिए लड़ना होगा

**बेलारूसी** खिलाड़ी सबालेंका ने कहा, एक बिंदू पर आकर हम ग्रैंड स्लेम टूर्नामेंट का बहिष्कार करेंगे। मुझे लगता है कि हमारे अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका होगा। मेरा मानना है कि किसी भी ग्रैंड स्लेम का मुख्य आकर्षण हम हैं। हमारे बिना कोई टूर्नामेंट संभव नहीं हो सकता और वहां कोई मनोरंजन भी नहीं होगा।

***कोको गॉफ ने भी किया समर्थन :*** दुनिया की नंबर चार अमरीकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने भी आर्यना सबालेंक का समर्थन किया और कहा, सभी खिलाड़ी यदि एकजुट होकर आगे बढ़ें तो ग्रैंड स्लेम टूर्नामेंट का 100 फीसदी बहिष्कार किया जा सकता है।

## कमाई 3,500 करोड़ रुपए, खिलाड़ियों को मिलते हैं 26 करोड़, ये नाइंसाफी है

**खिलाड़ियों** के बीच इनामी राशि को लेकर असंतोष इसलिए है क्योंकि ग्रैंड स्लेम से होने वाली कमाई और खिलाड़ियों को मिलने वाली इनामी राशि के बीच काफी अंतर है। उदाहरण के तौर पर, प्रत्येक ग्रैंड स्लेम से आयोजकों को करीब तीन से चार हजार करोड़ रुपए की कमाई होती है लेकिन एकल चैंपियन को इनामी राशि के तौर पर सिर्फ 20 से 40 करोड़ रुपए तक ही मिलते हैं। खिलाड़ियों का मानना है कि उनका हिस्सा ज्यादा होना चाहिए।

| ग्रैंड स्लेम | कमाई | एकल चैंपियन |
|---|---|---|
| ऑस्ट्रेलियन ओपन | 4,000 | 24 |
| फ्रेंच ओपन | 3,500 | 26 |
| विम्बलडन | 3,600 | 38.62 |
| यूएस ओपन | 4,500 | 42 |

*(सभी राशि करोड़ रुपए में)*

### कुछ खिलाड़ी बायकॉट के खिलाफ

हालांकि कुछ खिलाड़ी ग्रैंड स्लेम का बॉयकॉट करने के खिलाफ हैं। दुनिया की नंबर तीन पोलैंड की इगा स्विटेक ने कहा, बॉयकॉट करना बहुत बहुत कड़ा फैसला होगा। खिलाड़ियों और आयोजकों के बीच बातचीत के जरिए इस मसले को फ्रेंच ओपन से पहले सुलझाया जा सकता है।

## SUDOKU 7429...

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | | | | 5 | | |
| | 1 | 5 | | 9 | | | | 7 |
| | 6 | | | | 2 | | | |
| | | | 7 | | | | 8 | |
| | 8 | | | 2 | | | | |
| | | | | 5 | 3 | 4 | | 1 |
| | | 4 | | 6 | 9 | | 2 | |
| | | | | | | | 5 | |
| | | 8 | | 3 | | | | |

**हल 7428**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 4 | 7 | 8 | 9 | 5 | 3 | 6 | 1 |
| 5 | 6 | 3 | 7 | 1 | 4 | 8 | 2 | 9 |
| 1 | 9 | 8 | 2 | 3 | 6 | 7 | 4 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 5 | 3 | 6 |
| 7 | 5 | 6 | 9 | 8 | 3 | 4 | 1 | 2 |
| 3 | 2 | 4 | 5 | 6 | 1 | 9 | 7 | 8 |
| 9 | 3 | 1 | 6 | 4 | 8 | 2 | 5 | 7 |
| 4 | 7 | 5 | 1 | 2 | 9 | 6 | 8 | 3 |
| 6 | 8 | 2 | 3 | 5 | 7 | 1 | 9 | 4 |

**कैसे खेलें:** वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

*निवेश में गलत होना कोई अपराध नहीं है। लेकिन गलत पोजीशन में फंसे रहना बड़ी गलती है। नुकसान स्वीकार कर बाहर निकलना भी स्किल है, जो पूंजी को लंबे समय तक बचाकर रखती है।*
**माइकल बरी,** अमरीकी हेज फंड मैनेजर

# पत्रिका फाइनेंस
@बिजनेस & वेल्थ

| शेयर बाजार: सेंसेक्स | शेयर बाजार: निफ्टी | सोना: स्टैंडर्ड (24K) | चांदी: चांदी (999) | रुपया |
|---|---|---|---|---|
| 77,958 (+941) | 24,331 (+298) | ₹1,54,400 (प्रति 10 ग्राम) (+2900) | ₹2,53,800 (प्रति किग्रा) (+6800) | ₹94.57 (प्रति 1 डॉलर) (+0.61) |

**ऑपरेशन सिंदूर का एक साल** @पत्रिका इंफोग्राफिक्स

## डिफेंस शेयर बने रॉकेट... अधिकतर ड्रोन स्टॉक्स क्रैश

*मुंबई@पत्रिका. पहलगाम हमले के जवाब में 7 मई को शुरू ऑपरेशन सिन्दूर के एक साल पूरे हो गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद के एक माह में ड्रोन बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में चार चांद लग गए थे, जो अब 73 तक नीचे आ गए हैं। वहीं बड़ी ऑर्डर बुक वाली रक्षा कंपनियों के शेयरों में पिछले एक साल में तूफानी तेजी आई है। ऑपरेशन सिंदूर से अब तक निफ्टी डिफेंस इंडेक्स 31% चढ़ा है, जबकि इस अवधि में सेंसेक्स में 3% गिरावट आई और निफ्टी-50 भी लाल रहा।*

ऑपरेशन सिंदूर एक साल

**31%** चढ़ा निफ्टी ***इंडिया डिफेंस इंडेक्स*** ऑपरेशन सिंदूर के बाद से अब तक, ***पिछले एक महीने में 18% से ज्यादा बढ़ा***

### इन डिफेंस शेयरों को लगे पंख

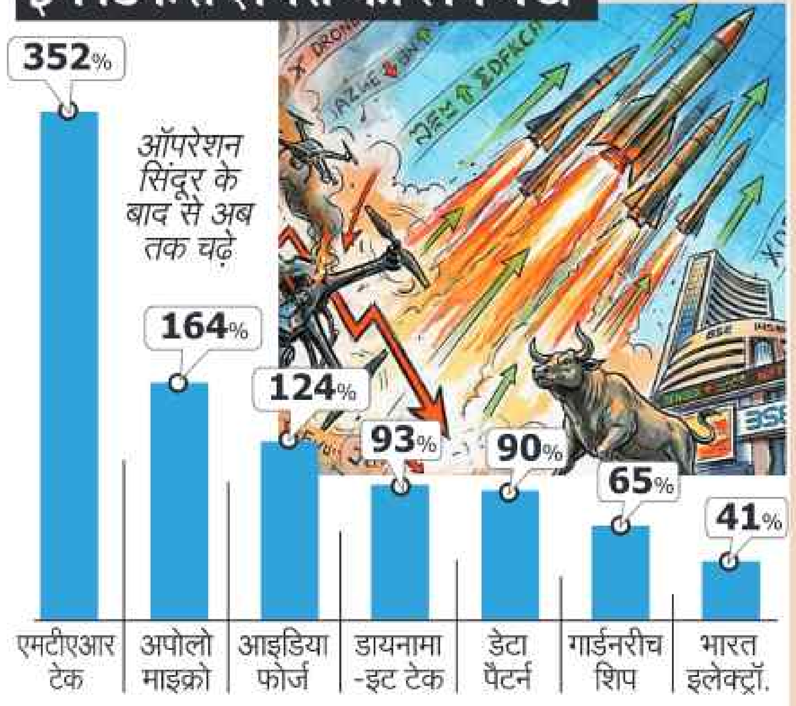


**18% चढ़ा** कोचीन शिपयार्ड, पारस डिफेंस में 19.1% तो जेन टेक्नोलॉजी के शेयर 14.5% ***चढ़े एक साल में, इनका रिटर्न बेंचमार्क से कम*** **11.1% गिरा** मझगांव डॉक एक साल में, भारत डायनेमिक्स -8% लुढ़का, जबकि ***ऑपरेशन सिंदूर के बाद अगले एक माह में ये 25% से ज्यादा चढ़े थे***

### इन ड्रोन स्टॉक्स ने तेजी के बाद अब किया निराश

| कंपनी | (एक साल में लुढ़के) |
|---|---|
| डीसीएम श्रीराम इंड. | -73% |
| ड्रोन डेस्टिनेशन | -59% |
| ड्रोनआचार्य एरियल | -36% |
| इंफोएज | -29% |
| रत्तनइंडिया एंटर. | -9.7% |
| एचएएल | -2.8% |

(एक साल में लुढ़के)

### भारत से 2025-26 में हर मिनट ₹15 करोड़ का निर्यात

**नई दिल्ली.** वित्त वर्ष 2025-26 भारत ने एक्सपोर्ट के मोर्चे पर बड़ी छलांग लगाई है। भारत ने बीते वित्त वर्ष में हर एक मिनट के अंदर 15 करोड़ रुपए से ज्यादा का एक्सपोर्ट किया। सरकार की ओर से बुधवार को जारी एक्पोर्ट और इंपोर्ट डेटा के मुताबिक, ग्लोबल इकोनॉमिक अनिश्चितताओं के बावजूद देश के सामान और सेवाओं का निर्यात 863.11 अरब डॉलर यानी 81.42 लाख करोड़ रुपए के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

**ट्रंप-ईरान के कभी नरम-कभी गरम रुख से असमंजस** यूरोप-अमरीका में बॉन्ड यील्ड, डॉलर में गिरावट से सोना-चांदी भी चढ़े

# पश्चिम एशिया में शांति! क्रूड 12% टूटा, शेयर बाजार में लौटी रौनक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**मुंबई.** अमरीका-ईरान के बीच सुलह की उम्मीदों से स्टॉक मार्केट में रौनक लौटी। ट्रंप ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' अभियान बंद करने का ऐलान किया। इससे दोनों पक्षों के बीच सुलह की उम्मीद बढ़ी। ट्रंप ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पूरा हो गया है। इससे क्रूड ऑयल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई। ब्रेंट क्रूड गिरकर 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया। इससे सेंसेक्स -निफ्टी में 1% से अधिक की बढ़त रही। डॉलर के कमजोर होने और अमरीकी बॉन्ड यील्ड घटने से सोना-चांदी भी उछल गए। ईरान में शांति की उम्मीद से शेयर बाजारों में 7 मई को तेजी की उम्मीद थी, पर तेहरान के फिर से कड़े रुख और ट्रंप की बमबारी की धमकी से क्रूड ऑयल 102 डॉलर पर पहुंच गया। इससे गुरुवार को बाजार में उठापटक की आशंका है।

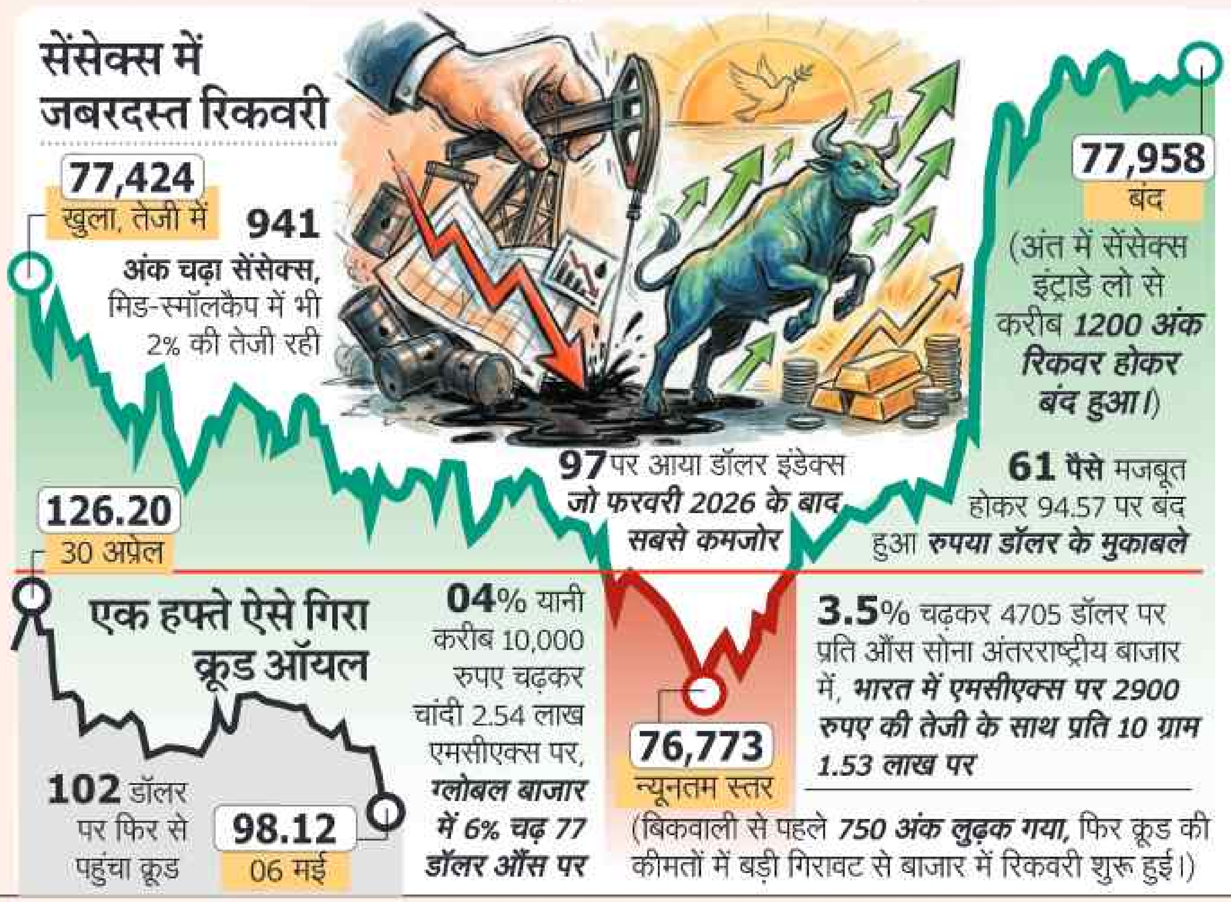


### बाजार में चौतरफा तेजी

| इंडेक्स | चढ़े |
|---|---|
| सेंसेक्स | 1.22% |
| निफ्टी 50 | 1.24% |
| मिडकैप 150 | 1.69% |
| स्मॉलकैप 250 | 1.80% |
| माइक्रोकैप | 1.60% |

(बुधवार को आई तेजी)

### इन सेक्टर्स में सबसे अधिक तेजी

| इंडेक्स | उछले |
|---|---|
| निफ्टी बैंक | 2.63% |
| पीएसयू बैंक | 2.84% |
| निफ्टी ऑटो | 2.41% |
| निफ्टी फार्मा | 2.30% |
| निफ्टी रियल्टी | 2.63% |
| निफ्टी केमि. | 2.46% |

### इन वजहों से तेजी

1. बाजार में अमरीका-ईरान के बीच टेंशन घटने से तेजी आई। चीन की कूटनीति का फायदा हुआ है।
2. पश्चिम एशिया में टेंशन घटने की उम्मीद से क्रूड ऑयल की कीमतो में बड़ी गिरावट आई। ब्रेंट 12% की गिरावट के साथ 98 डॉलर और डब्ल्यूटीआइ क्रूड 90 डॉलर पर आ गया। हालांकि, अभी अनिश्चितता बनी हुई है।
3. अमरीकी में आइटी और एआइ कंपनियों का मुनाफा बढ़ने का असर बाजारों पर पड़ा, जिससे टेक शेयरों में तेजी आई।
4. भारत में क्रूड की कीमतें घटने से रुपए में शानदार तेजी और विधानसभा चुनावों के नतीजों और क्रेडिट गारंटी योजना 5.0 को मंजूरी से भी सेंटीमेंट पॉजिटिव हुआ।

\- **विनोद नायर,** रिसर्च हेड, जियोजित इनवेस्टमेंट्स

**अर्थव्यवस्था** 93% निर्माताओं ने जताई उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद, सर्विस सेक्टर में तेजी

# ईरान संकट से हिल गए बड़े-बड़े सूरमा, हिचकोले खाकर भी अटल रहा भारत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**नई दिल्ली.** ईरान-अमरीका के बीच दो महीने से भी ज्यादा समय से जारी संघर्ष और समुद्री रास्तों में बाधा ने दुनियाभर के देशों को अस्थिर कर रखा है। इससे खुद अमरीका भी बच नहीं पाया है। अमरीका में पेट्रोल की कीमतें दो महीने में 50% बढ़ गई है और यह 4 साल से सबसे ऊंचे स्तर 4.51 डॉलर प्रति गैलन पर पहुंच गई हैं। साथ ही वहां मंदी का खतरा मंडरा रह है। आइएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, तेल के खेल में कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हिल गई हैं लेकिन इन सब झंझावातों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत झटकों से अछूता नहीं, लेकिन मजबूत बना हुआ है।

### किस सेक्टर में कितनी क्षमता से हो रहा उत्पादन

| सेक्टर | कैपिसिटी यूटिलाइजेशन |
|---|---|
| ऑटोमोबाइल | 75.7% |
| कैपिटल गुड्स | 69% |
| रसायन-फार्मा | 75% |
| इलेक्ट्रॉनिक्स | 68% |
| मशीन टूल्स | 70% |
| मेटल प्रोडक्ट्स | 76% |
| अन्य सेक्टर्स | 65% |
| टेक्सटाइल-अपैरल | 76.4% |

**भारत हर झटके से निपटने में सक्षम: मूडीज**

**रेटिंग** एजेंसी मूडीज ने कहा, भारत वर्ष 2020 से लगातार ***उभरते बाजारों में सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बना हुआ है।*** मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, स्पष्ट और भरोसेमंज मौद्रिक नीति और स्थानीय बाजारों पर निर्भरता से भारत हर झटके से निपटने में पूरी तरह सक्षम है।

### सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में तेजी

**एचएसबीसी** के मुताबिक, मजबूत घरेलू मांग, ई-कॉमर्स गतिविधियों में तेजी और नए ऑर्डर्स में सुधार के चलते अप्रेल में भारत की सर्विस सेक्टर की गतिविधियां पांच माह के टॉप पर पहुंच गईं।

### 41% कंपनियां 3 माह में करेंगी हायरिंग

**सर्वे के अनुसार,** लगभग 70% उत्तरदाताओं ने बताया कि उत्पादन लागत का हिस्सा बिर्ी के मुकाबले बढ़ गया है। पिछली तिमाही में यह संख्या 57% थी। भर्ती और श्रम उपलब्धता में सुधार देखा गया। अगले तीन महीनों में 41% उत्तरदाता नई भर्ती की योजना बना रहे हैं। लगभग 79% उत्तरदाताओं ने पर्याप्त श्रमिक उपलब्धता बताई, जबकि 21% ने कुशल श्रमिकों की कमी की चुनौती जताई। सर्वे में 80% उत्तरदाताओं ने निर्यात में वृद्धि की उम्मीद जताई। इन्वेंट्री में समान या उच्च स्तर की उम्मीद रखने वालों की संख्या 86% रही।

**मसौदा जारी** आरबीआइ ने दिया प्रस्ताव

# लोन नहीं चुकाया तो बैंक जब्त कर सकता है प्रॉपर्टी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**मुंबई.** आरबीआइ ने बैंकों और एनबीएफसी के लिए कर्ज वसूली से जुड़े नए नियमों का मसौदा पेश किया है। इसके तहत अब बैंक डूब चुके कर्ज (एनपीए) की वसूली के लिए गिरवी रखी गई जमीन या मकान जैसी अचल संपत्तियों को अपने कब्जे में ले सकेंगे। आरबीआइ स्पेसिफाइड नॉन-फाइनेंशियल असेट्स (एसएनएफए) पर जारी इन निर्देशों के मसौदे में कहा है कि ऐसी संपत्तियों को सही समय पर और पारदर्शी तरीके से बेचने से संस्थानों को अपना ज्यादा से ज्यादा पैसा वसूलने में मदद मिलेगी। एसएनएफए वह अचल संपत्तिहै, जिसे कोई बैंक या संस्थान उधार लेने वाले से अपने पैसे वसूलने के लिए अपने कब्जे में लेता है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि बैंकों और विनियमित इकाइयों (आरई) से सामान्य परिस्थितियों में अपेक्षा नहीं की जाती कि वे अपनी नियमित कर्ज गतिविधियों के बदले गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों पर कब्जा करें।

### किन परिस्थितियों में बैंक ले सकेंगे कब्जा?

**आरबीआइ** ने साफ किया है कि सामान्य स्थिति में बैंक गैर-वित्तीय संपत्तियों जैसे घर, जमीन, मशीनरी पर कब्जा नहीं करेंगे। लेकिन यदि कोई लोन एनपीए बन जाता है और उधारकर्ता भुगतान बंद कर देता है, तब बैंक कानूनी प्रक्रिया अपनाकर गिरवी रखी संपत्ति को कब्जे में ले सकते हैं। वही मामले इस प्रक्रिया के तहत आएंगे जहां बाकी सभी रिकवरी विकल्प विफल हो चुके हों।

DOWN PAYMENT STARTS FROM ₹6 999# | NO PROCESSING FEE** | NO COST EMI**

* Ex-showroom price of TVS Raider Drum variant in Madhya Pradesh. # Finance plans are mutually exclusive and cannot be clubbed with each other. Scheme valid till 31st May, 2026. ** T&C apply.

FOLLOW US ON: @tvsraiderofficial | TVS RAIDER | VISIT US AT: www.tvsmotor.com/tvs-raider

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com मुख्य अधिकृत विक्रेता – जबलपुर : सिंघई टीवीएस, 7970000165, सिंघई टीवीएस ब्रॉच, 7970000191, सिया टीवीएस, 8817400130, 8817400131, नर्मदा टीवीएस, 9644966004, 9644966005, नर्मदा टीवीएस ब्रांच, 9644966022, बालाघाट: सतपुड़ा टीवीएस, 9977700737, 8463876187, कटनी : के 3 टीवीएस, 9425154874, 9407439013, नरसिंह टीवीएस, 6267750761, 9039053881, मंडला : माँ रेवा टीवीएस, 7000415209, 9424140700, नरसिंहपुर : भाटिया टीवीएस, 07792-236299, 9111023411, अर्चित टीवीएस, 9754238888, सिवनी : अर्पित टीवीएस, 7898723789, 8839694100, शहडोल : मनोज टीवीएस, 9826366798, 07652-230912, वैढ़न : प्रिंस टीवीएस, 9826789114, 9098634696, अधिकृत विक्रेता जबलपुर : रांझी 9300122757, 9179612850, बेदी नगर 9993233297, गोसालपुर 9977887566, पनागर 9806240088, सिहोरा 9691022227, 9977973525, मझौली 7898404022, 9827620592, कांचघर 9669328111, अधिकृत विक्रेता डिंडौरी : शाहपुरा 9433027927, गाडासरई 9424508485, अधिकृत विक्रेता बालाघाट: कटंगी 7869691407, अधिकृत विक्रेता कटनी : बहोरीबंद 6260231716, बरही 8349508490, पवई 9425831675, रीठी 6263283508, शाहनगर 9691091510, स्लीमनाबाद 9981827688, उमरिया 9406531622, विजयराघवगढ़ 8251888084, बड़वारा 8770103194, अमरपुर 7582048076, अधिकृत विक्रेता नरसिंहपुर : बरमान 9713721013, 7987583356, गाडरवारा 9406898888, 98266906886, तेंदूखेड़ा 9993618356, 7049545151, गोटेगांव 7049371202, करेली 8889601199, 6264308599, 9926618699, 8720017200, अधिकृत विक्रेता मण्डला : बिछिया 7389911256, 8989607762, नैनपुर 9340547727, 6268900447, अधिकृत विक्रेता सिवनी : बरघाट 8517819200, 9425436764, छपारा 7566040335, 9827676009, केवलारी 9993110847, 9755290608, अधिकृत विक्रेता शहडोल : अमलाई, 9584046909, अनूपपुर 7000656002, ब्योहारी 8861622002, बुढ़ार 9425182091, धनपुरी 9425135035, गोहपारू 7999139906, जयसिंहनगर 9479599510, कोतमा 9424334566, नौरोजाबाद 8319878310, राजेन्द्रग्राम 9770935006, कोतमा 9713923592, मानपुर 9713213171, जैतहरी 8120963160, अधिकृत विक्रेता वैढ़न : निगरी 9630062852, 8085934464, सरई 7470402846, 7697593980, चितरंगी 9407359862, बरगंवा 8085387283, गोनर्रा 9827275805.

dentsu/rp jab/01/26

पोस्टल रजि. नं.-एसएसपी
जबलपुर/पत्रिका/ 27/22-24

कटंगी का मामला

## सेवानिवृत्त जवान फंदे से झूला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर** . कटंगी थाना क्षेत्र के कूडन गांव में बीएसएफ से सेवानिवृत्त 69 वर्षीय शिवकुमार श्रीवास्तव ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट बरामद कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। मूल रूप से भेड़ाघाट निवासी शिवकुमार श्रीवास्तव पिछले दो वर्षों से अपने बेटे और बहू के साथ कूडन गांव में रह रहे थे। बुधवार सुबह उनका शव कमरे में फंदे से लटका मिला।

पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें शिवकुमार ने लिखा है कि वह अपनी जिंदगी के सफर से पूरी तरह थक और परेशान हो चुके हैं। उन्होंने यह कदम अपनी मर्जी से उठाने की बात लिखी है और इसके लिए स्वयं को जिम्मेदार बताया है। हालांकि, मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब मृतक के मोबाइल से एक ऑडियो सामने आया। बताया जा रहा है कि ऑडियो में एक महिला शिवकुमार को धमकाते हुए सुनाई दे रही है। इस ऑडियो के सामने आने के बाद पुलिस आत्महत्या के लिए प्रताड़ना के पहलू से भी जांच कर रही है।

परिजनों के अनुसार मंगलवार रात शिवकुमार ने परिवार के साथ खाना खाया था और इसके बाद अपने कमरे में सोने चले गए। बुधवार सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर उनका शव फंदे पर लटका मिला।

### मोबाइल लूटा

**जबलपुर.** अधारताल के अहमदनगर निवासी 89 वर्षीय अकील सिद्दीकी का बाइक सवारों ने मोबाइल लूट लिया। पुलिस के अनुसार अकली कटनी में प्राइवेट काम करते हैं। रोजाना बस से आना-जाना करते हैं। मंगलवार रात 11:20 बजे वे बस से उतरकर कुरैशी मार्बल वाली गली से पैदल घर जा रहे थे। तभी फोन आने पर वे बात करने लगे। इसी बीच पीछे से आए बाइक सवार दो युवकों ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

संकट में कैसे मिलेगी मदद: पत्रिका रियलिटी चेक में पुलिस व्यवस्था की पोल खुली, कई नंबर बंद

# थाना प्रभारियों के सम्पर्क नम्बर बने शोपीस, आधे से ज्यादा ने नहीं उठाया मोबाइल फोन

पत्रिका पड़ताल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर.** आम लोगों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला पुलिस के थाना प्रभारियों को शासकीय सीयूजी सिम आवंटित किए गए हैं। इन नंबरों को सार्वजनिक भी किया गया है ताकि लोग सीधे संबंधित थाना प्रभारी से संपर्क कर सकें। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। इन नंबरों पर कॉल करने पर या तो फोन नहीं उठाया गया या फिर मोबाइल बंद और आउट ऑफ सर्विस मिला। यह स्थिति तब सामने आई जब बुधवार को पत्रिका टीम की ओर से 25 थानों के सीयूजी नंबरों का रियलिटी टेस्ट किया गया।

### इन थाना प्रभारियों ने नहीं उठाया फोन

रियलिटी टेस्ट के दौरान अधारताल टीआई प्रवीण कुमार कुमरे, पनागर टीआई विपिन सिंह, लार्डगंज टीआई नवल सिंह आर्य, ओमती टीआई राजपाल सिंह बघेल, रांझी टीआई उमेश गोल्हानी, गोहलपुर टीआई रीतेश कुमार पांडे, गोराबाजार टीआई संजीव कुमार त्रिपाठी और गढ़ा टीआई प्रसन्न कुमार शर्मा के नंबरों पर घंटी बजती रही, लेकिन कॉल रिसीव नहीं किया गया।

### कई नंबर मिले बंद और आउट ऑफ सर्विस

कोतवाली टीआई मानस द्विवेदी, सिविल लाइन टीआई पूर्वा चौरसिया, घमापुर टीआई दिनेश गौतम और महिला थाना प्रभारी मंजू शर्मा के मोबाइल स्विच ऑफ मिले। वहीं मदनमहल टीआई धीरज राज का नंबर सेवा में नहीं मिला। बेलबाग टीआई जितेंद्र पाटकर के नंबर पर इनकमिंग बंद थी, जबकि हनुमानताल टीआई सुभाषचंद्र बघेल का नंबर अस्थाई रूप से सेवा से बाहर मिला।

### ये अधिकारी मुस्तैद

इस अव्यवस्था के बीच कुछ थाना प्रभारी मुस्तैद भी नजर आए। गोरखपुर टीआई नितिन कमल, संजीवनी नगर टीआई बीडी द्विवेदी, ग्वारीघाट टीआई हरिकिशन आटनेरे, कैंट टीआई पुष्पेंद्र पटले, माढ़ोताल टीआई वीरेंद्र सिंह पवार, अजाक थाना प्रभारी मनोज कुमार त्रिपाठी और अपराध शाखा थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा ने तुरंत कॉल रिसीव किया। वहीं खमरिया टीआई राजकुमार खटीक ने फोन उठाकर बताया कि वह वर्तमान में लाइन अटैच हैं।

### दो नम्बरों पर कॉल ही नहीं लगा

तिलवारा टीआई बृजेश मिश्रा और विजय नगर टीआई राजेंद्र सिंह मर्सकोले के नंबरों पर कॉल कनेक्ट ही नहीं हो सका। जनता के लिए जारी किए गए सीयूजी नंबरों की यह स्थिति पुलिस की जवाबदेही और आपातकालीन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।

**जिले की स्थिति**

| | |
|---|---|
| **कुल थाना प्रभारी** | **25** |
| फोन रिसीव नहीं किया | 8 |
| **मोबाइल स्विच ऑफ** | **4** |
| सेवा में नहीं/इनकमिंग बंद | 3 |
| **कॉल कनेक्ट नहीं हुआ** | **2** |
| कॉल रिसीव किए गए | 8 |

### 25 में से सिर्फ 8 ने उठाया फोन

जानकारी के अनुसार पड़ताल में सामने आया कि शहर के कुल 25 थाना प्रभारियों में से केवल 8 अधिकारियों ने कॉल रिसीव किया। बाकी अधिकांश नंबरों पर या तो घंटी बजती रही या फोन बंद मिला।

ब्लॉक क्रेडिट कार्ड से साइबर ठगी

## बैंक मैनेजर के खाते से 1.62 लाख रुपए पार

पत्रिका रक्षा कवच — अपराधों के विरुद्ध पत्रिका अभियान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर.** मदन महल थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने एक बैंक मैनेजर के ब्लॉक किए जा चुके क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 62 हजार 781 रुपए निकाल लिए।

खास बात यह रही कि पीड़ित ने न तो किसी को ओटीपी बताया और न ही किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक किया। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार स्नेह नगर निवासी आशीष चंद्रा (37) सरकारी बैंक में रीजनल वेल्थ मैनेजर हैं। 25 अप्रेल को उनके मोबाइल पर दो ओटीपी आए। इसके कुछ ही देर बाद उनके क्रेडिट कार्ड से दो ट्रांजैक्शन के जरिए कुल 1 लाख 62 हजार 781 रुपए टाटा पेमेंट लिमिटेड, मुंबई के नाम पर ट्रांसफर हो गए।

### ब्लॉक था कार्ड

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि संदिग्ध मैसेज मिलने के बाद उन्होंने 20 अप्रेल को ही क्रेडिट कार्ड स्थाई रूप से ब्लॉक करा दिया था। इसके बाद कार्ड को दोबारा अनब्लॉक भी नहीं कराया गया। इसके बावजूद ब्लॉक कार्ड से रकम निकल जाने से बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। मदन महल पुलिस ने अज्ञात ठग के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले की जांच साइबर सेल की मदद से की जा रही है। पुलिस ट्रांजैक्शन से जुड़े तकनीकी पहलुओं और रकम ट्रांसफर होने के स्रोत की पड़ताल कर रही है।

अधारताल और रांझी में केस दर्ज

## सूने मकानों में चोरी, लाखों रुपए के जेवर-नकदी पार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर** . रांझी थाना क्षेत्र के रक्षा नगर कॉलोनी बड़ा पत्थर निवासी हीराबाई सोनी (55) ने पुलिस को बताया कि वह बड़ा पत्थर क्षेत्र में

चूड़ियों का व्यवसाय करती हैं। 5 मई की रात वह अपने पुराने घर से नए मकान में सोने चली गई थीं। इसी दौरान चोर मुख्य गेट के ऊपर से चढ़कर घर में दाखिल हुए।चोरों ने मकान का ताला तोड़कर अलमारी में रखे 25 हजार रुपए नकद, सोने की झुमकी, पांच ग्राम वजनी मंगलसूत्र और करीब 200 ग्राम चांदी की पायल चोरी कर ली।

दूसरी घटना अधारताल थाना क्षेत्र के मैत्री नगर शिवधाम कॉलोनी, महाराजपुर की है। यहां निवासी जितेंद्र कुशवाहा (37) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वह पेशे से ड्राइवर हैं। 3 मई की शाम वह ड्यूटी पर चले गए थे, जबकि उनकी पत्नी सिहोरा अस्पताल अपनी नौकरी पर गई थीं। 4 मई की सुबह जब जितेंद्र घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी और पेटी के ताले तोड़कर 30 हजार रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए।

आरोपी गिरफ्तार

## शादी का झांसा देकर युवती से बलात्कार

**जबलपुर** . हनुमानताल थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने बुधवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई कि आरोपी सूर्यांश ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर शादी का वादा किया था। आरोपी के भरोसे में आकर वह उसके साथ रहने लगी। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने पिछले तीन-चार महीनों से उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने आरोपी पर शादी का दबाव बनाया, तो वह टालमटोल करता रहा। बाद में उसने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। पीड़िता ने हनुमानताल थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मेडिकल अस्पताल में भर्ती

## 11 केवी लाइन पर काम के दौरान बिजली कर्मी झुलसा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर.** पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाराजपुर डीसी क्षेत्र में कार्य के दौरान एक बिजली कर्मी गंभीर हादसे का शिकार हो गया। 11 केवी लाइन का फॉल्ट सुधारते समय अचानक हुए तेज स्पार्क से कर्मी के कपड़ों में आग लग गई, जिसके बाद वह संतुलन खोकर नीचे गिर पड़ा। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिजली कर्मी जगन्नाथ परस्ते डीपी पर चढ़कर जंपर जोड़ रहे थे। अचानक तारों में तेज स्पार्क हुआ और उनके कपड़ों में आग लग गई। आग की चपेट में आने के बाद वह संतुलन खो बैठे और नीचे गिर गए। साथियों ने उन्हें तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ ने घटना को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। संघ ने आरोप लगाया कि लाइन पर कार्य के लिए परमिट लेकर सप्लाई बंद कराई गई थी, इसके बावजूद अचानक बिजली चालू कैसे हो गई।

इलाज कराने का झांसा देकर फरार हुआ चालक

## बुलेट ने स्कूटर को मारी टक्कर, दो युवक घायल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर** . कुंडम थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बुलेट चालक की लापरवाही से सड़क हादसा हो गया। खंदिया मोड़ के पास बुलेट ने स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे स्कूटर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने अज्ञात बुलेट चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### डिंडोरी से लौट रहे थे

रांझी के मस्ताना चौक निवासी नीरज पटेल ने पुलिस को बताया कि वह मजदूरी का काम करता है। बुधवार को वह अपने साथी नूर खान, संजय केवट और अमित पासी के साथ हलवाई काम का ऑर्डर लेने डिंडौरी गए थे। शाम करीब 6:15 बजे सभी लोग वापस जबलपुर लौट रहे थे। इसी दौरान खंदिया के पास मंदिर वाले मोड़ पर पीछे से आए एक बुलेट चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए संजय और अमित की एक्सेस स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। हादसे में उनके हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद बुलेट चालक कुछ देर के लिए रुका और घायलों को इलाज कराने का भरोसा दिया, लेकिन बाद में अपनी बाइक लेकर जबलपुर की ओर भाग निकला। घायलों को तत्काल इलाज के लिए जबलपुर भेजा गया। कुंडम पुलिस ने अज्ञात बुलेट चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

**SHOWROOMS: MADHYA PRADESH: JABALPUR:** RENAULT **JABALPUR WEST** Ph: 7291980314. RENAULT **AGAR** Ph: 8448220030. RENAULT **BHOPAL NEW** Ph: 9289220870. RENAULT **CHHATARPUR** Ph: 7603868297. RENAULT **CHHINDWARA** Ph: 9667215285. RENAULT **DAMOH** Ph: 9289263623. RENAULT **GWALIOR CITY** Ph: 8448383235. **INDORE:** RENAULT **INDORE** Ph: 9821199958, RENAULT **INDORE EAST** Ph: 9289263821. RENAULT **MANDSAUR** Ph: 8448220394. RENAULT **SAGAR** Ph: 9311340949. RENAULT **SATNA** Ph: 7290094892. RENAULT **SHAHDOL** Ph: 7029805696. RENAULT **UJJAIN** Ph: 8448220031.

"स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक विनोद कुमार जैन द्वारा, जेडीए बिल्डिंग, प्रथम तल, सिविक सेंटर, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लॉट नं. 84, औद्योगिक क्षेत्र रिछाई, जबलपुर (म.प्र.) एवं छिड़िया पलारी, बायपास चौक, सिवनी (म.प्र.) से मुद्रित। फोन नम्बर 0761-4102358, 2973933, आर.एन.आई.नं. एमपीहिन/2009/32102, सम्पादक : पंकज श्रीवास्तव।
स्थानीय सम्पादक : शुभम सिंह बघेल -पीआरपी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। अन्य संस्करण: भोपाल फोन: 0755-4012777,4207090, इंदौर फोन: 0731-2511051, 2515513, ग्वालियर फोन 0751-2930499, शहडोल फोन 07652-248890, 299023, सतना फोन 07672-252056, 251051, छिंदवाड़ा फोन 07162-292896, सागर फोन 07582-286281, रायपुर फोन 0771-2263055, बिलासपुर, फोन 07752-351967

## ग्रह-नक्षत्र

पंडित मुकेश भारद्वाज, ज्योतिर्विद व वास्तुविद्

- शुभ वि. सं: 2083
- संवत्सर का नाम: रौद्र
- शक संवत: 1948
- हिजरी संवत : 1447
- मु.मास: जिल्काद 19
- अयन: उत्तरायण
- ऋतु: ग्रीष्म
- मास: प्रथम ज्येष्ठ (शुद्ध)
- पक्ष: कृष्ण

**आज का दिन**

**गुरुवार, 07 मई, 2026**

**सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति**

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** आज शुभ का चौघड़िया सूर्योदय से 7.27 तक रहेगा। चर का चौघड़िया 10.45 से 12.23 तक रहेगा। लाभ व अमृत के चौघड़िए 12.23 से 3.41 तक रहेंगे।

**तिथि:** पंचमी तिथि दिन 10.14 तक होगी, तदुपरांत षष्ठी तिथि होगी।

**दिशाशूल:** आज दक्षिण दिशा में दिशा शूल रहेगा।

**राहु काल वेला:** (मध्यमान से) दिन 1.30 से 3.00 तक रहेगा।

**नक्षत्र:** पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सायं 6.46 तक रहेगा, तदुपरांत उत्तराषाढ़ा नक्षत्र होगा।

**योग:** साध्य योग रात्रि 1.59 तक रहेगा, तदुपरांत शुभ योग रहेगा।

**करण:** तैतिल करण दिन 10.14 तक रहेगा, तदुपरांत गर करण रहेगा।

**विशिष्ट योग:** रवियोग सायं 6.46 से प्रारंभ।

**व्रत/दिवस विशेष:** श्री रवींद्रनाथ टैगोर जयंती, विवाह मुहूर्त उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में।

**चंद्रमा:** आज रात्रि 1.26 तक धनु राशि में होगा, तदुपरांत मकर राशि में प्रवेश होगा।

**आज जन्म लेने वाले बच्चे:** आज रात्रि 1.26 तक जन्म लेने वाले बच्चों की राशि धनु होगी, तदुपरांत मकर राशि होगी। सायं 6.46 तक जन्म लेने वाले बच्चों का पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र होगा, तदुपरांत उत्तराषाढ़ा नक्षत्र होगा। इन बच्चों का ताम्र पाद होगा। इनके प्रथम नामाक्षर फा, ढ़ा, भे, भो पर रखे जा सकते हैं। धनु राशि के स्वामी बृहस्पति होने से व्यक्ति ज्ञानी व समझदार होता हैं, परंतु गुस्सा जल्दी करते हैं।

## आज का राशिफल

**मेष** — **मांगलिक कार्यों की योजना बनेगी।** परिवार में मेलजोल और सहयोग का वातावरण रहेगा। कार्यस्थल पर नियत समय अवधि में कार्य पूरा करने का दबाव रह सकता है। सूचनाओं को संभालें।

**वृषभ** — **नियम और कानून की पालना में सतर्कता दिखानी होगी।** भावनात्मक संबंधों में चल रही खींचतान का प्रभाव कार्यों पर पड़ सकता है। मुद्दे संवेदनशीलता और शीघ्रता से सुलझाने होंगे।

**मिथुन** — **प्रतिभा का प्रदर्शन करके लोगों को प्रभावित करने के अवसर का लाभ उठाने की स्थिति मिलेगी।** नए व्यवसाय या जॉब की खोज में विभिन्न लोगों से वार्तालाप हो सकती है।

**कर्क** — **दूसरों की अकुशलता के परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।** सावधान रहने का दिन है। संघर्ष हुआ तो उसमें विजय आपकी होगी लेकिन टालना बेहतर रहेगा। संबंधों में स्थाई दरार आ सकती है।

**सिंह** — **रुचि के अनुसार कार्य करने की स्थिति बनेगी।** दिन सौहार्दपूर्ण वातावरण में गुजरेगा। एकाग्रता बनाए रखी तो शिक्षा में मनचाहे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। संबंधों में साथी आकर्षित होगा।

**कन्या** — **कार्य कुशलता बढ़ानी होगी।** नए सहयोगी ढूंढने की आवश्यकता रहेगी। परिस्थितियों पर नियंत्रण बनाने में सफल रहे तो बड़े आर्थिक लाभ से जुड़ सकते हैं। वाहन बदलने के प्रयास सफल रहेंगे।

**तुला** — **आर्थिक उन्नति के लिए नए कोर्स या अन्य प्रकार की राह खोजने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे।** आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। पेरेंट्स का सानिध्य मिलेगा। अपेक्षाओं को पूरा करना कठिन।

**वृश्चिक** — **खेल और उससे जुड़ी गतिविधियों में महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।** विभिन्न प्रकार के सलाहकार की भूमिका से जुड़े लोगों को वाणी के प्रभाव से अच्छा धन लाभ हो सकता है।

**धनु** — **लक्ष्यों की प्राप्ति के बीच की बाधाएं दूर होंगी।** निर्विघ्न कार्य करने के मौके मिलेंगे। सामाजिक और पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भावनात्मक संबंधों के प्रति लगाव और गहरा होगा।

**मकर** — **कार्य क्षमता में कमी अनुभव करेंगे।** विरोधी हावी होने की कोशिश कर सकते हैं। धैर्य और साहस रखना होगा। पुराने संबंधों से मदद मिलेगी। खर्चों में कटौती करके स्थिति में सुधार के प्रयास करने होंगे।

**कुंभ** — **प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रदर्शन अनुमान से बेहतर रहने की स्थिति बनेगी।** साझेदारी व्यवसाय में पारदर्शिता रखना व्यापार की संभावनाओं को और बढ़ाने में मददगार होगा।

**मीन** — **पिछले कार्यों की प्रशंसा होने से उत्साहित रहेंगे।** उच्च अधिकारियों का विश्वास अर्जित होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत करने के लिए और अधिक प्रयास की आवश्यकता महसूस करेंगे।

**समर कैम्प:** विभिन्न विधाओं की तालीम देने के लिए शहर की सामाजिक संस्थाएं और युवाओं के ग्रुप कर रहे आयोजन

# बच्चे आएंगे संस्कारों के करीब, मोबाइल से बनेगी दूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

शिशु मंदिर शास्त्री ब्रिज में लगा शिविर

**जबलपुर.** गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को शिक्षा के अतिरिक्त अन्य विधाएं सिखाने के लिए समर कैम्प लगते हैं। तगड़ी फीस के चलते इन कैम्प्स में गरीब तबके के बच्चे प्रवेश नहीं ले पाते हैं।

इन गरीब बच्चों को विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण देने का बीड़ा शहर के कुछ युवाओं की टीम और सामाजिक संस्थाओं ने उठाया है। ये समूह, संगठन इन बच्चों को नि:शुल्क ड्राइंग, पेंटिंग, गायन, नृत्य सहित विभिन्न उपयोगी विधाओं में प्रशिक्षित करेंगे। नैतिकता व माता-पिता सहित बड़ों के चरण छूकर सम्मान करना जैसे संस्कारों के बीज बोएंगे। सबसे अहम यह कि बच्चों को तीन-चार घण्टे मोबाइल फोन से भी दूर रखेंगे।

### मोबाइल की जगह संस्कार सीखेंगे

रोटरी क्लब संस्कारधानी, सरस्वती शिशु मंदिर, नरसिंह मंदिर व कदम संस्था के तत्वावधान में बच्चों के लिए बुधवार को नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ।

प्रथम दिवस 125 बच्चों ने पंजीयन कराया। लोक नृत्य निर्देशक कृष्णकांत दीक्षित ने बताया कि शिविर में लोक नृत्य, अभिनय, संगीत , फाइन आर्ट, कैलीग्राफी, पेंटिंग, मेहंदी, स्पोकन इंग्लिश, योगा, एरोबिक्स, मार्शल आर्ट, बॉक्सिंग, उपशास्त्रीय नृत्य, वादन व गीता पठन का नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। सुबह 9:00 से 12:00 बजे तक सरस्वती शिशु मंदिर नरसिंह मंदिर में प्रशिक्षण दिया जाएगा। 3 घण्टे से अधिक बच्चे स्वेच्छा से मोबाइल से दूर रहेंगे।

### जैन समाज के कैम्प में सिखाएंगे कई विधा

जैन समाज के शिविर में बच्चों को नृत्य, गायन, पेंटिंग, कराते सहित अन्य कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जैन पंचायत सभा के अनिल जैन गुड्डा बताते हैं कि गणेश प्रसाद वर्णी रात्रि पाठशाला लॉर्डगंज स्थित जैन मंदिर में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर लगेगा।

### गुरुद्वारों में मिलेंगे संस्कार

ग्रीष्मावकाश में इस वर्ष भी मदनमहल, गोरखपुर, रांझी, मढाताल, आधारताल, बेलासिंह स्कूल, सिकलीगर गुरुद्वारा शारदा चौक व अन्य गुरुद्वारों में शिविर लगाए जाएंगे। सिख समाज के हरमीत सिंह धंजल ने बताया कि बच्चों को धार्मिक परम्पराओं, गुरुमुखी भाषा, गुरुवाणी व अन्य सिख धर्मग्रंथों का अध्ययन कराया जाता है। बीते वर्ष 300 बच्चों ने इन शिविरों में धार्मिक शिक्षा प्राप्त की। शिविर के दौरान बच्चे मोबाइल से दूर रहते हैं।

**पांच मिनट की आंधी दे गई जख्म** अनेक स्थानों पर हुई बर्बादी, बिजली व्यवस्था बिगड़ी

# मकान ध्वस्त, गृहस्थी तबाह, पोल तिरछे, कई इलाकों में अंधेरा कायम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**सिहोरा.** सिहोरा और खितौला क्षेत्र में मंगलवार शाम आए तेज बवंडर ने भारी तबाही मचाई है। खितौला के वार्ड क्रमांक 17 सकरी मोहल्ला में एक पक्के मकान की छत की बाउंड्री वॉल पास के कच्चे मकान पर गिर गई, जिससे कच्चा मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मकान में रखा पूरा गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर बर्बाद हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। कार क्षतिग्रस्त, टीन शेड उड़े प्रज्ञा विहार कॉलोनी में तूफान के दौरान घर के सामने खड़ी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं मकान का ऊपरी टीन शेड हवा में उड़ गया। बिजली कंपनी सिहोरा ग्रामीण कार्यालय का शेड भी उखड़ने से अंदर रखा सामान खराब हो गया। तिरछे पोल, झूलती केबल, लटके मीटर तूफान के चलते कई स्थानों पर बिजली के पोल गिर गए या तिरछे हो गए हैं। केबल लाइन सड़क पर झूलती नजर आ रही हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है। कई कॉलोनियों में अस्थायी बिजली मीटर पेड़ों पर लटके दिखे। खितौला क्षेत्र में सबसे अधिक नुकसान हुआ हैं और कई जगह अब भी बिजली आपूर्ति बाधित है।

सिहोरा. मंगलवार शाम को आई आंधी ने इस तरह जगह-जगह तबाही फैला दी है।

# खरीदी केंद्रों की अव्यवस्थाओं पर प्रदर्शन, एसडीएम को ज्ञापन

**सिहोरा@पत्रिका.** अखिल भारतीय ओबीसी महासभा, ओबीसी-एससी-एसटी संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिलाध्यक्ष एड. रमेश पटेल के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी सिहोरा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मझगवां क्षेत्र के नृसिंह वेयरहाउस की मैपिंग बदलकर द्वारकाधीश वेयरहाउस सिंघुली मझगवां करने, स्लॉट डिलीट होने पर दोबारा बुकिंग का विकल्प शुरू करने तथा गेहूं खरीदी केंद्रों में व्याप्त कमीशनखोरी पर रोक लगाने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

किसान प्रतिनिधियों ने बताया कि मौजूदा व्यवस्था के कारण किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ओबीसी जिलाध्यक्ष जितेंद्र कुमार कुर्मी, ब्लॉक सचिव उमेश पटेल, प्रताप भानु पटेल, अंजनी पटेल, दशरथ पटेल, मनोज पटेल, राजेश पटेल, अरुण पटेल, अमित पटेल, संतोष पटेल, सतीश पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे। अनुविभागीय अधिकारी ने सभी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

# क्रूज हादसे पर कांग्रेस का विरोध, निकाला कैंडल मार्च

**सिहोरा@पत्रिका.** जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष संजय यादव के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा ने गत दिवस अनुविभागीय अधिकारी सिहोरा के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें बरगी बांध में 30 अप्रेल को हुए क्रूज हादसे में दोषी अधिकारियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने, मृतकों के परिजनों को एक करोड़ रुपए मुआवजा देने, सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई तथा जबलपुर सीईओ के निलंबन की मांग की गई। साथ ही चार लोगों की जान बचाने वाले रमजान को सम्मानित करने की मांग भी रखी गई।

ज्ञापन से पूर्व पार्षद अरशद खान के कार्यालय से कैंडल मार्च निकालकर जय स्तंभ थाने के सामने दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में बिहारी पटेल, राजेश चौबे, प्रकाश कुररिया, लाल बहादुर पाठक, शिवकुमार गर्ग, संतोष पांडे, आलोक पांडे, रमेश पटेल, मंसूर मंसूरी, राहुल श्रीवास्तव, गणेश दाहिया, प्रभात कुररिया, प्रांजल शराफ, नवनीत शुक्ला, संदीप शुक्ला, रमा चौरसिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

# माल बाबा मंदिर में धार्मिक आयोजन और भंडारा हुआ

**बेलखाडू@पत्रिका.** माल बाबा मंदिर बेलखाडू में बुधवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। विधिवत पूजा-अर्चना और भगवान की आरती के बाद भंडारे का शुभारंभ किया गया। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण भक्तिमय रहा और ''जय श्रीराम'' तथा ''माल बाबा जी महाराज की जय'' के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा।

इस दौरान लक्ष्मी पांडेय, ज्योति और रजनीश दुबे, प्रकाश कुररिया, रामसेवक दुबे, सरोज दुबे, धर्मेंद्र अवस्थी, राघवेन्द्र द्विवेदी, विभा मिश्रा, निशा पाठक, निकिता तिवारी, नीरजा द्विवेदी, सोनू पांडे, मोनू पांडे और अनु पांडे सहित आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

# 'लोग रामायण का नित पाठ करें, इसलिए भगवान ने की थी लीला'

**जबलपुर@पत्रिका.** मानस पीठ रामदूत मठ फूटाताल में ज्येष्ठ मास में विशेष पूजन व सत्संग सत्र चल रहा है। बुधवार को पूजन के बाद स्वामी गिरिजानंद ने श्रद्धालुओं को बताया कि सबका भक्षण करने वाला जो काल है, उसका भक्षण करने वाले श्री राम हैं। रावण को मारने के लिए रामजी को इतनी लीला करने की क्या जरूरत थी। श्री राम तो परमात्मा है सर्व शक्तिशाली हैं, काल के भी काल हैं।

### मोक्षदाई कथा

संकल्प मंत्र से श्री राम रावण को मार सकते थे। लेकिन, उन्होंने ने यह समस्त लीला इस कारण से की थी कि लोग रामायण का पाठ करें ,श्रवण करें। उतने समय तक जगत को भूल सकें। उन्होंने बताया कि श्रीराम ने रावण को मारने के लिए अवतार धारण नहीं किया। कलयुग के लोग यह लीला सुनकर उसमें तन्मय हों, इसलिए समस्त लीला की है। भगवान की लीला कथा मोक्षदाई है। भगवान अवतार लेते हैं, तो वे बहुत जीवों का उद्धार करते हैं। जब परमात्मा प्रत्यक्ष विराजते नहीं हैं, उस समय श्रीराम कथा अनेक जीवों को प्रभु का मार्ग बताती है। अनेक जीवों का कल्याण करती है। आयोजन में शैलेंद्र जड़िया, पुष्पा सोनी, सुधा अग्रवाल, श्यामा सेन, उमेश सेन, अविनाश खरे, राजेंद्र सोनी, आर्यन श्रीवास्तव सहित आदि शामिल हुए।

# माता मरियम अपने भक्तों को मदद देती हैं, सदियों से सहारा

**जबलपुर@पत्रिका.** सदर स्थित स्कूल परिसर में फातिमा की माता मरियम के तीर्थस्थल में वार्षिक भक्ति महोत्सव चल रहा है। इसके अंतर्गत नौदिवसीय प्रार्थना का बुधवार को तीसरा दिन था। मुख्य याजक सेंट थॉमस चर्च, घुघरी, मंडला के पल्ली पुरोहित फादर फिलिप ने भक्तजनों की उपस्थिति में पावन ख्रीस्तयाग अर्पित किया। उन्होंने कहा कि माता मरियम न सिर्फ अपने भक्तों पर कृपा करती हैं, बल्कि उनकी आवश्यकताओं के लिए निरंतर प्रार्थना करती रहती हैं। माता मरियम एक ऐसा पावन नाम है जो सदियों से हमारे लिए मदद, सहयोग और चंगाई के लिए प्रभु से मध्यस्थता करती हैं। महिलाओं के लिए माता मरियम एक आदर्श हैं। उन्होंने आगे बताया कि माता मरियम अपने जीवन काल में बहुत से लोगों को ईश्वर के करीब लेकर आई। माता मरियम ने ईश्वर के वचनों पर विश्वास किया तथा अपने सम्पूर्ण जीवन को ईश्वर के वचन के अनुसार जिया। पूर्व धर्माध्यक्ष बिशप जेराल्ड अलमेडा, फादर जूड जेम्स, फादर जेम्स संथानम एवं फादर सहाय अजील मौजूद थे। श्राइन प्रबंधन के चैपलिन फादर बिपिन खालको ने बताया कि सेंट थॉमस स्कूल तथा युवा गायन मंडली ने कर्णप्रिय गीतों और भजनों की मधुर प्रस्तुति से उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया। तीर्थस्थल की आकर्षक साज सजावट की गई है। भक्त पवित्र तीर्थस्थल में बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

# मिलन संस्था की हीरक जयंती मनाने का लिया गया संकल्प

**जबलपुर@पत्रिका.** विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शांति नगर में सामाजिक संस्था मिलन ने संकल्प सभा का आयोजन किया। इसमें तय किया गया कि संस्था की हीरक जयंती पर 75 कार्यक्रमों की संख्या पूरी की जाएगी। दो सितम्बर को स्थापना दिवस पर संस्था की 75 वर्ष की यात्रा के प्रत्येक क्षणों को अंकित किया जाएगा। सभा में प्रमुख संरक्षक डॉ. हरिशंकर दुबे, हास्य कलाकार केके नायक, इरफान झांसवी, जगदीश पटेल, ईश्वर सिंह ठाकुर, बलराम बर्मा, मृगेंद्र नारायण, डॉ. गीता गीत, डॉ. शोभा सिंह, राकेश खम्परिया, रीता दास, काजल मानेक, मौसमी चौधरी, सन्नी शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

# जैन सोशल ग्रुप ने की मुनि सुब्रतनाथ की पूजा- अर्चना

**जबलपुर@पत्रिका.** दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संस्कारधानी के तत्वावधान में शासनोदय तीर्थ में मुनि सुब्रत नाथ भगवान की शांतिधारा, सामूहिक पूजा अर्चना के साथ आराधना की गई। बरगी क्रूज हादसे में दिवंगतों की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस धार्मिक आयोजन के दौरान सुनीता लक्ष्मी, चित्रा घीया, सुनील घीया, अनिल जैन, आरती जैन, अमित पारस, रश्मि पारस, राजेंद्र जैन, संगीता जैन, श्रेयांश जैन, मीना जैन एवं सदस्य शामिल हुए।

## शोक समाचार

**श्रीमती प्रभा रानी बेंटिया-** पिसनहारी मढ़िया पुरवा निवासी श्रीमती प्रभा रानी बेंटिया (80) का निधन हो गया है। वे कमल कुमार बेंटिया की धर्मपत्नी थीं। आशीष, विनीत, राजीव व साधू बेंटिया की माताजी थीं। पार्षद अनुपम जैन की दादीजी थीं। अंतिम संस्कार त्रिपुरी चौक के समीप मुक्तिधाम में हुआ।

## सूचना

पत्रिका में निधन सम्बंधी समाचार नि:शुल्क प्रकाशित किए जाते हैं। सूचना देने के लिए जेडीए बिल्डिंग, प्रथम तल, सिविक सेंटर जबलपुर स्थित कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा मोबाइल 9993647615 के वाट्सऐप पर फोटो सहित भेजें।

**परम्पराएं सहेजने का जरिया** आधुनिकता और परम्परा का संगम, सात्विक थीम के साथ नया सामाजिक ट्रेंड

# महिलाओं के कार्यक्रमों में भक्ति के रंग, सोशल मीडिया पर भजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर.** संस्कारधानी में महिलाओं के सामाजिक मेल-मिलाप का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले जहां भजन मंडलियां मंदिरों या चबूतरों तक सीमित थीं, अब वे व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए संचालित हो रही हैं। वहीं किटी पार्टियां, जो कभी सिर्फ मनोरंजन का माध्यम थीं, अब सात्विक और धार्मिक थीम के साथ परंपराओं को सहेजने का नया जरिया बन गई हैं।

आज की महिलाएं तकनीक का उपयोग करते हुए भजन के बोल साझा कर रही हैं और किटी पार्टियों में सात्विक भोजन के साथ सांस्कृतिक मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचा रही हैं।

**मुख्य बदलाव एक नजर में-** 65 प्रतिशत भजन मंडलियां अब व्हाट्सएप के जरिए समय और स्थान तय करती हैं। किटी पार्टियों में तंबोला की जगह धार्मिक क्विज जैसे आयोजन होने लगे हैं। पारंपरिक ड्रेस कोड को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले 5 वर्षों में थीम बेस्ड किटी में 40 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

**किटी फंड का सामाजिक उपयोग-** नेपियर टाउन की महिलाओं ने तय किया है कि किटी फंड का 20 प्रतिशत हिस्सा अनाथालय और गौ सेवा में खर्च किया जाएगा।

### हर मोहल्ले में मंडली

अब शहर के लगभग हर क्षेत्र में किटी और बीसी पार्टियां संकीर्तन मंडलियों का रूप ले रही हैं। सोमवार, मंगलवार और शनिवार को महिलाएं पिकनिक के साथ भजन-कीर्तन करती नजर आती हैं। समाजशास्त्री प्रो. ध्रुव दीक्षित के अनुसार, यह बदलाव ''सांस्कृतिक संकरता'' का उदाहरण हैं, जहां महिलाएं आधुनिक तकनीक अपनाते हुए अपनी परंपराओं को भी सहेज रही हैं।

**केस 1:**
### डिजिटल सखी भजन मंडली

**विजय** नगर की 60 वर्षीय मालती शर्मा ने 40 महिलाओं का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। अब भजन का स्थान और समय मैसेज के जरिए तय होता है, जिससे आयोजन आसान हो गया है।

**केस 2:**
### थीम आधारित आयोजन

**सिविल** लाइंस के एक होटल में आयोजित किटी पार्टी की थीम ''नर्मदा घाट'' रही। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा पहनी और कार्यक्रम का समापन भजन व महाआरती से हुआ।

**केस 3:**
### सात्विक गॉसिप किटी ग्रुप

**राइट** टाउन की वकील राधिका और उनकी 12 सहेलियों ने किटी का नया स्वरूप अपनाया है। यहां केवल शुद्ध शाकाहारी भोजन और किसी सामाजिक

**केस 4:**
### वर्किंग वुमन और ई-भजन

**आईटी** सेक्टर की युवतियां सप्ताहांत में नर्मदा तट पर एकत्र होकर गिटार और ढोलक के साथ भजन गाती हैं, जिससे आधुनिकता और आध्यात्म का संगम